RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अनक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:189 ता. 14 जनवरी 2024, रविवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

'जूनागढ़ को तोड़ने की चल रही थी साजिशें तो चंडी की तरह उठ खड़ी हुई थीं सोनल मां',

पीएम मोदी बोले- समाज को दी नई रोशनी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जूनागढ़ में आई श्री सोनल मां के जन्म शताब्दी समारोह को संबोधित किया। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि सोनल मां ने समाज में शिक्षा के लिए अद्भुत काम किया।

आधुनिक युग के लिए प्रकाश स्तंभ की तरह थी सोनल मां -पीएम ने कहा कि सोनल मां ने व्यसन और नशे के अंधकार से समाज को निकाल कर नई रोशनी दी। सोनल मां ने समाज को कुरीतियों से बचाने के लिए निरंतर काम किया। वह आधुनिक युग के लिए प्रकाश स्तंभ की तरह थी। सोनल मां का पूरा जीवन जन कल्याण के लिए समर्पित रहा।

एकता और अखंडता की मजबूत प्रहरी थीं सोनल मां- पीएम मोदी

प्रधनामंत्री ने जन्म शताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सोनल मां देश की एकता और अखंडता की एक मजबूत प्रहरी थीं। भारत विभाजन के समय जब जूनागढ़ को तोड़ने की साजिशें चल रही थीं तो उसके खिलाफ सोनल मां चंडी की तरह उठ खड़ी हुई थीं।

22 जनवरी को अपने घरों में प्रज्वलित करें श्रीराम ज्योति

पीएम मोदी ने आगे कहा कि आज जब अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम होने जा रहा है तो सोनल मां कितनी प्रसन्न होंगी। आज मैं आप सभी से 22 जनवरी को अपने घरों में श्रीराम ज्योति प्रज्वलित करने का आग्रह करूंगा। कल से ही हमने देशभर के मंदिरों में स्वच्छता का अभियान भी शुरू किया है।

22 जनवरी को कालाराम मंदिर में आरती, उद्धव ठाकरे ने राष्ट्रपति को भेजा न्योता; कहां जाएंगी महामहिम?

राष्ट्रपति को लिखे पत्र में कहा गया, सर्वप्रथम तो मैं आपको आगामी 22 जनवरी 2024 को अयोध्या के पवित्र जन्मस्थान मंदिर में निर्धारित प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा की अग्रिम शुभकामनाएं देता हूं।

नई दिल्ली। अयोध्या के राम मंदिर में 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होनी है। इसी दिन शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) की ओर से नासिक के कालाराम मंदिर में आरती कराई जाएगी। इसे लेकर महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखा है और 22 जनवरी को आरती में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है। उद्धव ने कहा कि राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा पूरे देश के लिए अहम है, इसलिए हम कालाराम मंदिर में आरती कर रहे हैं। मालूम हो कि राष्ट्रपति को राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने का भी न्योता मिला है। ऐसे में अब देखना ये होगा कि राष्ट्रपति कहां जाती हैं। शिवसेना की ओर से राष्ट्रपति को लिखे पत्र में कहा गया, %सर्वप्रथम तो मैं आपको आगामी 22 जनवरी 2024 को अयोध्या के पवित्र जन्मस्थान मंदिर में

निर्धारित प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा की अग्रिम शुभकामनाएं देता हूं। यह संपूर्ण भारत वर्ष के लिए हर्षोल्लास के साथ हिंदू हृदय सम्राट शिवसेना प्रमुख बालासाहेब के धर्म संकल्प पूर्ति की पूर्णाहुति है। शिवसेना प्रमुख ने आजीवन प्रभु श्रीराम के मंदिर के लिए कड़ा संघर्ष किया। भगवान श्रीराम के आदर्श केवल हिंदू या हिंदुत्व तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि ये राष्ट्र की अस्मिता और आस्था के भी प्रतीक हैं। यहां महाराष्ट्र में भी उसी आस्था पर्व की मंगल अभिलाषा की जा रही है। हमने 22 जनवरी के पावन उपलक्ष पर नासिक क्षेत्र में प्रभु श्रीराम के महापूजन और महाआरती का दिव्य संकल्प लिया है।

धार्मिक व ऐतिहासिक महत्व वाला कालाराम मंदिर

पत्र में आगे लिखा है, अयोध्या भगवान श्रीराम का जन्म क्षेत्र है तो नासिक-पंचवटी दंडकारण्य उनका कर्म क्षेत्र। उनके दनवास काल में यहां के आादिवासी-वनवासियों से आत्मीय संबंध रहे हैं। उनकी लीलाओं के प्रमाण आज भी यहां मौजूद हैं। उन्हीं प्रमाणों का प्रतीक रुप है नासिक का कालाराम मंदिर। हमारा आयोजन इसी जीवंत धार्मिक व ऐतिहासिक महत्व वाले मंदिर में निर्धारित है। महोदया, अतीत में भी सोमनाथ मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा तत्कालीन राष्ट्रपति सम्माननीय राजेंद्र प्रसाद जी के हाथों हुई थी। अर्थात, नासिक में आपकी उपस्थिति अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा की गरिमा भी बढ़ाएगी और राजेंद्र प्रसाद द्वारा स्थापित परिपाटी को भी बरकरार रखेगी। अतः हमारा आग्रह और आमंत्रण है कि देश की प्रथम नागरिक के रुप में आप नासिक पधारकर हमें अनुग्रहित करें।

गंगासागर जा रहे उत्तर प्रदेश के 3 साधुओं को बंगाल में भीड़ ने पीटा

कोलकाता। उत्तर प्रदेश से पश्चिम बंगाल के गंगासागर मेले के लिए जा रहे तीन साधुओं को गुरुवार की शाम को भीड़ ने पीटा। यह घटना पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले में हुई। साधुओं के अपहरणकर्ता होने का संदेह पर उनकी पिटाई कर दी। साधुओं के साथ जा रहे एक व्यक्ति और उसके दो बेटों ने मकर संक्रांति त्योहार के लिए गंगासागर पहुंचने के लिए एक गाड़ी किराए पर लिया था। जैसे ही उन्होंने रास्ते के बारे में पूछताछ की तो कुछ स्थानीय लोगों को संदेह हुआ। इसके बाद उत्तेजित भीड़ ने उन पर अपहरण का आरोप लगाया। उन्होंने साधुओं के साथ मारपीट की। साधुओं ने तीन किशोर लड़कियों से रास्ते के बारे में पूछा। इसके बाद वे चिल्लाई और वहां से भाग गईं। यह देख स्थानीय लोगों ने साधुओं को पकड़ लिया और उनके साथ मारपीट की। घटनास्थल के एक वीडियो में भीड़ को पुलिस वाहन में तोड़फोड़ करते हुए भी देखा जा सकता है। मामला बढ़ने पर स्थानीय पुलिस ने हस्तक्षेप किया और साधुओं को बचाया। पुलिस उन्हें लेकर काशीपुर पुलिस स्टेशन पहुंची। घटना पर टिप्पणी करते हुए पुरुलिया के पुलिस अधीक्षक अभिजीत बनर्जी ने कहा कि मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है। पुलिस ने यह भी कहा कि हमले में शामिल लोगों को पकड़ने के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस ने यह भी कहा कि साधु रास्ता भटक गए थे और दो लड़कियों से उन्होंने रास्ता पूछा। उन्होंने बताया कि लड़कियां डर गई और भाग गई, जिससे स्थानीय लोगों ने अनुमान लगाया कि साधुओं ने लड़कियों को परेशान किया होगा। उन्होंने कहा कि बाद में साधुओं के लिए गंगासागर मेले के लिए गाड़ी की व्यवस्था की गई।

दिव्या पाहुजा हत्याकांडः

आखिरकार मिल गई मॉडल की लाश, गुरुग्राम पुलिस ने यहां से की बरामद

गुरुग्राम। दिव्या पहुजा हत्याकांड में पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। पिछले कई दिनों से दिव्या का शव तलाश रही पुलिस ने आखिरकर शव बरामद कर लिया है। पंजाब पुलिस ने एनडीआरएफ की मदद से दिव्या का शव हरियाणा के टोहाना नहर से बरामद किया है। दिव्या पहुजा के शरीर पर बने टैटू से शव की पहचान की गई। इसके अलावा शव की तलाश के लिए गुरुग्राम पुलिस के 100 से ज़्यादा जवान सर्च अभियान में जुटे हुए थे। डीसीपी क्राइम विज प्रताप ने बताया की शनिवार सुबह हरियाणा के ज़िले फतेहाबाद के टोहाना में पंजाब से आ रही भाखरा नहर से शव को बरामद किया गया है। वही बलराज गिल आज रात तक गुरुग्राम पहुंचने की उम्मीद है। पुलिस ने

दिव्या की हत्या के 11 दिन बाद शव ढूंढ निकाला है। शव की तलाश के लिए एनडीआरएफ की 25 सदस्यों की टीम पटियाला पहुंची थी। लेकिन उसका शव हरियाणा के टोहाना नहर से बरामद हुआ। शव बरामद होने के बाद पुलिस ने उसकी तस्वीर दिव्या के परिवार वालों को भेजी जिसे देखकर उन्होंने शव की शिनाख्त की।

बलराज गिल से पूछताछ के बाद बरामद हुआ शव-बता दें, 2 जनवरी को गुरुग्राम के द सिटी पॉइंट होटल में दिव्या की गोलीमार कर हत्या कर दी गई थी। उसके बाद से ही गुरुग्राम क्राइम ब्रांच की 6 टीमें शव को ढूंढने में लगी थीं। हाल ही में दिव्या के शव को ठिकाने लगाने वाले आरोपी बलराज गिल को पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार किया गया था। बलराज से पूछताछ के बाद ही पुलिस दिव्या का शव बरामद कर पाई। उसने ही पुलिस को बताया कि उसने दिव्या का शव हरियाणा के टोहाना नहर में फेंका था। दिव्या की हत्या करने वाला अभिजीत पहसे से ही पुलिस की गिरफ्त में है। उसने ही दिव्या के शव को ठिकाने लगाने का काम बलराज गिल को सौंपा था। बलराज गिल को उस वक्त गिरफ्तार किया गया जब वो देश छोड़कर भागने की तैयारी कर रहा था। गुरुग्राम एसीपी (क्राइम) वरुण दहिया ने कहा कि बलराज गिल को कोलकाता एयरपोर्ट से कस्टडी में लिया गया। वो पटियाला के बस स्टैंड पर गाड़ी लगाने के बाद फरार हो गया था। उसका एक और साथी रवि बंगा अभी भी फरार है।

गणतंत्र दिवस की परेड रिहर्सल के चलते कई रास्ते बंद, ट्रैफिक एडवाइजरी जारी

नई दिल्ली। गणतंत्र दिवस को लेकर तैयारियां जारी है। सुरक्षा व्यवस्था के खास इंतजाम किए जा रहे हैं। कर्तव्यपथ पर होने वाली परेड के लिए भी रिहर्सल जारी है। ऐसे में रिहसर्स को देखते अगले 4 दिनों के लिए कुछ रास्तों पर जाने से बचने की सलाह दी गई है। इसे लेकर दिल्ली पुलिस ने ट्रैफिक एडवाइजरी भी जारी की है। एडवाइजरी के मुताबिक गणतंत्र दिवस परेड की रिहर्सल कर्तव्य पथ पर शनिवार, रविवार, सोमवार और मंगलवार को विजय चौक से इंडिया गेट तक की जाएगी. ऐसे में किसी भी परेशानी से बचने के लोगों को इन रास्तों से बचने की सलाह दी गई है। इसमें कहा गया है कि कर्तव्यपथ पर परेड की रिहर्सल की वजह से सुबह 7 बजे से दोपहर 12 बजे तक कर्तव्यपथ-रफ़ी मार क्रॉसिंग, कर्तव्यपथ-जनपथ क्रॉसिंग, कर्तव्यपथ-मान सिंह रोड क्रॉसिंग और कर्तव्यपथ-सी-हेक्सागोन पर यातायात प्रतिबंधित होगा।इ समें कहा गया है कि विजय चौक से इंडिया गेट तक कर्तव्य पथ भी यातायात के लिए बंद रहेगा। ये एडवायजरी शनिवार से लेकर मंगलवार तक के लिए जारी की गई है।

इन रास्तों पर भी मिल सकता है भारी जाम

एडवाइजरी में कहा गया है कि रिहर्सल के दौरान मान सिंह रोड, जनपथ, मौलाना आजाद रोड, रेल भवन चौराहा, राजेंद्र प्रसाद रोड, विंडसर प्लेस चौराहा, सुनहरी मस्जिद चौराहा, रफी मार्ग, एमएलएनपी चौराहा, एमएलएनएम, क्यू प्वाइंट, सी-हेक्सागन, जसवंत सिंह चौराहा और अशोक रोड पर भी भारी जाम देखने को मिल सकता है।

शराब घोटाले में ईडी ने अरविंद केजरीवाल को भेजा चौथा समन, 18 को पूछताछ के लिए बुलाया

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली के कथित शराब घोटाला मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल को चौथी बार समन भेज दिया है। ईडी ने इस ताजा समन में केजरीवाल को 18 जनवरी को पूछताछ के लिए बुलाया है। इससे पहले केजरीवाल और उनकी पार्टी ने ईडी के इन तीनों समन को गैरकानूनी बताते हुए दरकिनार कर दिया था। एचटी ने 4 जनवरी को रिपोर्ट दी थी कि ईडी मुख्यमंत्री को फिर से समन जारी करेगा, लेकिन समन की बार-बार अवहेलना के कारण मामले में उनकी जांच प्रभावित हो रही है। ईडी के तीसरे समन के जवाब में, जिसे उन्होंने अवैध बताया था, केजरीवाल ने कहा था कि वह सहयोग करने के लिए तैयार हैं, लेकिन एजेंसी का इरादा उन्हें गिरफ्तार करना और चुनाव प्रचार करने से रोकना

था। एजेंसी ने कहा है कि वह नीति के निर्माण, इसे अंतिम रूप देने से पहले हुई बैठकों और रिश्वतखोरी के आरोपों पर केजरीवाल से पूछताछ करना चाहती है। केजरीवाल ने ईडी के पिछले तीनों समन को अवैध और राजनीति से प्रेरित बताते हुए नजरअंदाज कर दिया था। हालांकि, आप ने कहा था कि केजरीवाल एजेंसी के साथ सहयोग करने के लिए तैयार हैं, लेकिन दावा किया कि समन उन्हें गिरफ्तार करने के इरादे से भेजे गए हैं। आप ने कहा कि चुनाव से ठीक पहले नोटिस क्यों भेजा गया है? नोटिस केजरीवाल को चुनाव प्रचार करने से रोकने का एक प्रयास है। आप ने समन की टाइमिंग पर भी सवाल उठाए थे।

समन किए दरकिनार फिर भी क्यों अरविंद केजरीवाल नहीं हुए गिरफ्तार; क्या है ईडी का कानून

आम आदमी पार्टी ने कहा कि ऐसे समय में जब लोकसभा चुनाव नजदीक हैं, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अरविंद केजरीवाल को चुनाव प्रचार करने से रोकने और उन्हें जेल में डालने के लिए ईडी का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी द्वारा ईडी से स्पष्टीकरण मांगने के बावजूद कि केजरीवाल को किस हैसियत से बुलाया जा रहा है। आप ने कहा था कि दिल्ली के मुख्यमंत्री न तो आरोपी हैं और न ही गवाह हैं। आप ने कहा था लगभग एक साल से मनीष सिसोदिया जेल में हैं और ईडी ने अभी तक उनके खिलाफ कोई सबूत नहीं जुटाया है और अब वह अरविंद केजरीवाल को गिरफ्तार करना चाहते हैं। उन्होंने भाजपा पर एजेंसियों का उपयोग करके विपक्ष को निशाना बनाने और भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे अपने नेताओं के खिलाफ कार्रवाई नहीं करने का आरोप लगाया था। एचटी की रिपोर्ट के अनुसार, ईडी द्वारा 2 दिसंबर, 2023 को शराब घोटाला मामले में दायर अपनी छठी चार्जशीट में आप नेता संजय सिंह और उनके सहयोगी सर्वेश मिश्रा का नाम लेते हुए दावा किया है कि आम आदमी पार्टी ने गोवा विधानसभा चुनाव 2022 के दौरान अपने प्रचार अभियान के हिस्से के रूप में पॉलिसी के माध्यम से प्राप्त 45 करोड़ रुपये की रिश्वत का इस्तेमाल किया।

दिल्ली में 3.2 डिग्री तक गिरा पारा, यूपी में भीषण शीतलहर की आशंका

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में सुबह इस सीजन की सबसे ठंडी रही। न्यूनतम तापमान 3.2 डिग्री तक गिरा। अधिकांश जगहों पर धुंध और हवा में ठिठुरन का एहसास हुआ। भारत मौसम विभाग (ढ्ढरूष्ठ) के ताजा अपडेट के मुताबिक, सफदरजंग में इस मौसम का सबसे कम न्यूनतम तापमान 3.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। यह सामान्य से 3 डिग्री सेल्सियस कम है। वहीं, लोधी रोड स्थित मौसम कार्यालय में यह 3.6 डिग्री सेल्सियस रहा। जाफरपुर में सबसे कम तापमान 3.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया। यह सामान्य से लगभग 4 डिग्री सेल्सियस कम है।

आपको बता दें कि कड़ाके की ठंड का एहसास सुबह 4 बजे से लेकर 8.30 बजे के बीच लगभग पांच घंटों के लिए हुआ। हवाई अड्डे पर विजिबिलिटी शून्य हो गई। इसका असर उड़ानों पर भी देखने को मिला। कई फ्लाइट देरी से उड़ान भर रही है।

एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ जम्मू-कश्मीर के ऊपर आया है। इसके 16 जनवरी तक बने रहने की संभावना है। इस दौरान न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की जा सकती है। हालांकि, दिन में अधिकतम तापमान 18एष्ट ??के आसपास रहेगा। न्यूनतम तापमान औसतन 5-7एष्ट के बीच रहने की संभावना है। सुबह के समय कुछ स्थानों पर घना कोहरा छाया रहेगा।

देश के मौसम का हाल

आईएमडी के ताजा अपडेट के मुताबिक, 13 से 16 जनवरी के बीच पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और दिल्ली के कुछ हिस्सों में सुबह के समय घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। इसी दौरान सुबह के समय पश्चिम बंगाल, ओडिशा, जम्मू, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, बिहार, उत्तरी मध्य प्रदेश, असम, मेघालय, मिजोरम और त्रिपुरा के कुछ हिस्सों में कोहरा छाने की संभावना है।

पंजाब और हरियाणा के कुछ हिस्सों में कोल्ड डे से लेकर सीवियर कोल्ड डे की स्थिति जारी रहने का अनुमान है। उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में भी शीतलहर की स्थिति बन सकती है। आईएमडी ने बताया है कि अगले 24 से 48 घंटों के दौरान पश्चिमी हिमालय में छिटपुट बारिश और बर्फबारी संभव है। पंजाब के अमृतसर और उत्तर प्रदेश के लखनऊ और वाराणसी में दृश्यता का स्तर 25 मीटर रहा, चंडीगढ़,उत्तर प्रदेश के बरेली, बिहार के पूर्णिया और असम के तेजपुर में 50 मीटर और हरियाणा के अंबाला और राजस्थान के गंगानगर में यह 200 मीटर रहा। दृश्यता जब शून्य से 50 मीटर के बीच हो तो बहुत घना कोहरा, 51 से 200 मीटर के बीच घना कोहरा, 201 से 500 मीटर के बीच मध्यम और 501 से 1,000 मीटर के बीच हल्का कोहरा होता है।

उत्तर प्रदेश में शीतलहर की आशंका

सर्द पछुवा हवा से उत्तर प्रदेश कंपकंपा रहा है।

दिन में धूप नहीं निकल रही और रात में पारा नीचे जा रहा है। मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश में एक दो स्थानों पर शीतलहर चलने की आशंका जताई है। आंचलिक मौसम विज्ञान केन्द्र के मौसम के अनुसार कानपुर और आगरा में गुरुवार की रात इस सीजन का सबसे कम तापमान दर्ज किया गया है। अगर यही क्रम आगे भी जारी रहा तो फिर राज्य में शीतलहरी का प्रकोप शुरू हो जाएगा।

उत्तराखंड में पहाड़ों से ज्यादा सर्द रहे मैदानी इलाके-उत्तराखंड के मैदानी इलाकों में कोहरे के कारण कड़ाके की ठंड पड़ रही है। स्थिति यह है कि शुक्रवार का दिन मैदानी इलाकों में पहाड़ों के मुकाबले कहीं ज्यादा ठंडा रहा। देहरादून और रुड़की में तो इस सीजन का सबसे सर्द दिन रिकॉर्ड किया गया। अभी राज्य में आगे भी इसी तरह से सूखी ठंड से मैदानी हिस्से बेहाल रहेंगे। मौसम विज्ञान केंद्र ने मैदानी हिस्सों में 16 जनवरी तक घने कोहरे का अलर्ट जारी किया है। राज्य के मैदानी और तराई इलाके कोहरे व ठंड से जूझ रहे हैं। पहाड़ पर सुबह के पाले ने लोगों की दिक्कत को बढ़ाया। पहाड़ी इलाकों में सबसे ठंडा लोहाघाट रहा।

बिहार में कड़ाके की ठंड का अलर्ट

बिहार में दो दिन कड़के की ठंड का अलर्ट जारी किया गया है। पछुआ के प्रभाव को देखते हुए मौसम विभाग ने अगले दो दिन उत्तरी बिहार यानी 19 जिले शीत दिवस और दक्षिणी बिहार के 19 जिले शीतलहर का येलो अलर्ट जारी किया है। इस बीच, शुक्रवार को पश्चिमी हिमालय से आने वाली शुष्क ठंडी हवाओं से तापमान में गिरावट आई और पूरे प्रदेश में कनकनी बढ़ गई। शनिवार को भी ऐसी ही स्थिति बनी रह सकती है।

हरियाणा-पंजाब में न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे-पंजाब और हरियाणा शुक्रवार को शीत लहर की चपेट में हैं और अधिकतर स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से नीचे दर्ज किया गया। दोनों राज्यों के कई हिस्सों में सुबह कोहरा भी छाया रहा। मौसम विभाग के अनुसार, अमृतसर पंजाब का सबसे ठंडा स्थान रहा जहां न्यूनतम तापमान 1.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हरियाणा के नारनौल में न्यूनतम तापमान 2.2 डिग्री सेल्सियस, हिसार में 2.6 डिग्री सेल्सियस, झज्जर में 3.1 डिग्री सेल्सियस और फतेहाबाद में 3.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दोनों राज्यों की साझा राजधानी चंडीगढ़ में न्यूनतम तापमान 5.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

रिपोर्ट में खुलासा : कोहरे और धुंध में बहुत कम होते हैं सड़क हादसे

नई दिल्ली। भले ही कोहरे और धुंध में कम दिखाई देता है इसके बाद भी सड़क हादसे कम होते हैं। इसी तरह बारिश में भी वाहनों के फिसलने की आशंका ज्यादा होती है फिर उतने ज्यादा हादसे नहीं होते हैं जितने गर्मी के मौसम में होते हैं। एक रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि कोहरे और धुंध के साथ हो रही बारिश के बाद भी हादसे कम ही होते हैं। वजह ये है कि ऐसे मौसम में लोग ज्यादा सावधानी से वाहन चलाते है। जबकि गर्मी के मौसम में लोग ज्यादा तेज गति से वाहन चलाते हैं और हादसों का संख्या बढ़ जाती है। सड़क परिवहन मंत्रालय की रिपोर्ट के अनुसार एक वर्ष में कुल 412432 सड़क हादसों में 168491 लोगों की मौत हुई है। इसमें सबसे ज्यादा सड़क हादसे मई और जून में हुए हैं। मई में 43307 और जून में 39432 हादसे हुए हैं। इनमें मई में 16791 और जून में 14762 की मौत हुई हैं। वहीं, जनवरी में सबसे ज्यादा कोहरा होता है। इस माह 37040 सड़क हादसों में 13677 लोगों की मौत हुई है। यानी पूरे साल में मई में सबसे ज्यादा सड़क हादसे होते हैं. जब मौसम बिल्कुल साफ होता है। आखिर साफ मौसम में सबसे ज?यादा हादसे क्यों होते हैं, असल वजह ट्रांसपोर्ट एक्सपर्ट से जानते हैं। सेव लाइफ फाउंडेशन के फाउंडर और सीईओ पीयूष तिवारी के अनुसार साफ मौसम में सड़क हादसे अधिक होने का एक कारण यह भी होता है कि लोग इस मौसम में स्पीड से गाड़ी चलाते हैं, जबकि कोहरे और बारिश में सावधानी से गाड़ी चलाते हैं। इस वजह से हादसे कम होते हैं। वहीं, सेंट्रल रोड रिसर्च इंस्टीट्यूट के साइंटिस्ट डा. वेलमूगन बताते हैं कि जहां ट्रैफिक अधिक होगा, सड़क हादसे होने की आशंका सबसे अधिक वहीं होगी। कोहरे में कम संख्या में लोग वाहन चलाते हैं इसलिए हादसे भी कम होते हैं, जबकि मई में बc?चों की छुट्टियां शुरू होती है और लोग एक साथ गांव या घूमने निकलते हैं।

दिल्ली में सीजन का सबसे ठंडा दिन

-बिहार में स्कूल बंद ; पंजाब, हरियाणा में शीतलहर का रेड अलर्ट

नई दिल्ली । उत्तर भारत के कई राज्यों तेज सर्दी बनी हुई है। दिल्ली में शनिवार को इस सर्दी के मौसम की सबसे ठंडी सुबह दर्ज की गई। मिनिमम टेम्परेचर गिरकर 3.4 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। कोहरे की वजह से दिल्ली से चलने वाली या वहां पहुंचने वाली 18 ट्रेन 1 से 6 घंटे की देरी से चल रही हैं। इधर, हरियाणा के हिसार के बालसमंद में न्यूनतम तापमान 0.4 डिग्री दर्ज किया गया। उत्तर प्रदेश के कानपुर में पारा 3.0 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है। उत्तर प्रदेश, पंजाब, दिल्ली, चंडीगढ़, हरियाणा में कोहरे के साथ-साथ कोल्ड वेव और पाला पडने का अलर्ट है।

बिहार में 16 जनवरी तक स्कूल बंद

बिहार में ठंड को देखते हुए पटना में 8वीं तक के सभी स्कूलों में 16 जनवरी तक छुट्टी कर दी गई है। मुधबनी में 5वीं तक के स्कूलों को भी 16 जनवरी तक बंद करने का फैसला किया गया है।

गुवाहाटी फ्लाइट की बांग्लादेश में लैंडिंग

गुवाहाटी । मुंबई से गुवाहाटी जाने वाली इंडिगो फ्लाइट की शनिवार को बांग्लादेश के ढाका में लैंडिंग कराई गई। गुवाहाटी में घने कोहरे के कारण फ्लाइट लैंड नहीं हो सकी और उसे डायवर्ट किया गया। इस फ्लाइट में 178 पैसेंजर्स सवार थे। चूंकि डोमेस्टिक फ्लाइट होने के कारण सभी यात्री बिना पासपोर्ट के सफर कर रहे थे, इसलिए ढाका में उन्हें फ्लाइट से उतरने की इजाजत नहीं मिली। इसके कारण यात्रियों को 12 घंटे फ्लाइट के अंदर ही बैठना पड़ा।

होटल के किराये से महंगी होने के बावजूद पतंगबाजों ने बुक करवाईं अहमदाबाद की छतें

अहमदाबाद । शहर की छतों पर पतंगबाजी के किराए में दो गुनी से अधिक वृद्धि हो गई है7 पहले 5 से 10 हजार में पतंगबाजों को छत उपलब्ध हो जाती थी। लेकिन अब यह किराया बढ़कर 15 से 25 हजार रुपए पहुंच गया है। अहमदाबाद में उत्तरायण मनाने का कुछ अलग ही अंदाज दिखता है। खासकर पुराने अहमदाबाद में आसमान रंग बिरंगे पतंगों से पटा दिखता है। पुराने अहमदाबाद में पतंगबाजी किसी यादगार समय से कम नहीं है। यही वजह है कि पिछले कुछ वर्षों से पुराने अहमदाबाद में छत किराये पर देने की दौर शुरू हुआ जो लगातार बढ़ता गया। हांलाकि महंगाई का असर छत के किराए पर भी देखने मिल रहा है। कभी दो दिन के लिए रु.5 से रु. 10 हजार में छत किराए पर मिलती थी। लेकिन इस बार पुराने अहमदाबाद में छतों का किराया रु. 15 से रु. 25 हजार तक पहुंच गया है। किराया बढ़ने के बावजूद पतंगबाजों ने एक महीने पहले ही छतों का बुकिंग करवा लिया था। गौर करनेवाली बात यह है कि छत किराये पर लेनेवाले पतंगबाजों को वीवीआईपी सुविधा भी दी जाती है। छत मालिक कैटरिंग सर्विस के साथ पैकेज उपलब्ध कराते हैं। जिसमें ऊंधियूं, जलेबी, चिक्की, गन्ना, बैर, ब्रेकफास्ट और चाय-कॉफी दी जाती है। पुराने अहमदाबाद में छतों की बुकिंग कराने वालों में विदेशी और अन्य राज्यों के लोगों की संख्या अधिक होती है।

महादेव सट्टेबाजी मामले में ईडी को सफलता, दो लोगों गिरफ्तार

नई दिल्ली । प्रवर्तन निदेशालय ने महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी और गेमिंग एप मामले में मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में दो और लोगों को गिरफ्तार किया है। नितिन टिबरेवाल और अमित अग्रवाल के रूप में पहचाने गए दो आरोपियों को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) की कई धाराओं के तहत गिरफ्तार कर विशेष अदालत में पेश किया गया। टिबरेवाल पर मामले के एक आरोपी विकास छापरिया का करीबी सहयोगी होने का आरोप है। ईडी सूत्रों के हवाले से बताया कि उन्होंने कथित तौर पर दुबई में कुछ अघोषित संपत्तियां खरीदीं और एक कंपनी में बहुसंख्यक शेयरधारक थे, जिसमें चप्पारिया भी एक शेयरधारक हैं। ईडी को संदेह है कि ये संपत्तियां महादेव एप के मुनाफे से उत्पन्न अपराध की आय का उपयोग करके खरीदी गई थीं। गिरफ्तार किया गया दूसरा व्यक्ति अमित मामले के एक अन्य आरोपी अनिल कुमार अग्रवाल का रिश्तेदार है। ईडी सूत्रों के मुताबिक, अमित को अनिल कुमार अग्रवाल से महादेव एप फंड मिला और कहा जाता है कि उनकी (अमित अग्रवाल की) पत्नी ने मामले के एक अन्य आरोपी अनिल दमानी के साथ मिलकर कई संपत्तियां खरीदीं। अब तक, ईडी ने मामले में दो आरोप पत्र दायर किए हैं, जिसमें कथित अवैध सट्टेबाजी और गेमिंग एप के दो मुख्य प्रमोटरों, सौरभ चंद्राकर और रवि उप्पल सहित अन्य शामिल हैं। दोनों को हाल ही में ईडी के आदेश पर जारी इंटरपोल रेड नोटिस के आधार पर दुबई में हिरासत में लिया गया था और एजेंसी उन्हें संयुक्त अरब अमीरात से भारत निर्वासित या प्रत्यर्पित करने की कोशिश कर रही है। महादेव एप मामला एक हाई-प्रोफाइल घोटाला है, जिसमें एक ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म शामिल है जो पोकर, कार्ड गेम, बैडमिंटन, टेनिस, फुटबॉल और क्रिकेट जैसे विभिन्न खेलों पर अवैध जुआ खेलने में सक्षम बनाता है। यह एप दुबई स्थित सौरभ चंद्राकर, जो एक पूर्व जूस विक्रेता था, और उसके साथी रवि उप्पल द्वारा चलाया गया था, जो दोनों छत्तीसगढ़ के रहने वाले हैं।

रामलला के दर्शन करने सीमा हैदर परिवार सहित पैदल जाएंगी

अयोध्या । राम मंदिर के उद्घाटन में यदि सीमा हैदर को बुलावा आएगा तो वह पैदल ही परिवर सहित अयोध्या जाएंगी। उन्होंने एक चैनल को दिए इंटरव्यू में यह खुलासा किया है। गौरतलब है ?कि 22 जनवरी को अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा समारोह होने वाला है। इसमें शामिल होने को लेकर सीमा हैदर से भी सवाल किया गया। सीमा से पूछा अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन होने वाला है, इसे आप कैसे देखती हैं, इसपर सीमा ने कहा हम बहुत खुश हैं और हमारे गांव में भी राम मंदिर को लेकर बहुत खुशी है। लोग बहुत जोश में हैं। बहुत लोगों की तैयारी भी चल रही है राम मंदिर जाने की। हम भी दो बार दीवाली मनाएंगे। हमारे घर में सुंदरकांड का पाठ भी होता है। एक इंटरव्यू के दौरान सीमा हैदर से कि अगर आपको वहां जाने का न्योता मिलता है तो क्या आप जाएंगी। इसपर जवाब देते हुए सीमा ने कहा : कि अयोध्या जाना कौन पसंद नहीं करेगा, लेकिन हमारी पूरी तैयारी है। मैं और मेरा पूरा परिवार पैदल ही जाएगा।

सीमा ने कहा कि मेरी बहुत इच्छा है राम मंदिर को देखने की, और हम भी जरूर देखेंगे। सीमा ने कहा कि मैं खुद को बहुत खुशनसीब मानती हूं कि मैं राम मंदिर को देख रही हूं। सोशल मीडिया पर भी राम मंदिर की चर्चा को देखती हूं, इसलिए मैं खुद को बहुत लकी मानती हूं। बता दें कि ऑनलाइन गेम खेलते समय नोएडा के सचिन को पाकिस्तान की सीमा से प्यार हो गया था और वे अपने 4 बच्चों को भारत आ गई थीं और अब वे अपने पांचवें बच्चे को भी जन्म देने वाली हैं।

उद्धव गुट ने भेजा राष्ट्रपति मुर्मू को न्यौता, 22 को कालाराम मंदिर आने का

नई दिल्ली (एजेंसी)। अयोध्या के राम मंदिर में 22 जनवरी को भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होनी है। 22 जनवरी को शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) की ओर से नासिक के कालाराम मंदिर में आरती आयोजित की जाएगी। इसके लिए महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को पत्र लिखकर 22 जनवरी को आरती में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है। उद्धव ने कहा कि राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा पूरे देश के लिए अहम है, इसलिए हम कालाराम मंदिर में आरती कर रहे हैं। मालूम हो कि राष्ट्रपति को राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने का भी न्यौता मिला है। इसके बाद अब देखना ये होगा कि राष्ट्रपति कहां जाती हैं।

शिवसेना (यूबीटी) की ओर से राष्ट्रपति को लिखे पत्र में कहा गया, सर्वप्रथम मैं आपको आगामी 22 जनवरी 2024 को अयोध्या के पवित्र जन्मस्थान मंदिर में निर्धारित प्रभु श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा की अग्रिम शुभकामनाएं देता हूं। यह संपूर्ण भारत वर्ष के लिए हर्षोल्लास के साथ हिंदू हृदय सम्राट शिवसेना प्रमुख बालासाहेब के धर्म संकल्प पूर्ति की पूर्णाहुति है। शिवसेना प्रमुख ने आजीवन प्रभु श्रीराम के मंदिर के लिए कड़ा संघर्ष किया। भगवान श्रीराम के आदर्श केवल हिंदू या हिंदुत्व तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि ये राष्ट्र की अस्मिता और आस्था के भी प्रतीक हैं। यहां महाराष्ट्र में भी उसी आस्था पर्व की मंगल अभिलाषा की जा रही है। हम लोगों ने 22 जनवरी के पावन उपलक्ष पर नासिक क्षेत्र में प्रभु श्रीराम के महापूजन और महाआरती का दिव्य संकल्प लिया है।

पत्र में लिखा है, अयोध्या भगवान श्रीराम का जन्म क्षेत्र है, तब नासिक-पंचवटी दंडकारण्य उनका कर्म क्षेत्र। उनके वनवास काल में यहां के आदिवासी-वनवासियों से आत्मीय संबंध रहे हैं। उनकी लीलाओं के प्रमाण आज भी यहां मौजूद हैं। उन्हीं प्रमाणों का प्रतीक रुप है नासिक का कालाराम मंदिर। हमारा आयोजन इसी जीवंत धार्मिक व ऐतिहासिक महत्व वाले मंदिर में निर्धारित है। महोदया, अतीत में भी सोमनाथ मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा तत्कालीन राष्ट्रपति सम्माननीय राजेंद्र प्रसाद जी के हाथों हुई थी। अर्थात, नासिक में आपकी उपस्थिति अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा की गरिमा भी बढ़ाएगी और राजेंद्र प्रसाद द्वारा स्थापित परिपाटी को भी बरकरार रखेगी। अतः हमारा आग्रह और आमंत्रण है कि देश की प्रथम नागरिक के रुप में आप नासिक पधारकर हमें अनुग्रहित करें।

इंडिया गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर खींचतान, बैठक में भड़के सपा नेता

नई दिल्ली। इंडिया गठबंधन में शामिल पार्टियों के बीच सीट बंटवारे को लेकर खींचतान चल रही है। दिल्ली में हुई बैठक में जहां सीटों के बंटवारे पर मंथन जारी है, वहीं दिल्ली, बिहार में कांग्रेस बंटवारे पर सहमत नजर आ रही है। इसी वजह से सपा के नेता भड़क गए हैं। क्योंकि यूपी में सहयोगी दल सपा से स्थिति पेंचीदगी भरी दिखाई दे रही है। हालांकि पहली बैठक के बाद दोनों दलों के नेताओं की फोन पर बातचीत हुई। सपा ने कांग्रेस के साथ प्रस्तावित सीटों पर प्रत्याशियों की सूची जारी करने की बात कही। बताया जा रहा है कि यह बात कांग्रेस को अखर गई है। यही वजह है कि दोनों दलों के बीच दूसरे राउंड की बैठक पटरी से उतर गई। एक धड़ा कह रहा है कि सपा को कांग्रेस के साथ बढ़ता बसपा का संपर्क रास नहीं आ रहा है। इसके पहले 12 जनवरी को कांग्रेस ने सपा को फोन कर बैठक टालने की जानकारी दी। कांग्रेस ने कहा था कि बैठक को लेकर उसकी तैयारी पूरी नहीं है। ऐसे में सपा पदाधिकारी भड़क गए। सपा मीडिया सेल ने 'एक्स' पर पोस्ट में कांग्रेस पर धोखेबाजी का आरोप लगाया। हालां?कि इस पोस्ट को सपा ने देर रात हटा लिया। वहीं पार्टी के प्रवक्ता फकरुल हसन ने कहा कि इसमें गलत क्या है। हम कांग्रेस से जिताऊ प्रत्याशियों के नाम दो महीने से मांग रहे हैं। उधर, कांग्रेस प्रवक्ता अंशु अवस्थी ने कहा कि सपा को गठबंधन को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों को दूर करना होगा, तभी बीजेपी से मुकाबला कर सकते हैं। गौरतलब है कि यूपी में लोकसभा सीटों पर बंटवारे के लिए इंडिया गठबंधन की पहली बैठक 9 जनवरी को हुई।

रामलला प्राण प्रतिष्ठा : भगवान जिनको बुलाते हैं वे लोग जाते हैं : अखिलेश

-प्रोपेगेंडा फैलाकर विपक्ष को अपमानित कर रहीं भाजपा : अखिलेश

लखनऊ (एजेंसी)। अयोध्या में 22 जनवरी को होने वाले प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शामिल होने को लेकर समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा पर विपक्ष को अपमानित करने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि भाजपा इसके लिए जानबूझकर प्रोपेगेंडा फैला रही है। स्वामी विवेकानंद की जयंती के अवसर पर समाजवादी पार्टी के लखनऊ कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में सपा प्रमुख ने निमंत्रण के सवाल पर कहा, भगवान का निमंत्रण कौन देता है, भगवान जिनको बुलाते हैं वे लोग जाते हैं। भाजपा कार्यकर्ता राजनीतिक कार्यक्रम करवा रहे हैं।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा हर चीज को इवेंट में तब्दील कर रही हैं। अपने फायदे के लिए कार्यक्रम चला रहे हैं। उन्होंने कहा, हम लोग 100प्र. हिन्दू और सनातन परंपरा को मानते हैं। अगर शंकराचार्य प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आने से मना कर रहे हैं तो क्या भाजपा वाले उनको भी सनातन विरोधी बोलेंगे? जब राम बुलाएंगे तो मैं अयोध्या चला जाऊंगा।

एक दिन पहले समाजवादी पार्टी (सपा) प्रमुख अखिलेश यादव ने दावा किया था कि उन्हें 22 जनवरी को अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में भगवान रामलला के प्रतिष्ठा समारोह का कोई निमंत्रण नहीं मिला है। उनके इस दावे पर विहिप के अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा, अखिलेश यादव को कूरियर द्वारा निमंत्रण भेजा गया था, उस पर कोई विवाद नहीं है। अगर उनके दावे के मुताबिक उन्हें यह नहीं मिला है तो हम उन्हें दोबारा निमंत्रण भेज सकते हैं।

अखिलेश यादव ने कहा, भाजपा ने आज जो रास्ता चुना है वह समाज को बांटने का है, भाजपा का रास्ता न तो सहिष्णुता का है और न ही सार्वभौमिक स्वीकृति का। आज जब हम स्वामी विवेकानंद को याद कर रहे हैं तो हमें उनके दिखाये रास्ते पर चलने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने आगे दावा किया कि जिन लोगों ने कहा है कि मुझे कूरियर से निमंत्रण भेजा गया है, उन्हें रसीद देनी चाहिए ताकि इसे ट्रैक किया जा सके।

शराब कांड में पूछताछ करने केजरीवाल को ईडी ने फिर दिया चौथा समन

-अबतक तीन समन हो चुके जारी, एक बार भी नहीं हुए हाजिर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को ईडी ने शराब कांड में पूछताछ के लिए चौथा समन जारी किया है। गौरतलब है कि अबतक उन्हें तीन समन जारी किए जा चुके हैं, लेकिन वह एक बार भी हाजिर नहीं हुए हैं, ऐसे में उनकी मुश्किलें बढ़ सकती हैं। बता दें कि अभी जो समन भेजा है इसमें 18 जनवरी को पूछताछ में शामिल होने के लिए बुलाया गया है। अरविंद केजरीवाल को मिला यह चौथा समन है, इससे पहले अरविंद केजरीवाल को तीन समन जारी किए जा चुके हैं और वह एक बार भी एजेंसी के सामने पेश नहीं हुए हैं। सीएम अरविंद केजरीवाल को तीसरा समन 3 जनवरी के लिए भेजा गया था। मगर केजरीवाल ने उस पर ध्यान नहीं दिया था। गौरतलब है कि प्रवर्तन निदेशालय, ईडी दिल्ली के सीएम केजरीवाल से दिल्ली शराब घोटाला केस के मामले में पूछताछ करना चाहता है। बता दें कि अरविंद केजरीवाल ने अब तक मिल चुके तीनों समन को नजरअंदाज किया है और आरोप लगाया है कि ईडी का नोटिस गैर कानूनी है।

पिछले दिनों भी ईडी की ओर जारी समन पर आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने उसके सामने पेश होने से इनकार कर दिया था और यह भी कहा था कि एजेंसी का दृष्टिकोण कानून, समानता या न्याय की कसौटी पर खरा नहीं उतर सकता है और ईडी की यह 'जिद' 'जज, जूरी और जल्लाद' की भूमिका निभाने के समान है। अरविंद केजरीवाल को इससे पहले समन जारी कर पिछले साल दो नवंबर और 21 दिसंबर और इस साल तीन जनवरी को जांच में शामिल होने के लिए कहा गया था। अरविंद केजरीवाल को इससे पहले समन जारी कर पिछले साल दो नवंबर और 21 दिसंबर और इस साल तीन जनवरी को जांच में शामिल होने के लिए कहा गया था। पहले समन में तो अरविंद केजरीवाल चुनावी सभा के लिए चले गए थे और दूसरे के दौरान विपश्यना के लिए गए थे।

दिल्ली शराब घोटाले की बता करें तो यह घोटाला 2021-22 में आबकारी नीति से संबंधित है। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने इसे लागू किए जाने के संबंध में सीबीआई जांच की सिफारिश की थी जिसके तुरंत बाद 2022 में आप सरकार ने इसे रद्द कर दिया था। इस मामले में मनीष सिसोदिया और संजय सिंह फिलहाल जेल में हैं। अब केजरीवाल पर भी ईडी शिकंजा कसने की कोशिश में हैं।

मुआवजा बढ़ाने पर विचार करे केंद्र, हिट एंड रन मामलों में सुप्रीम कोर्ट का अहम फैसला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को केंद्र को हिट-एंड-रन दुर्घटनाओं के पीड़ितों को दिए जाने वाले मुआवजे को बढ़ाने के लिए मोटर वाहन अधिनियम में संशोधन करने पर विचार करने का निर्देश दिया, साथ ही सरकार को याद दिलाया कि समय के साथ पैसे का मूल्य कम हो जाता है। मोटर वाहन अधिनियम पीड़ितों को हिट-एंड-रन दुर्घटनाओं के दौरान मृत्यु के मामले में रू.2 लाख और चोटों के लिए रू.50,000 का मुआवजा देने की अनुमति देता है। न्यायाधीश एएस ओक की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि हम केंद्र सरकार को इस पर विचार करने का निर्देश देते हैं कि क्या मुआवजे की राशि को धीरे-धीरे सालाना बढ़ाया जा सकता है। केंद्र सरकार आज से आठ सप्ताह के भीतर इस मुद्दे पर उचित निर्णय लेगी। अदालत ने कहा कि हिट-एंड-रन दुर्घटनाओं के बाद बहुत कम लोग मुआवजे का दावा करते हैं। कई लोगों को मोटर वाहन अधिनियम की धारा 161 के तहत ऐसी मुआवजा योजना के अस्तित्व के बारे में भी नहीं पता है। अकेले 2022 में देश भर में कुल 67,387 हिट-एंड-रन हुए। अदालत ने न्याय मित्र, अधिवक्ता गौरव अग्रवाल द्वारा संकलित आंकड़ों से बताया कि योजना के तहत केवल 205 मुआवजे के दावे प्राप्त हुए, जिनमें से 95 दावों का निपटारा किया गया। अदालत ने हिट-एंड-रन दुर्घटना मुआवजे का दावा करने के लिए कई निर्देश दिए। समें कहा गया है कि दुर्घटना मामले के प्रभारी पुलिस अधिकारी की जिम्मेदारी है कि वह मृत्यु की स्थिति में परिवार को, या घायल होने की स्थिति में पीड़ित को मुआवजा योजना के बारे में सूचित करे।

बाबर की मजार पर माथा टेकने वाले प्राण प्रतिष्ठा के निमंत्रण को ठुकरा रहे-स्मृति ईरानी

अमेठी (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री अमेठी सांसद स्मृति ईरानी ने शनिवार को भेटुआ विकासखंड में जन संवाद विकास यात्रा के दौरान मीडिया को संबोधित करते हुए कांग्रेस का नाम लिए बिना कहा कि जिन लोगों ने बाबर के मजार पर माथा टेका आज वह राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के निमंत्रण को ठुकरा रहे जब तक रामलला टेंट में विद्यमान थे तब तक कांग्रेस को कोई तकलीफ नहीं थी। आज भव्य मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा हो रही हैं। इसलिए कांग्रेस के नेताओं का कलेजा फटता है। वहीं पश्चिम बंगाल में तीन साधुओं पर हमला होने को लेकर मीडिया का जवाब देते हुए कहा कि जहां-जहां इंडिया एलाइंस की सरकार है अथवा जहां-जहां उन लोगों का आज भी दबदबा है जो कांग्रेस के साथी है, वहां-वहां सनातन धर्म पर सनातन धर्म को मानने पर प्रताड़नाएं बढ़ रही हैं धर्म के प्रति कांग्रेस नित गठबंधन अपमान की दृष्टि से जो बात करता है जो काम करता है वो कांग्रेस विशेषकर गांधी परिवार के संस्कारों को दर्शित करवाता है।

शनिवार को केंद्रीय मंत्री व अमेठी सांसद स्मृति ईरानी अपने दौरे के तीसरे दिन भेटुआ विकासखंड के विभिन्न गांवों में जन विकास संवाद यात्रा के दौरान टिकरी के रणछोड़ इंटर कॉलेज में ग्रामीणों की समस्या सुनने के बाद मीडिया से रूबरू हुई और मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि जिन लोगों ने बाबर के मजार पर माथा टेका आज वह राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के

मोदी को नियति ने पहले ही चुन लिया था अयोध्या में राम मंदिर बनाने : आडवानी

-भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने किया रथ यात्रा का जिक्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व उपप्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी ने कहा है कि नियति ने मोदी को पहले ही भगवान राम का भव्य मंदिर बनाने के लिए चुन लिया था। उन्होंने 22 जनवरी को अयोध्या में होने जा रहे राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह को लेकर प्रसन्नता जाहिर करते हुए कहा है कि रथ यात्रा ने वृहद रूप लिया और उसका दूरगामी परिणाम हुआ था। सूत्रों बताया कि आडवाणी ने एक पत्रिका के विशेष अंक के लेख में राम मंदिर के लिए निकाली गई अपनी रथ यात्रा का संस्मरण लिखा है। उन्होंने यादों को ताजा करते हुए कहा कि रथ यात्रा को 33 साल पूरे हो रहे हैं। वर्तमान पीएम नरेंद्र मोदी उस पूरी रथ यात्रा के दौरान उनके साथ थे। उस समय नरेंद्र मोदी ज्यादा प्रसिद्ध नहीं थे लेकिन उसी समय नियति ने उन्हें भगवान राम का भव्य मंदिर बनाने के लिए चुन लिया था। आडवाणी ने कहा कि उन्होंने जब रथ यात्रा शुरू की थी तब उन्हें यह नहीं पता था कि यह यात्रा देश में एक बड़े आंदोलन का रूप ले लेगी। लेकिन उसी दौरान भगवान राम ने अपने भव्य मंदिर के निर्माण के लिए अपने भक्त नरेंद्र मोदी को चुन लिया था।

वहीं राम मंदिर आंदोलन को अपनी राजनीतिक यात्रा की सबसे महत्वपर्ण घटना बताते हुए आडवाणी ने आंदोलन के दौरान अपने कई अनुभवों को भी लेख में शामिल किया है। राजनीति में दशकों तक उनके साथी रहे पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी को याद करते हुए यह भी कहा कि राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले उन्हें अटल बिहारी वाजपेयी की कमी बहुत खल रही है। राम मंदिर के सपने को साकार करने व अयोध्या में रामलला का भव्य मंदिर बनाने के उनके संकल्प को पूरा करने के लिए पीएम मोदी को बधाई देते हुए आडवाणी ने कहा कि जब पीएम मोदी राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा करेंगे तो वह उस समय देश के प्रत्येक नागरिक का प्रतिनिधित्व करेंगे।

गौरतलब है कि अयोध्या में 22 जनवरी को होने जा रहे प्राण प्रतिष्ठा समारोह कार्यक्रम के लिए लालकृष्ण आडवाणी को भी निमंत्रित किया गया है। हालांकि पहले यह कहा जा रहा था कि खराब स्वास्थ्य के कारण आडवाणी अयोध्या नहीं जा पाएंगे लेकिन विश्व हिंदू परिषद के अंतर्राष्ट्रीय कार्याध्यक्ष आलोक कुमार ने आडवाणी के कार्यक्रम में शामिल होने की पुष्टि करते हुए उनके स्वास्थ्य को देखते हुए डॉक्टर और मेडिकल तैयारी सहित तमाम व्यवस्थाएं अयोध्या में करने की जानकारी दी है।

31 जनवरी से 9 फरवरी तक चलेगा संसद का सत्र, 1 फरवरी को आएगा बजट

नई दिल्ली (एजेंसी)। 17वीं लोकसभा का आखिरी सत्र 31 जनवरी से शुरु होगा और 9 फरवरी तक चलेगा। सत्र की शुरुआत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण से होगी। राष्ट्रपति दोनों सदनों-लोक सभा और राज्य सभा की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगी। 31 जनवरी को ही सरकार संसद में आर्थिक सर्वेक्षण भी पेश करेगी। बजट सत्र के दूसरे दिन, 1 फरवरी को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अंतरिम केंद्रीय बजट पेश करेंगी। यह मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का अंतिम बजट होगा और इसके बाद सरकार को जनादेश लेने के लिए लोकसभा चुनाव के मैदान में उतरना है, इसलिए, यह बताया जा रहा है कि इस अंतरिम बजट में मोदी सरकार महिलाओं, किसानों, युवाओं और देश के गरीबों के लिए कुछ महत्वपूर्ण योजनाओं की घोषणा कर सकती है अथवा पहले से चलाई जा रही योजनाओं की राशि में बढ़ोतरी का भी ऐलान कर सकती है। बताया जा रहा है कि सरकार किसानों को दी जा रही प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की राशि को बढ़ाने की घोषणा सहित कई बड़े ऐलान भी अंतरिम बजट में कर सकती है। मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल के इस अंतिम बजट, जिसे अंतरिम केंद्रीय बजट कहा जाएगा, में सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देशानुसार उनकी प्रिय चार जातियों, गरीबों, किसानों, महिलाओं और युवाओं, पर खास फोकस करेगी। इस अंतरिम बजट को ज्ञान अर्थात जी.वाई.ए.एन. फॉर्मूला के तहत तैयार किया जा रहा है। भाजपा के लिए इस ज्ञान यानी जी.वाई.ए.एन.फॉर्मूले का अर्थ है - गरीब, युवा, अन्नदाता (किसान) और नारी (महिला)। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री प्रल्हाद जोशी ने वर्तमान लोकसभा के आखिरी सत्र को लेकर आधिकारिक रूप से जानकारी देते हुए यह बताया है कि सत्रहवीं लोकसभा का आखिरी सत्र 31 जनवरी से 9 फरवरी तक चलेगा। उन्होंने बताया कि सत्र के दौरान संसद में राष्ट्रपति का अभिभाषण होगा और 1 फरवरी को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अंतरिम केंद्रीय बजट पेश करेंगी। जोशी ने संसद के आगामी सत्र की तारीखों और एजेंडे को लेकर आधिकारिक तौर पर जानकारी देते हुए शुक्रवार को अंतरिम बजट सत्र 2024 के हैशटैग के साथ एक्स पर पोस्ट कर बताया, सत्रहवीं लोकसभा का आखिरी सत्र 31 जनवरी से 9 फरवरी तक चलेगा। संसद में राष्ट्रपति के अभिभाषण से सत्र शुरू होगा। 1 फरवरी को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अंतरिम केंद्रीय बजट पेश करेंगी।

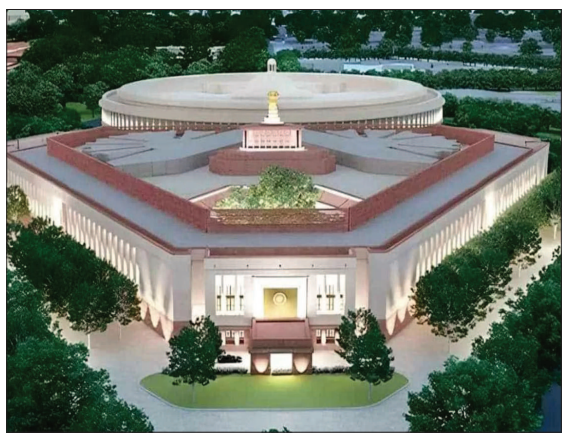

अब जापान नहीं कैरोलिन द्वीप बन गया उगते सूरज की भूमि

-किरिबाती देश में सूरज की पहली किरण चूमती है धरती, सबसे पुराना टाइम जोन भी यहीं

टोक्यो । अब जापान नहीं बल्कि कैरोलिन द्वीप उगते सूरज की भूमि बन गया है। हालांकि यह सबसे पुराना टाइम जोन भी है। बता दें कि सूर्योदय सबसे अच?छा एहसास है। लेकिन सोचिए अगर आप ऐसी जगह पर हों जहां धरती पर सूर्य की पहली किरण आ रही हो तो, आपके मन में शायद जापान का नाम होगा, जिसे हम उगते सूरज की भूमि मानते रहे हैं। लेकिन अब ठिकाना बदल गया है। प्रशांत महासागर में स्थित एक देश किरिबाती है। मालदीव-लक्षद्वीप को लेकर बहस के बीच इस खूबसूरत जगह के बारे में भी बातचीत होनी चाहिए। किरिबाती को कैरोलिन द्वीप के नाम से भी जाना जाता है। यह वह जगह है, जहां हर दिन सूर्य की पहली किरण आती है। सबसे पहले सूर्य की किरणें इसी जगह की धरती को चूमती हैं। यहां सूर्योदय देखना सुखद यादगार अनुभव है। जो लोग नहीं जानते, उन्हें हम बता दें कि किरिबाती में पृथ्वी का सबसे पुराना टाइम जोन भी है। हालांकि वैज्ञानिक दृष्टिकोण यह है कि वास्तव में कोई वास्तविक सूर्योदय या सूर्यास्त नहीं होता। ऐसा इसलिए, क्योंकि पृथ्वी गोल है और लगातार घूम रही है। इसकी वजह से जहां सूर्य की किरणें आती हैं, और धरती के घूमने की वजह से जो हिस्सा पीछे चला जाता है, वहां सूर्यास्त या रात हो जाती है। लेकिन हमारे जीवन को आसान बनाने के लिए एक काल्पनिक रेखा खींची गई है, जिसे इंटरनेशनल डेट लाइन कहा जाता है। यही तय करती है कि दिन कहां समाप्त माना जाए और कहां शुरू। यही रेखा किरिबाती के मिलेनियम द्वीप के आसपास से होकर गुजरती है, इसलिए हमें यहां पर 'पहला' सूर्योदय मिलता है। किरिबाती 33 एटोल और रीफ द्वीपों से बना एक द्वीप समूह है। इन्हीं में से एक निर्जन मिलेनियम द्वीप भी है। इसे दुनिया के सबसे खूबसूरत द्वीपों में से एक माना जाता है। सिर्फ भाग्यशाली लोग ही यहां जा सकते हैं और सूर्योदय के जादुई अनुभव का लाभ ले सकते हैं।

73 साल की महिला ने करवाई जांच, निकला 35 साल का बच्चा

-अजब-गजब : पेट दर्द के चलते अस्पताल पहुंची तो हुआ खुलासा

वॉशिंगटन । प्रेग्नेंसी और बच्चों के जन्म को ईश्वर की इच्छा बताया जाता है। लेकिन कुछ मामले ऐसे भी सामने आ जाते हैं जिनमें कुदरत के नियम भी फैल हो जाते हैं। इससे ये साबित होता है कि इंसान के हाथ में आज भी सब कुछ नहीं है। ऐसा ही एक मामला अल्जीरिया में सामने आया है, जहां एक 73 साल की महिला के पेट में 35 साल का बच्चा पाया गया है। हालांकि यह बच्चा 7 माह के बाद ही मां के पेट में कुदरती तौर पर विकसित नहीं हो पाया था, जो धीरे-धीरे कैल्सिफाइड हो गया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक डॉक्टरों के पास यह अजीबोगरीब केस आया जब उस बुजुर्ग महिला के पेट में दर्द हुआ। लेकिन उसे अंदाजा ही नहीं था कि उसे दिक्कत क्या है। वो जब अपनी समस्या लेकर अस्पताल पहुंची, तो उसने जो नज़ारा देखा, वो खुद महिला की कल्पना से भी बाहर था। रिपोर्ट के मुताबिक ये घटना साल 2016 की है, जहां एक महिला पेटदर्द की शिकायत लेकर अस्पताल पहुंची थी। महिला का नाम नहीं बताया गया है लेकिन उसकी उम्र 73 साल बताई जा रही है। महिला के पेट के निचले हिस्से में दर्द हो रहा था, जिसके बाद वो जांच कराने पहुंची। यहां अल्ट्रासाउंड में पता चला कि उसके पेट के अंदर एक बच्चा है, जो उसने 35 साल पहले कंसीव किया था। हुआ यूं कि 7 महीने के बाद बच्चा कुदरती तौर पर विकसित नहीं हो पाया लेकिन वो पेट के अंदर ही रह गया। उस वक्त बच्चे का वज़न 2 किलोग्राम था और वो धीरे-धीरे कैल्सिफाइड होकर पत्थर बन गया। डॉक्टरों ने बताया कि इस मेडिकल कंडीशन को लिथोपेडियन कहा जाता है, जो काफी दुर्लभ है। दुनिया भर के मेडिकल इतिहास में इस तरह की सिर्फ 300 घटनाएं देखी गई हैं। डॉक्टर किम गार्सी ने मुताबिक बच्चे के कैल्सिफाई होने की वजह से मां किसी भी तरह के इंफेक्शन से बच जाती है। महिला के साथ भी ऐसा ही कुछ हुआ।

पेंटागन के ऑडिट में खुलासा ; मंत्रालय ने अपने ही विभाग की रिपोर्ट को गलत बताया

-यूक्रेन को दिए 8 हजार करोड़ के अमेरिकी हथियार लापता

न्यूयार्क । रूस से जंग लड़ने के लिए यूक्रेन की मदद कर रहे अमेरिका को नहीं पता की उनकी तरफसे दिए गए 1 बिलियन डॉलर यानी 8 हजार करोड़ रुपए के हथियार कहां हैं। अमेरिका के रक्षा मंत्रालय पेंटागन की ऑडिट रिपोर्ट में इस बात का खुलासा हुआ है। पेंटागन के इंस्पेक्टर जनरल के मुताबिक यूक्रेन को भेजे गए 8 हजार करोड़ रुपए के हथियारों का कोई रिकॉर्ड नहीं मिला है। शक जताया गया है कि या तो एक बिलियन डॉलर के हथियारों को कहीं और भेज दिया गया है या उनकी लूट हुई है। डिफेंस डिपार्टमेंट के ऑफिस ने दिखाया कि यूक्रेन को दी गई 1.7 बिलियन डॉलर की मदद से 59 प्रतिशत यानी लगभग 1 बिलियन डॉलर का कोई ब्योरा ही नहीं है। ये रिपोर्ट उस वक्त आई है जब अमेरिका की रिपब्लिकन पार्टी यूक्रेन और इजराइल को दी जाने वाली 105 बिलियन डॉलर की मदद को रोके हुए है। अमेरिका के डिफेंस डिपार्टमेंट के प्रेस सेक्रेटरी ब्रिगेडियर जनरल पैट्रिक राइडर ने अपने ही रक्षा विभाग के दावों को खारिज किया है। उन्होंने कहा है कि इस बात का कोई सबूत नहीं है कि हथियारों को कहीं और भेजा गया। हमने हथियारों को यूक्रेन में तैनात और उनका इस्तेमाल होते हुए देखा है।

मॉरीशस में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा पर 2 घंटे छुट्टी

पोर्ट लुईस। मॉरीशस की सरकार ने रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के मौके पर 22 जनवरी को हिंदू धर्म मानने वाले कर्मचारियों के लिए 2 घंटे की छुट्टी की घोषणा की है। इस दौरान वे स्थानीय कार्यक्रमों में भाग ले सकेंगे। मॉरीशस की कैबिनेट ने शुक्रवार को इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। कैबिनेट की तरफ से जारी किए प्रस्ताव में कहा गया है कि 22 जनवरी को अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन एक ऐतिहासिक घटना है। यह अयोध्या में भगवान राम की वापसी का प्रतीक है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए 22 जनवरी को दोपहर 2 बजे से हिंदुओं को दो घंटे की स्पेशल छुट्टी दी जाएगी। मॉरीशस के प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जुगनाथ ने कैबिनेट के इस फैसले पर कहा कि ये हिंदूओं की भावनाओं और परंपराओं का सम्मान करने के लिए छोटा सी कोशिश है।

चीन से लौटते ही आंख दिखाने लगे मालदीव के राष्ट्रपति मुइज्जू

-हमें धमकाने का लाइसेंस किसी को नहीं

नई दिल्ली । मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू चीन के पांच दिवसीय दौरे के बाद स्वदेश लौट आए हैं। उन्होंने मालदीव लौटते ही दो टूक कह दिया है कि हमें बुली करने का लाइसेंस किसी के पास नहीं है। मुइज्जू ने कहा कि हम भले ही छोटा देश हो सकते हैं लेकिन इससे किसी को भी हमें बुली करने का लाइसेंस नहीं मिलता। हालांकि, मुइज्जू ने प्रत्यक्ष तौर पर किसी का नाम लेकर ये बयान नहीं दिया है। लेकिन माना जा रहा है कि उनका निशाना भारत की तरफ है।

चीन समर्थक माने जाने वाले मुइज्जू ने पांच दिन के अपने चीन दौरे के दौरान राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात की थी। उनका ये दौरा ऐसे समय पर हुआ था, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले मालदीव सरकार के तीन मंत्रियों को सस्पेंड किया गया। इस मामले को लेकर भारत और मालदीव दोनों देशों में राजनयिक विवाद बढ़ा हुआ है।

मुइज्जू ने चीन से लगाई थी गुहार

भारत में चल रहे बॉयकॉट मालदीव के ट्रेंड के बीच मुइज्जू ने चीन से अपील की थी कि वो अधिक से अधिक चीनी पर्यटकों को मालदीव भेजे। मालदीव बिजनेस फोरम को संबोधित करते हुए मुइज्जू ने कहा था कि कोविड से पहले हमारे देश में सबसे अधिक पर्यटक चीन से आते थे। मेरा अनुरोध है कि चीन को ऐसा करने के लिए फिर से अपनी कोशिशें तेज करनी चाहिए।

जापान में तनगेशीमा अंतरिक्ष केन्द्र से एक उपग्रह एच 11 ए लांच किया गया।

पाकिस्तान को आईएमएफ देगा 70 करोड़ डॉलर मदद

इस्लामाबाद। वैश्विक ऋणदाता के स्टैंड-बाय अरेंजमेंट (एसबीए) द्वारा पाकिस्तान के आर्थिक सुधार कार्यक्रम की पहली समीक्षा पूरी करने के परिणामस्वरुप अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से तत्काल लगभग 70 करोड़ डॉलर वितरण की अनुमति मिल गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक आईएमएफ ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि बोर्ड के फैसले के बाद एसबीए की व्यवस्था के तहत कुल ऋण वितरण लगभग 1।9 अरब डॉलर हो जाएगा। पाकिस्तान के नौ महीने के एसबीए को पिछले साल जुलाई में कार्यकारी बोर्ड द्वारा अनुमोदन के समय लगभग तीन अरब डॉलर की मंजूरी दी गई थी। इसमें कहा गया है कि पाकिस्तान में आर्थिक गतिविधियां स्थिर हो गई हैं, हालांकि परिदृश्य चुनौतीपूर्ण है और ठोस नीतियों के कार्यान्वयन पर निर्भर है। आईएमएफ का मौजूदा कार्यक्रम अप्रैल के दूसरे सप्ताह में समाप्त होने की उम्मीद है। देश के एसबीए के तहत नवंबर 2023 में पहली समीक्षा के संबंध में आईएमएफ कर्मचारियों और पाकिस्तानी अधिकारियों के बीच एक कर्मचारी-स्तरीय समझौता हुआ। यह समझौता आईएमएफ के कार्यकारी बोर्ड द्वारा अनुमोदन पर निर्भर था।

ईरान समर्थित हौथिस पर अमेरिका ने किए हमले, रडार को बनाया निशाना

-लाल सागर में जंग जारी, यमन की राजधानी सना को भी निशाना बनाया

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने लाल सागर में शिपिंग की रक्षा करने की कसम खाई है। यही वजह है कि लगातार ईरान समर्थित हौथिस पर अमेरिका हमले करने में जुटा हुआ है। इस संबंध में अधिकारियों ने बताया कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने शुक्रवार को यमन की हौथी सेना के खिलाफ एक अतिरिक्त हमला किया। नवीनतम हमले में एक रडार साइट को निशाना बनाया गया है। ईरान समर्थित समूह की सुविधाओं पर दर्जनों अमेरिकी और ब्रिटिश हमलों के एक दिन बाद यह हमला हुआ। हालांकि अधिकारियों ने अधिक जानकारी नहीं दी। लाल सागर में हौथी हमलों को रोकने के अमेरिकी सैन्य प्रयास में रडार बुनियादी ढांचा एक प्रमुख लक्ष्य बताया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार संयुक्त राज्य अमेरिका और ब्रिटेन छापे के साथ यमनी राजधानी सना को निशाना बना रहे थे। व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष के बारे में चिंताओं को बढ़ाते हुए, अमेरिका और ब्रिटिश युद्धक विमानों, जहाजों और पनडुब्बियों ने यमन में लक्ष्यों के खिलाफ मिसाइलें दागीं। यहां पर हमास शासित गाजा में इज़राइल द्वारा घेराबंदी के तहत फिलिस्तीनियों के समर्थन में अभियान चलाया जा रहा है।

हौथी नेताओं ने प्रतिशोध की शपथ भले ही ली है, लेकिन बाइडेन ने शुक्रवार को पहले चेतावनी दी थी कि अगर वे दुनिया के सबसे आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण जलमार्गों में से एक में व्यापारी और सैन्य जहाजों पर अपने हमलों को नहीं रोकते हैं तो वह और अधिक हमलों का आदेश दे सकते हैं। बाइडेन ने शुक्रवार को पेंसिल्वेनिया में एक पड़ाव के दौरान संवाददाताओं से कहा कि हम यह सुनिश्चित करेंगे कि अगर हौथी इस अपमानजनक व्यवहार को जारी रखते हैं तो हम उन्हें जवाब देंगे। प्रत्यक्षदर्शियों ने यमन के समयानुसार शुक्रवार तड़के राजधानी सना और यमन के तीसरे शहर ताइज़ में हवाई अड्डों के पास सैन्य ठिकानों पर हमले किए। साथ ही यमन के मुख्य लाल सागर बंदरगाह होदेइदाह में एक नौसैनिक अड्डे और तटीय हज्जाह गवर्नरेट में सैन्य स्थलों पर विस्फोटों की पुष्टि की है।

इस मामले में व्हाइट हाउस के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा कि हमलों ने हौथिस की मिसाइलों या ड्रोनों को संग्रहीत करने, लॉन्च करने और निर्देशित करने की क्षमता को लक्षित किया था, जिसका उपयोग समूह ने हाल के महीनों में लाल सागर शिपिंग को धमकी देने के लिए किया है। इधर पेंटागन ने कहा कि अमेरिकी-ब्रिटिश हमले ने हौथिस की नए हमले करने की क्षमता को कम कर दिया है। इधर अमेरिकी सेना ने बयान में कहा कि 28 स्थानों पर 60 लक्ष्यों को निशाना बनाया गया है।

ऑस्टिन पर भरोसा है, लेकिन अस्पताल में भर्ती होने की जानकारी नहीं देना गलत फैसला: बाइडन

वॉशिंगटन(एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने शुक्रवार को कहा कि देश के रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन के पिछले सप्ताह अस्पताल में भर्ती होने के बारे में उन्हें सूचित नहीं किया जाना गलत फैसला था, लेकिन उन्हें अपने मंत्री पर अब भी भरोसा है।

बाइडन से संवाददाताओं ने सवाल किया कि क्या रक्षा मंत्री द्वारा अपनी सेहत के बारे में उन्हें (बाइडन) जानकारी नहीं दिए जाने का फैसला अनुचित, जिसके जवाब में राष्ट्रपति ने ''हां'' में जवाब दिया। यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें ऑस्टिन के नेतृत्व पर अब भी भरोसा है, बाइडन ने उत्तर दिया, ''हां, मैं (भरोसा) करता हूं।'' बाइडन ने पेंसिल्वेनिया के एलेनटाउन के बाहर स्थानीय कारोबारी संस्थानों का दौरा करने के बाद संवाददाताओं के सवालों के जवाब दिए। ऑस्टिन को प्रोस्टेट कैंसर था और हाल में उनका ऑपरेशन हुआ था लेकिन यह जानकारी बाइडन को नहीं दी गई थी। देश के दोनों राजनीतिक दलों के सदस्यों ने यह जानकारी राष्ट्रपति से छुपाए जाने पर ऑस्टिन की निंदा की है और कुछ नेताओं ने उनके इस्तीफे की भी मांग की है। ऑस्टिन को 22 दिसंबर, 2023 को वॉल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर में भर्ती कराया गया था जहां उनकी सर्जरी की गई। प्रारंभिक जांच में मूत्राशय में संक्रमण का पता चलने के बाद ऑस्टिन को एक जनवरी को गहन चिकित्सा देखभाल (आईसीयू) इकाई में स्थानांतरित किया गया। अमेरिका के विदेश मंत्री से जुड़ी यह महत्वपूर्ण जानकारी मंगलवार सुबह तक बाइडन और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारियों को नहीं दी गई।

इमरान खान के चुनाव चिन्ह बल्ले पर आया संकट

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (सीजेपी) काजी फैज ईसा ने कहा कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के चुनाव चिन्ह बल्ले को बहाल करने का पेशावर उच्च न्यायालय (पीएचसी) का आदेश प्रथम दृष्टया गलत था। बता दें कि पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान की पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ को उसका चुनाव चिन्ह वापस मिले कुछ ही घंटे हुए थे। अब सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस की ये टिप्पणी जेल में बंद इमरान को परेशान कर सकती हैं।

दरअसल पाकिस्तान निर्वाचन आयोग ने पेशावर उच्च न्यायालय (पीएचसी) के फैसले के खिलाफ शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। निर्वाचन आयोग ने खान की पार्टी में संगठनात्मक चुनावों को असंवैधानिक घोषित कर 22 दिसंबर को पार्टी के चुनाव चिह्न बल्ले को रद्द कर दिया था। लेकिन बाद में चुनाव आयोग के फैसले को पेशावर उच्च न्यायालय ने खारिज कर दिया था।

खबर के अनुसार प्रधान न्यायाधीश ने सुनवाई के दौरान सवाल उठाया कि क्या उच्च न्यायालय ने 'पीटीआई' के संगठनात्मक चुनावों को कानून के अनुरूप पाया और पूछा, बल्ले को चुनाव चिह्न के रूप में आवंटित करने का मुद्दा बाद में आता है।

ब्लिंकन ने ताइवान में चुनाव के बीच चीन और जापान के राजनयिकों से मुलाकात की

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने ताइवान में राष्ट्रपति चुनाव के बीच शुक्रवार को चीन के एक वरिष्ठ राजनयिक के साथ बैठक के दौरान ताइवान जलडमरूमध्य में शांति एवं स्थिरता के महत्व पर जोर दिया। राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने ताइवान में राष्ट्रपति चुनाव आयोजित किए जाने के दौरान तनाव कम करने की मांग की है। ब्लिंकन ने चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के अंतरराष्ट्रीय मामलों के मंत्री लियू जियानचाओ के साथ बैठक की।

इसके कुछ समय बाद उन्होंने एशिया में अमेरिका के सबसे मजबूत सहयोगियों में से एक जापान के विदेश मंत्री योको कामिकावा से मुलाकात की। शनिवार के चुनाव में स्वतंत्रता की ओर झुकाव रखने वाली सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक प्रोग्रेसिव पार्टी की जीत की स्थिति में बाइडन प्रशासन ताइवान जलडमरूमध्य में तनाव को कम रखने की कोशिश कर रहा है। चीन ताइवान को अपना हिस्सा मानता है। उसने मतदाताओं को सुझाव दिया है कि वे शांति और युद्ध के बीच विकल्प चुन सकते हैं। अमेरिका, ताइवान के राष्ट्रपति चुनाव में किसी भी उम्मीदवार का समर्थन नहीं कर रहा है और चुनाव के तुरंत बाद द्वीप पर एक अनौपचारिक प्रतिनिधिमंडल भेजने की योजना बना रहा है।

समाचार साइट 'जापान टुडे' के अनुसार ताइवान के अलावा ब्लिंकन और कामिकावा ने यूक्रेन और पश्चिम एशिया में युद्ध एवं मार्च की शुरुआत में जापान के प्रधानमंत्री की अमेरिका की संभावित राजकीय यात्रा की तैयारी पर चर्चा की। 'जापान टुडे' की रिपोर्ट के अनुसार कामिकावा ने कहा, ''जैसा कि दुनिया एक महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुंच गई है, तो उसे देखते हुए विभिन्न मुद्दों से निपटने में जापान-अमेरिका गठबंधन की भूमिका पहले कभी इतनी बड़ी नहीं रही।'' अमेरिका के विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बैठक में हुई बातचीत के ब्योरे के अनुसार ब्लिंकन ने कामिकावा से कहा कि गठबंधन ''वास्तव में हिंद-प्रशांत में शांति, सुरक्षा और समृद्धि की आधारशिला है''।

अनुभवी चीनी राजनयिक लियू ने न्यूयॉर्क की यात्रा की थी और ब्लिंकन के साथ उनकी मुलाकात अमेरिकी यात्रा का हिस्सा थी। इस सप्ताह की शुरुआत में उन्होंने कहा था कि चीन ताइवान की स्वतंत्रता का समर्थन नहीं करने के अमेरिकी बयानों को लेकर गंभीर है। लियू ने 'काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशन्स' को बताया, ''हमें उम्मीद है कि अमेरिकी पक्ष इस प्रतिबद्धता का सम्मान करेगा।'' लियू के चीन के अगले विदेश मंत्री बनने की संभावना है। द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर करने के लिए सैन फ्रांसिस्को में राष्ट्रपति जो बाइडन और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की मुलाकात के लगभग दो महीने बाद लियू की यात्रा हुई। काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस से बात करते हुए लियू ने कहा कि चीन युद्ध नहीं चाहता है।

बालाकोट एयर स्ट्राइक का डरा, अपने एयर डिफेंस को मजबूत कर रहा पाकिस्तान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान को बालाकोट जैसी एयर स्ट्राइक का डर सताने लगा है। इसकारण वह अपने एयर डिफेंस को मजबूत करने में जुटा है। पाकिस्तान के कार्यवाहक पीएम अनवारउल हक काकड़ ने कुछ दिनों पहले गीदड़भभकी दी थी। इसमें उन्होंने कहा था कि बालाकोट एयर स्ट्राइक जैसा भारत ने कुछ किया तब पाकिस्तान करारा जवाब देगा। उनके बयान के बाद अब पाकिस्तानी सेना एक एयर डिफेंस एक्सरसाइज करती हुई दिख रही है, जो उनके अंदर बालाकोट जैसी एयर स्ट्राइक का डर दिखाता है।

पाकिस्तानी सेना ने सोनमियामी में अल-बायजा-3 2024 अभ्यास किया। इस दौरान पाकिस्तानी सेना ने एयर डिफेंस तकनीकी की फायरिंग की, जिसका अवलोकन पाक आर्मी चीफ जनरल असीम मुनीर ने किया। पाकिस्तानी सेना की ओर से जारी बयान में कहा गया कि वायु रक्षा प्रणालियों की एकीकृत फायरिंग और युद्धाभ्यास का प्रदर्शन किया गया। पाकिस्तानी सेना इसे अपनी हवाई सीमाओं की वायु रक्षा क्षमता बढ़ाने की ऐतिहासिक उपलब्धि के तौर पर देख रही है।

मुनीर ने मध्यम वायु रक्षा हथियार प्रणाली, मध्यम वायु रक्षा प्रणाली, छोटी दूरी की वायु रक्षा प्रणाली और विस्तारित छोटी दूरी की वायु रक्षा प्रणाली का लाइव प्रदर्शन देखा। यह सब पाकिस्तान तब कर रहा है जब कुछ दिनों पहले अंतरिम पीएम काकड़ ने गीदड़भभकी दी थी। काकड़ ने कहा कि अगर किसी ने हमारी जमीन पर हमले की कोशिश की तब पाकिस्तान वैसा ही करेगा जैसे हमने 2019 में किया था। हम उनके विमानों को मार गिराएंगे।

दरअसल अनवारुल हक काकड़ का यह बयान भारत पर निशाना साधने वाला था। क्योंकि फरवरी 2019 में पुलवामा हमले के बाद भारत ने बालाकोट में एयर स्ट्राइक की थी। इसके बाद पाकिस्तानी सेना ने अपने आधुनिक विमानों के जरिए हमला किया था। जवाब में भारत के मिग-21 विमान ने पाकिस्तान के एक फाइटर जेट को गिरा दिया था। इसमें भारत का भी एक फाइटर जेट गिरा था, जिसमें एयरफोर्स पायलट अभिनंदन को पकड़ लिया गया था। हालांकि हाल ही में किताब में खुलासा हुआ है कि भारतीय पायलट अभिनंदन के पकड़ने के बाद भारत की 9 मिसाइलों का मुंह पाकिस्तान की ओर हो गया था। जिसके बाद पाकिस्तानी सेना के हाथ पैर फूल गए थे।

संपादकीय

सबसे लंबा सेतु

भारत के सबसे लंबे और विश्व के 12वें सबसे लंबे सेतु का शुक्रवार को उद्घाटन सुखद और स्वागतयोग्य है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस मुंबई ट्रांस हार्बर लिंक का उद्घाटन किया है और इसके बाद मुंबई और नवी मुंबई के बीच की दूरी काफी कम हो गई है। जाहिर है, यह भारत में समुद्र पर बना सबसे लंबा पुल भी है, जिसका नाम पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नाम पर अटल सेतु रखा गया है। यह पुल इस्पात से होने वाले निर्माणों के बीच एक मिसाल है, जिसमें एफिल टॉवर से भी 17 गुना ज्यादा इस्पात का इस्तेमाल हुआ है, मतलब, हावड़ा ब्रिज से चार गुना ज्यादा। 17,840 करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च करके बना भव्य अटल सेतु लगभग 21.8 किलोमीटर लंबा है, इस पर छह लेन हैं। मतलब, बड़ी संख्या में गाड़ियां इससे गुजर सकेंगी। यह सेतु देश की व्यावसायिक राजधानी मुंबई की सुंदरता-भव्यता में शुमार हो गया है। पुल से प्रतिदिन 70,000 वाहन गुजरेंगे। इससे मुंबई को जो राहत मिलेगी, इसका अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। भारत में तेज विकास के लिए बुनियादी ढांचे का विकास जरूरी है और इस दिशा में तेजी से काम हो रहा है। करीब छह वर्ष तक असम-अरुणाचल प्रदेश में लोहित नदी पर बना 9.15 किलोमीटर का भूपेन-हजारिका सेतु या ढोला-सदिया सेतु देश में सबसे लंबा था। इस सेतु ने 35 साल बाद पटना-हाजीपुर को जोड़ने वाले 5.75 किलोमीटर लंबे गांधी सेतु का रिकॉर्ड तोड़ा था। मतलब, गांधी सेतु की तुलना में अटल सेतु साढ़े तीन गुना से भी ज्यादा लंबा है। देश के दस सबसे लंबे पुलों में से सर्वाधिक चार बिहार में हैं, चारों गंगा नदी पर बने हैं। जैसे बिहार में गांधी सेतु लंबे समय तक जीवन रेखा की तरह रहा है, ठीक वैसे ही अटल सेतु मुंबई के लिए बन जाएगा। वैसे पांच वर्ष पहले तैयार मुंबई में ही बांद्रा-वर्ली सी लिंक भी देश की व्यावसायिक राजधानी की एक ताकत बना हुआ है। बढ़ते यातायात दबाव को देखते हुए ऐसे बड़े-छोटे अनेक पुलों की जरूरत देश के शहरों में है। जिन शहरों से नदियां बहती हैं, उनमें तो पुल और भी जरूरी हैं। जैसे राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र को ही अगर लिया जाए, तो छह से ज्यादा पुलों के बावजूद जाम की स्थिति बनी रहती है। नदी, समुद्र या झील हो या कोई घनी बस्ती, जाम की स्थिति से बचने के लिए भी सेतु निर्माण सुरंग निर्माण की तरह ही बेहतर विकल्प है। बहरहाल, गौर करने की बात है कि विगत वर्षों में भारत में मूलभूत ढांचा विकास में बहुत तेजी आई है। तेज गति से सड़कों का निर्माण हो रहा है। दिल्ली और मुंबई के बीच में एक्सप्रेस-वे तैयार हो रहा है, जिससे 12 घंटे में यात्रा पूरी हो सकेगी। उत्तर प्रदेश की ही अगर बात करें, तो दिल्ली से जौनपुर तक तीन-तीन एक्सप्रेस-वे हैं और गंगा एक्सप्रेस-वे तैयार हो रहा है। डेढ़ अरब आबादी की ओर बढ़ते देश में तेज विकास के लिए सड़कों और सेतुओं का जाल बिछना सुनिश्चित है। विकसित देशों ने यह ढांचागत विकास बहुत पहले ही कर लिया है। तभी तो कम आबादी वाले देशों में भी खूब सड़कें और लंबे सेतु बने हुए हैं। भारत में दूसरा पहलू भी है कि बड़े पुल और एक्सप्रेस-वे की ओर ज्यादा ध्यान देकर हम अन्य अंदर की सड़कों पर कहीं कम ध्यान तो नहीं देने लगे हैं? कहीं ऐसा तो नहीं कि एक्सप्रेस-वे पर जो समय बच रहा है, वह अन्य सड़कों पर बर्बाद हो जा रहा है? कुल मिलाकर, सबसे बड़े सेतु के उद्घाटन के अवसर पर हमें देश में स्थित तमाम सेतुओं, सड़कों की गुणवत्ता को फिर परख लेना चाहिए।

आज का राशीफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी।

वृषभ पारिवारिक जनों के साथ सुखद समाचार मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। खानपान में संयम रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मिथुन व्यावसायिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पराक्रम में वृद्धि होगी।

सिंह पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। वाणी की सौम्यता प्रतिष्ठा में वृद्धि करायेगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। धन लाभ के योग हैं।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। अनावश्यक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। राजनैतिक दिशा में चल रहा प्रयास सफल होगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है। स्वास्थ्य शिथिल रहने की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

वृश्चिक दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आर्थिक प्रयास फलीभूत होंगे। व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

धनु व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मकर बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलायेगी।

खगोलीय परिवर्तन व रबी फसल की शुरुआत का पर्व है लोहड़ी!

(लेखक- डॉ श्रीगोपाल नारसन)

मकर संक्रांति इस बार 15 जनवरी 2024 को मनाई जा रही है। इस दिन सूर्य रात में 2 बजकर 54 मिनट पर मकर राशि में प्रवेश करेंगे। सुबह 07 बजकर 15 मिनट से शाम 06 बजकर 21 मिनट तक पुण्यकाल व महा पुण्यकाल -सुबह 07 बजकर 15 मिनट से सुबह 09 बजकर 06 मिनट तक रहेगा।15 जनवरी सन 2024 को मकर संक्रांति पर 77 वर्षो के बाद वरीयान योग और रवि योग का संयोग बन रहा है। इस दिन बुध और मंगल भी एक ही राशि धनु में विराजमान रहेंगे।

वरीयान योग 15 जनवरी को प्रातः 2 बजकर 40 मिनट से लेकर रात 11 बजकर 11 मिनट तक रहेगा जबकि रवि योग 15 जनवरी को सुबह 07 बजकर 15 मिनट से लेकर सुबह 08 बजकर 07 मिनट तक रहेगा ।पांच साल बाद मकर संक्रांति सोमवार के दिन पड़ रही है, ऐसे में सूर्य संग शिव का आशीर्वाद भी प्राप्त हो रहा है,जो एक बड़ा संयोग है। रबी की फसल के मौसम की शुरुआत , सूर्य के मकर राशि में पधारने, गर्म दिनों के आगमन और कड़ाके की ठंड के अंत का संकेत देने के लिए मकर सक्रांति मनाई जाती है। मकर संक्रांति के बाद से दिन बड़े होने लगते हैं। उत्तरायण की यह अवधि लगभग छह महीने तक रहती है। संक्रांति का अर्थ है सूर्य की गति और मकर संक्रांति साल में पड़ने वाली सभी 12 संक्रांतियों में से सबसे महत्वपूर्ण है।पश्चिम बंगाल में इसे पौष संक्रांति, तमिलनाडु में पोंगल, असम में बिहू, गुजरात में उत्तरायण, पंजाब में लोहड़ी, असम में माघ बिहू के रूप में इस पर्व को भारतभर में मनाया जाता है।मकर संक्रांति पर लोग अपने घर की पुरानी चीजों को बदलते हैं और नई चीजें खरीदते हैं। मकर सक्रांति से पूरा वर्ष सफलता, सौभाग्य और समृद्धि से भरा हो,यह प्रार्थना की जाती है। इस पर्व की शुरुआत घरों की सफ़ाई और सुबह-सुबह स्नान के साथ होती है और उसके बाद पारंपरिक कपड़े पहने जाते हैं। आने वाले समय में अच्छी फसल और खुशहाली का आशीर्वाद पाने के लिए इस दिन बारिश के देवता भगवान इंद्र और भगवान सूर्य दोनों की पूजा की जाती है।पतंग उड़ाने से लेकर खिचड़ी या दही-चूड़ा खाने तक, मकर संक्रांति पारंपरिक भोजन का आनंद लेने से भरा दिन है। चावल, गुड़, गन्ना, तिल, मक्का, मूंगफली सहित अन्य चीजों से भोजन बनाया जाता है। गुड़ की चिक्की, पॉपकॉर्न, तिल कुट, खिचड़ी, उंधियू और गुड़ खीर, कुछ ऐसे खाद्य पदार्थ हैं जिनका पारंपरिक रूप से इस पर्व के दौरान सेवन किया जाता है। अलाव जलाने से लेकर चावल और गन्ने के व्यंजन तैयार करने से लेकर संगीत और नृत्य गतिविधियों में भाग लेने तक, त्योहार से जुड़े कुछ अनुष्ठान हैं जो भारतीय संस्कृतियों में आम हैं।गुजरात में मकर संक्रांति को उत्तरायण के रूप में मनाया जाता है, जिसमें पतंग उड़ाने की परंपरा सबसे प्रमुख मानी जाती है। लोगों को अपनी छतों पर पतंगबाजी प्रतियोगिताओं में भाग लेते हुए देखा जा सकता है और आकाश लुभावनी और रंगीन पतंगों से चित्रित एक विशाल कैनवास जैसा दिखता है।पंजाब में, ठंड से बचने और लोहड़ी उत्सव मनाने के लिए अलाव जलाया जाता है। यह उत्सव बड़ी खुशी देता है क्योंकि दोस्त और परिवार उपहारों का आदान-प्रदान करने के लिए एक साथ आते हैं और लोक गीत गाते हुए गजक, मूंगफली, रेवड़ी और पॉपकॉर्न का आनंद लेते हैं। दक्षिण भारत में पोंगल चार दिनों की अवधि में मनाया जाता है, जहां लोग अपने घरों को अच्छी तरह से साफ करते हैं और उन्हें सुंदर डिजाइनों से सजाते हैं और भोगी मंटालु की प्रथा के रूप में घर में अवांछित चीजों को अलाव में जलाते हैं, उसके बाद पोंगल पनाई में भाग लेते हैं, जिसमें परिवार सदस्य मिट्टी के बर्तन में चावल, दूध और गुड़ पकाते हैं और इसे पानी में प्रवाहित कर देते हैं ।कहते है, जो व्यक्ति उत्तरायण के शुभ काल के दौरान मरता है उसे मृत्यु और जन्म के चक्र से मुक्ति मिल जाती है। ऐसा कहा जाता है कि भीष्म पितामह कुरुक्षेत्र के महाभारत युद्ध के दौरान घायल हो गए थे और अपने पिता द्वारा दिए गए वरदान के कारण, वह अपनी मृत्यु का क्षण चुन सकते थे और पृथ्वी पर अपने अंतिम क्षणों में कुछ दिनों की देरी कर सकते थे ताकि उनकी मृत्यु हो सके।इसी कारण वे 6 माह तक मृत्यु शैय्या पर रहे और उत्तरायण में उन्होंने देह त्याग की।मकर संक्रांति के दिन सूर्य देवता दक्षिणायन से उत्तरायण आते हैं और इसी घड़ी से देवताओं के शुभ दिन शुरू हो जाते हैं। मकर संक्रांति से खरमास समाप्त हो जाता है और शादी-विवाह जैसे शुभ व मांगलिक कार्य भी होने लगते है।इतिहास में झांके तो पता चलता है कि महाभारत काल में मकर संक्रांति दिसंबर मास में मनाई जाती थी। छठी शताब्दी में सम्राट हर्षवर्धन के समय में 24 दिसंबर को मकर संक्रांति मनाई गयी थी। अकबर सम्राट के समय में 10 जनवरी और शिवाजी महाराज के समय में 11 जनवरी को मकर संक्रांति मनाये जाने का उल्लेख मिलता है।मकर संक्रांति की तिथि के बदलते रहने का, यह रहस्य इसलिए है क्योंकि सूर्य की गति एक साल में 20 सेकंड बढ जाती है। इस हिसाब से 5000 साल के बाद संभव है कि मकर संक्रांति जनवरी में नहीं, बल्कि फरवरी में मनाई जाने लगे। सूर्य का उत्तरायण होना बहुत ही शुभ माना जाता है। इस दिन गंगा नदी या पवित्र जल में स्नान करने का विधान है। साथ ही इस दिन गरीबों को गर्म कपड़े, अन्न का दान करना शुभ माना गया है। संक्रांति के दिन तिल से निर्मित सामग्री ग्रहण करने शुभ होता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार असुरों पर भगवान विष्णु की विजय के तौर पर भी मकर संक्रांति का पर्व मनाया जाता है।गरीब और असहाय लोगों को गर्म कपड़े का दान करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। इस माह में लाल और पीले रंग के वस्त्र धारण करने से भाग्य में वृद्धि होती है। माह के रविवार के दिन तांबे के बर्तन में जल भर कर उसमें गुड़, लाल चंदन से सूर्य को अर्घ्य देने से पद सम्मान में वृद्धि होने के साथ शरीर में सकारात्मक शक्तियों का विकास होता है। साथ ही आध्यात्मिक शक्तियों का भी विकास होता है।कहते है कि मकर संक्रांति के दिन भगवान विष्णु ने पृथ्वी लोक पर असुरों का संहार उनके सिरों को काटकर मंदरा पर्वत पर फेंका था। भगवान की जीत को मकर संक्रांति के रूप में मनाया जाता है। मकर संक्रांति से ही ऋतु में परिवर्तन होने लगता है। शरद ऋतु का प्रभाव कम होने लगता है और इसके बाद बसंत मौसम का आगमन आरंभ हो जाता है। मकर संक्रांति के दिन सूर्यदेव अपने पुत्र शनिदेव के घर जाते हैं। ऐसे में पिता और पुत्र के बीच प्रेम बढ़ता है। ऐसे में भगवान सूर्य और शनि की अराधना शुभ फल देने वाला होता है।संक्रांति का यह पर्व भारतवर्ष तथा नेपाल के सभी प्रान्तों में अलग-अलग नाम व भांति-भांति के रीति-रिवाजों द्वारा भक्ति एवं उत्साह के साथ धूमधाम से मनाया जाता है।

(लेखक आध्यात्मिक चिंतक व वरिष्ठ पत्रकार है)

खाद्य सुरक्षा पर असर को लेकर मौजूद चिंताएं

डॉ. वीरेन्द्र सिंह लाठर

कई अंतर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय कृषि वैज्ञानिकों ने बहुप्रचारित एक नैनो उर्वरक को राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा के लिए खतरा बताया है। वहीं कहा कि यह किसानों के लिए भी फायदे का सौदा नहीं है। पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना द्वारा हाल ही में प्रकाशित शोध के अनुसार, नैनो उर्वरक तकनीक अपनाने से गेहूं की पैदावार में 21.6 प्रतिशत और धान की पैदावार में 13 प्रतिशत कमी दर्ज हुई। इसके अतिरिक्त गेहूं और धान के दानों में क्रमशः 17 और 11 प्रतिशत नाइट्रोजन की कमी भी दर्ज हुई ज़िससे दानों में प्रोटीन की कमी होना स्वाभाविक है। ज्ञात रहे कि सरकारी संस्था ने 2021 में तरल नैनो यूरिया का विपणन इस दावे के साथ शुरू किया था कि इसकी 4 प्रतिशत नाइट्रोजन से युक्त 500 की बोतल 50 किलो परंपरागत यूरिया (46 प्रतिशत नाइट्रोजन) के एक बैग के बराबर है। इसके विपणन के लिए केन्द्र और राज्य सरकारों द्वारा खूब प्रचार के बावजूद नैनो यूरिया अभी तक किसानों और कृषि वैज्ञानिकों का विश्वास नहीं जीत पाया। यह न तो फसल के लिए लाभकारी सिद्ध हुआ और न ही वैज्ञानिक कसौटी पर खरा उतरा। करीब 140 करोड़ मानव आबादी वाले भारत की खाद्य सुरक्षा पिछले 50 वर्षों से मुख्यतः गेहूं और धान फसल के उत्पादन पर आधारित रही है। ज़िनमें मात्र 5-10 प्रतिशत की कमी से ही, देश में खाद्य सुरक्षा के खतरे की घंटी चुनौती पैदा हो जाती है और सरकार गेहूं आयात करने और चावल निर्यात रोकने पर मजबूर हो जाती है। ऐसी परिस्थिति में बिना उचित वैज्ञानिक परीक्षण किये नैनो उर्वरकों पर जल्दबाजी राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती बन सकती है। ऐसे उर्वरकों को दूसरे उर्वरकों के साथ, कम्पनियों द्वारा बेचना किसानों के हित में नहीं कहा जा सकता है। कृषि वैज्ञानिक इस नैनो उर्वरक का विरोध शुरू से कर रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान ज़र्नल 'प्लांट सॉयल' के अंक 10 अगस्त, 2023 में अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिकों मेक्स फरेंक और सौरेन हस्टीड ने रहस्योद्घाटन किया है कि नैनो यूरिया के दावे तथ्यहीन हैं। इसके विपणन के लिए प्रचार से देश की खाद्य सुरक्षा और किसानों में कृषि विज्ञान अनुसंधान में विश्वास कम होने की संभावना है। इसी तरह की आशंका देश के प्रतिष्ठित कृषि वैज्ञानिकों ने पहले भी व्यक्त की है। ज़िनके अनुसार तकनीकी तौर पर नैनो यूरिया पारंपरिक दानेदार यूरिया का विकल्प नहीं बन सकता और न ही कृषि विश्वविद्यालयों व संस्थानों ने इसे अपनी फसलों की समग्र सिफारिश में अनुशंसित व शामिल किया है। आर्थिक तौर पर भी नैनो यूरिया किसान हितैषी नहीं है, क्योंकि आधे लीटर नैनो यूरिया का दाम 240 रुपये है जो कि पारंपरिक दानेदार यूरिया के एक बैग यानी 45 किलो के दाम के लगभग बराबर ही है। इन सब तथ्यों के बावजूद, नैनो यूरिया का प्रचार गलत है। इसका वार्षिक लगभग 5 करोड़ बोतल उत्पादन और किसानों को दूसरे उर्वरकों के साथ जबर्दस्ती बेचना हितकारी नहीं है। कृषि रसायन विज्ञान के अनुसार, रासायनिक रूप में एक बैग यानी 45 किलो पारंपरिक यूरिया में 46 प्रतिशत नाइट्रोजन होती है, जिसका मतलब है कि 45 किलोग्राम यूरिया में लगभग 20 किलोग्राम नाइट्रोजन होती है। इसके विपरीत, 500 मिलीलीटर नैनो यूरिया में 4 प्रतिशत नाइट्रोजन की दर से मात्र 20 ग्राम नाइट्रोजन होती है यानी दानेदार यूरिया के मुकाबले हजार गुना से भी कम नाइट्रोजन नैनो यूरिया में होती है। तब जाहिर सी बात है कि नैनो यूरिया की 20 ग्राम नाइट्रोजन दानेदार यूरिया की 20 किलोग्राम नाइट्रोजन की भरपाई कैसे कर सकती है। जहां तक नैनो यूरिया के फसलों के पत्तों पर छिड़काव के कारण ज्यादा प्रभावशाली होने के दावों की बात है तो दानेदार यूरिया भी पूरी तरह से पानी में घुलनशील होने से 2-5 प्रतिशत छिड़काव की सिफारिश पहले ही की हुई है, यानी जो तथाकथित लाभ 240 रुपये दाम वाले आधा लीटर नैनो यूरिया छिड़काव से मिल सकता है, उसे किसान मात्र 12 रुपये दाम के 2 किलो पारम्परिक यूरिया प्रति एकड़ छिड़काव द्वारा पहले से ही ले रहे हैं। कृषि विज्ञान के अनुसार, पौधों को प्रोटीन बनाने के लिए नाइट्रोजन की आवश्यकता होती हैं। भूमि में नाइट्रोजन की कमी से अनाज, तिलहन, आलू आदि फसलों की उन्नत किस्मों के उत्पादन में 50-60 प्रतिशत तक की कमी देखी गई है। अंतर्राष्ट्रीय खाद्य और कृषि संगठन के मानदंडों के अनुसार भी 25 क्विंटल अनाज प्रति एकड़ उत्पादन के लिए 62 किलो नाइट्रोजन चाहिए जो 130 किलो यूरिया प्रति एकड़ डालने से मिलेगी। तीन सितम्बर, 2022 के एक राष्ट्रीय अंग्रेजी दैनिक में छपे लेख में चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार से मृदा विज्ञान के सेवानिवृत्त प्रो एनके तोमर ने कहा, भले ही काल्पनिक रूप में, आधा लीटर नैनो उर्वरक 100 प्रतिशत प्रभावी रूप से पौधों को उपलब्ध हो, लेकिन यह केवल 368 ग्राम अनाज पैदा करेगा। इसलिए, नैनो यूरिया पर किये जा रहे सरकारी प्रयास सार्वजनिक धन की बर्बादी है। नैनो यूरिया पर दावे निराधार हैं। इस बारे प्रोफेसर तोमर द्वारा नीति आयोग को लिखे पत्र का सरकार ने अभी तक कोई जवाब नहीं दिया।

लेखक का यह अपना नजरिया है।

विचार मंथन

खाद्य पदार्थों में महंगाई 9.53 फ़ीसदी, औद्योगिक उत्पादन घटा

(लेखक - सनत जैन)

केंद्र सरकार द्वारा मंगलवार को जो आंकड़े जारी किए गए हैं। उन आंकड़ों के अनुसार दिसंबर माह में औसत महंगाई का स्तर 5.69 फ़ीसदी पर पहुंच गया है। पिछले 4 महीने में यह महंगाई की सबसे उच्च दर है। इसके साथ ही औद्योगिक उत्पादन नवंबर माह में 8 महीने के सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। नवंबर माह में 2.4 फ़ीसदी औद्योगिक उत्पादन रहा। जो सभी के लिए चिंता का विषय बन गया है। भारत में महंगाई बढ़ने का सबसे बड़ा कारण खाद्य पदार्थों के दाम बढ़ने के कारण आया है। खाद्य पदार्थों के दाम बढ़ने से करोड़ों लोगों के ऊपर इसका असर पड़ रहा है। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक लगातार बढ़ रहा है। लोगों की कमाई ज्यादा होने के स्थान पर कम होती जा रही है। यह चिंता का सबसे बड़ा कारण है। नेशनल सांख्यिकी कार्यालय के अनुसार खाद्य वस्तुओं की खुदरा मूल्य में दिसंबर माह में 9.53 फ़ीसदी की वृद्धि हुई है। औसत महंगाई दर 5.69 फ़ीसदी पर रही। करोड़ों लोगों को महंगाई के कारण ज्यादा रकम खर्च करनी पड़ रही है। मासिक खर्च चलाने के लिए लोगों को कर्ज लेना पड़ रहा है। उनके पास यदि रकम नहीं होती है,तो वह खाद्य पदार्थों में कटौती करते हैं। जिससे भारत जैसे देश में कुपोषण की समस्या लगातार बढ़ती चली जा रही है। जिस तरह से भारत में महंगाई बढ़ रही है। उसके बाद लोगों को जो खाद्य पदार्थ उपलब्ध हो रहा है। वह पोषण के योग्य नहीं है। खाद्य पदार्थों की महंगाई बढ़ने से विशेष रूप से दूध, सब्जी, दाल, फल इत्यादि के रेट बड़ी तेजी के साथ निरंतर बढ़ रहे हैं। जिसके कारण लोगों को पौष्टिक खाना नहीं मिल पा रहा है। कम उम्र के बच्चे और युवा कुपोषण के शिकार हो रहे हैं। महिलाओं पर भी इसका असर कुपोषण के रूप में पड़ रहा है। महंगाई को नियंत्रित कर पाने में केंद्र सरकार पूरी तरह विफल साबित हो रही है। अब औद्योगिक उत्पादन भी तेजी के साथ घटने लगा है। इसका असर भी बेरोजगारी के रूप में तथा सरकार की आय में कमी के रूप से पड़ना तय है। औद्योगिक उत्पादन कम हो रहा है, तो सरकार को टैक्स के रूप में जो राशि मिलती थी, वह कम मिलेगी। इसको लेकर भी सरकार चिंतित हो गई है। चीन से आयातित सामान सस्ता है। जिसके कारण भारत में इसका असर औद्योगिक उत्पादन की इकाइयों और कारोबार पर पड़ रहा है। पिछले 1 साल में लघु और मध्य क्षेत्र की बहुत सारी इकाइयां भारत में बंद हो गई हैं। नवंबर 2023 में औद्योगिक उत्पादन में मात्र 2.5 फ़ीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। नवंबर 2022 में उत्पादन की दर 7.6 फ़ीसदी थी। इतने बड़े पैमाने पर औद्योगिक उत्पादन घटना सभी के लिए चिंता का विषय बन गया है। कुछ माह के पश्चात लोकसभा के चुनाव होने हैं। महंगाई निरंतर बढ़ती जा रही है। विशेष रूप से खाद्य पदार्थों के दाम बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। खाद्य पदार्थों के दाम एक बार बढ़ जाते हैं, उसके बाद कभी कम नहीं होते हैं। जिसके कारण लोगों को अपने परिवार के खान-पान में बहुत सारी चीजों की कटौती करनी पड़ रही है। औद्योगिक उत्पादन घटने से बेरोजगारी की समस्या भी विकराल रूप लेती चली जा रही है। परिवारों में आय कम हो रही है। स्थानीय स्तर पर रोजगार नहीं मिल पा रहा है। मनरेगा के बजट में कटौती हो जाने के कारण मजदूर बेरोजगार हैं। खर्च निरंतर बढ़ रहे हैं, खर्च करने के लिए अब लोगों के पास पैसा भी नहीं है। जिसके कारण लोग हैरान और परेशान हैं। सबसे बड़े आश्चर्य की बात यह है, कि सरकार कहती है, कि महंगाई नहीं है। लोगों के पास पैसा है, लोग पैसा खर्च कर रहे हैं। पैसा नहीं होता, तो खर्च कैसे करते। आम लोगों से जब उनकी परेशानी के बारे में बात की जाती है। वह अपनी बेरोजगारी ओर अपने ऊपर कर्ज का रोना रोते हैं। किसी तरह जीवन यापन करने के लिए आम आदमी विवश है। महंगाई के कारण आए दिन घरों में झगडे होना शुरू हो गये है। इस स्थिति में भी सरकार का ध्यान महंगाई को नियंत्रित करने में नहीं है। यह चिंता का सबसे बड़ा विषय बन गया है। सरकार ने महंगाई को नियंत्रित करने में यदि ध्यान नहीं दिया, तो इसका असर लोकसभा के चुनाव परिणाम पर पड़ना तय माना जा रहा है। केंद्र सरकार को लग रहा है, कि राम मंदिर और हिंदुत्व के मुद्दे पर भाजपा का लोकसभा चुनाव जीतना तय है। अब आम आदमी भी यह कहने लगा है, भूखे पेट भजन ना हो गोपाला। यदि यही स्थिति रही, तो लोकसभा के चुनाव परिणाम आश्चर्यजनक हो सकते हैं।

चन्द्रमा पर आधारित पंचाग के अनुसार जब सूर्य कर्क रेखा से मकर रेखा पर आ जाता है तब उसे सूर्य उत्तरायण कहा जाता है पौष माह के मध्य मे और आधुनिक पंचाग के अनुसार 14 जनवरी के दिन पड़ता है सूर्य के एक राशि से दूसरी राशि मे आने और जाने को सक्रांति कहते है पूरे भारतवर्ष मे यह त्यौहार बड़ी धूमधाम से मनाया जाता रहा है पंजाब मे लोहडी,उत्तर भारत मे मकर-सक्रांति, दक्षिण मे पोंगल,पूर्वीय पर्वतीय भारत मे बिहू के रूप मे मनाया जाता है लोग इस दिन को तिल और खिचडी सक्रांति भी कहते है क्योकि इस दिन के ये प्रशिद्ध पकवान है यह त्यौहार हिन्दू लोगो के लिए बहुत ही शुभ दिन है और इस दिन लोग सुबहे सूर्य निकलने से पूर्व ही ही स्नान करते हुए ही सूर्य देवता की पूजा करते है और संपूर्ण भारत मे हिन्दू लोग भारी संख्या मे पवित्र नदिया मे स्नान करते है और गरीबो के लिए दान और भोजन का प्रबंध करते है

प्यार, एकता व आस्था का त्योहार

मकर सक्रांति

मकर संक्रान्ति भारत के प्रमुख त्यौहारों में से एक है। यह पर्व प्रत्येक वर्ष जनवरी महीने में समस्त भारत में मनाया जाता है। इस दिन से सूर्य उत्तरायण होता है, जब उत्तरी गोलार्ध सूर्य की ओर मुड़ जाता है। परम्परा से यह विश्वास किया जाता है कि इसी दिन सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है। यह वैदिक उत्सव है। इस दिन खिचड़ी का भोग लगाया जाता है। गुड़-तिल, रेवड़ी, गजक का प्रसाद बाँटा जाता है। इस त्यौहार का सम्बन्ध प्रकृति, ऋतु परिवर्तन और कृषि से है। ये तीनों चीजें ही जीवन का आधार हैं। प्रकृति के कारक के तौर पर इस पर्व में सूर्य देव को पूजा जाता है, जिन्हें शास्त्रों में भौतिक एवं अभौतिक तत्वों की आत्मा कहा गया है। इन्हीं की स्थिति के अनुसार ऋतु परिवर्तन होता है और धरती अनाज उत्पन्न करती है, जिससे जीव समुदाय का भरण-पोषण होता है।

संक्रांति का अर्थ

संक्रान्ति का अर्थ है सूर्य का एक राशि से दूसरी राशि में जाना, अत- वह राशि जिसमें सूर्य प्रवेश करता है, संक्रान्ति की संज्ञा से विख्यात है। राशियाँ बारह हैं, यथा मेष, वृषभ, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, वृश्चिक, धनु, मकर, कुम्भ, मीन। मलमास पड़ जाने पर भी वर्ष में केवल 12 राशियाँ होती हैं। प्रत्येक संक्रान्ति पवित्र दिन के रूप में ग्राह्य है। भारत विविधताओं में एकता वाला देश है। यहाँ हर जाति व संस्कृति व धर्म को मानने वाले लोग रहते हैं। हमारे यहाँ कई त्योहार मनाए जाते हैं, जो ईश्वर के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने तथा सामाजिक संबंधों को नई मजबूती प्रदान करने के लिए मनाए जाते हैं। मकर संक्राति भी इन्हीं त्योहारों में से एक है। यह त्योहार इस संपूर्ण सृष्टि में ऊर्जा के प्रमुख स्त्रोत सूर्य की आराधना के पर्व के रूप में भी मनाया जाता है। इस दिन सूर्य सिंह राशि से मकर राशि में प्रवेश करता है। सूर्य के दक्षिणायन से उत्तरायन होने के साथ ही मौसम में परिवर्तन होता है और त्योहार के रूप में खुशियाँ मनाई जाती हैं। कहा जाता है कि इस दिन के बाद हर दिन तिल के बराबर बड़ा होता जाता है।

हर प्रांत हर रंग

भारत के अलग-अलग प्रांतों में इस त्योहार को अलग-अलग ढंग से मनाया जाता है लेकिन इन सभी के पीछे मूल ध्येय एकता, समानता व आस्था दर्शाना होता है। मकर सक्रांति को पोंगल, लोहड़ी, पतंग उत्सव, तिल सक्रांति आदि नामों से भी जाना जाता है। इस दिन पवित्र नदी में स्नान करने का, तिल-गुड़ खाने का तथा सूर्य को देने का अपना एक महत्व है। बचपन की यादें ताजा करने व दोस्तों के साथ फिर से हँसी-ठहाके करने का त्योहार मकर सक्रांति है। गिल्ली-डंडे के खेल के रूप में मौज-मस्ती के एक बहाने के रूप में म.प्र. में यह त्योहार मनाया जाता है। इस त्योहार पर परिवार के बच्चे से लेकर बूढ़े सभी एक साथ गिल्ली-डंडे के इस खेल का आनंद उठाते हैं।

लाल, हरी, नीली, पीली आदि रंग-बिरंगी पतंगें जब आसमान में लहराती हैं तो ऐसा लगता है मानो इन पतंगों के साथ हमारे सपने भी हकीकत की ऊँचाईयों को छू रहे हैं और हम सभी सारे गिले-शिकवे भूलकर एक-दूसरे की पतंगों के पेंच लड़ा रहे हैं। गुजरात में मकर सक्रांति के दिन पतंगबाजी के आयोजन में इसी प्रकार का सांप्रदायिक सद्भाव देखने को मिलता है। यहाँ अलसुबह ही सभी लोग अपने घरों की छतों पर जमा होकर पतंगबाजी करके खु?शी व उल्लास के साथ इस त्योहार का भरपूर लुत्फ उठाते हैं। कहते हैं जिंदगी बहुत छोटी है और यदि हम इस छोटी सी जिंदगी में भी अपनों से बैर पालकर बैठ जाएँ तो जिंदगी का क्या मजा आएगा? इस दिन सभी पुराने गिले-शिकवे भूलाकर तिल-गुड़ से मुँह मीठा कर दोस्ती का एक नया रिश्ता कायम किया जाता है। समूचे महाराष्ट्र में इस त्योहार को रिश्तों की एक नई शुरुआत के रूप में मनाया जाता है। कुछ इसी तरह पंजाब में लोहड़ी के रूप में तो तमिलनाडु में पोंगल के रूप में इस त्योहार को मनाते हुए प्रकृति देवता का नमन किया जाता है।

क्या करें

हमारे धार्मिक आख्यानों के अनुसार मकर संक्राति के दिन हमें ब्रह्म मूहर्त में किसी पवित्र नदी में स्नान कर सूर्य देवता को देना चाहिए। उसके बाद यथोचित दान-धर्म कर अपने ईश्वर का नमन करना चाहिए तथा अपनों के साथ खुशियाँ बाँटकर इस त्योहार को मनाना चाहिए। हर त्योहार हमारे लिए कुछ न कुछ संदेश लेकर आता है। मकर सक्रांति का त्योहार भी हमें भेदभाव भूलाकर एकजुट होने का संदेश देता है। तो क्यों न इस दिन हम सभी एक-दूसरे के साथ प्रेम, आत्मीयता व सम्मान का एक नया रिश्ता कायम करें।

ब्रह्म मुहूर्त में करें स्नान

मकर संक्राति के अवसर पर ब्रह्म मुहूर्त में ही स्नान करना अच्छा माना जाता है। कुछ लोग गंगा जी जाकर स्नान करते हैं तो जो नहीं जा पाते वे घरों में ही पानी में गंगा जल मिलाकर स्नान कर मकर संक्राति का पुण्य प्राप्त कर लेते हैं। इस दिन खिचड़ी का दान किया जाएगा। पूर्व उत्तरप्रदेश में इसे खिचड़ी संक्राति भी कहते हैं। कहा जाता है कि जाड़े के दिनों में जब सूर्य मकर राशि में प्रवेश करता है तो माघ का महीना प्रारंभ हो जाता है। इस महीने उड़द की खिचड़ी एवं रेवड़ी-मूंगफली खाने से शरीर में ऊर्जा बढ़ती है। इस प्रकार यह पर्व प्रकृति परिवर्तन के साथ शरीर का संतुलन बनाए रखने की ओर भी इशारा करता है। उत्तराखंड के लोग इसे घुघुतिया त्योहार भी कहते हैं जिसमें आटे को गुड़ या शहद में तैयार कर शकरपारे बनाए जाते हैं तथा सुबह स्नान करने के बाद काले कौआ काले पूस की रोटी माघ में खाले, के नारे लगाते हुए छोटे-छोटे बच्चे घुघुत को कौआ को बुलाकर खिलाएंगे। भगवान श्रीकृष्ण गीता में कहते हैं समस्त प्रकृतियां, ऋतु एवं महीने सब मुझसे ही पैदा होते हैं। इसलिए भारतीय उपासना पद्धति में प्रत्येक ऋतु, मास, पक्ष, सप्ताह एवं दिन-रात परामात्मा के स्वरूप ही माने गए हैं। इसीलिए हमारी उपासना सनातन उपासना कहलाती है। हर दिन किसी न किसी देवता की उपासना से जुड़ा होने से नित उत्सव का आनंद लोगों को मिलता ही रहता है। साथ ही किसी विशेष पर्व पर होने वाले धार्मिक उत्सव में तो सारा जनमानस एक-साथ आनंद में झूमने लगता है। इसी कड़ी में है लोहड़ी और मकर संक्राति का पर्व जो हमें धार्मिक अनुष्ठान करते हुए प्रकृति से जुड़े रहने का संदेश देता है। इसकी धूम गांव, नगर, शहर हर जगह दिखाई देती है। ज्योतिषियों के अनुसार मकर संक्राति के दिन तिल का उपयोग 6 प्रकार से करना चाहिए। तिल का तेल जल में डालकर स्नान, तिल के तेल की शरीर पर मालिश करके स्नान, तिल का उपयोग हवन सामग्री में, तिलयुक्त जल का सेवन, तिल व गुडयुक्त मिठाई व भोजन का सेवन, तिल का दान करने से शारीरिक, धार्मिक व अन्य लाभ तथा पुण्य प्राप्त होते हैं। इसके अतिरिक्त पूजन में चंदन से अष्टदल का कमल बनाकर उसमें सूर्यदेव का चित्र स्थापित करें। शाम को तिलयुक्त भोजन से अपना व्रत खोलें।

ग्रहों के अनुसार दान कर पाएं सफलता

कहते हैं सौ हाथों से कमाएं और हजार हाथों से खर्च करें तो जिंदगी में आपको कभी किसी भी तरह की कमी का सामना नहीं करना पड़ेगा। मकर सक्रांति पर आपकी जन्मकुंडली में जो ग्रह कमजोर हो उस ग्रह से संबंधित दान देकर ग्रहों के अशुभ प्रभाव को दूर कर अपने भविष्य को उज्जवल बना सकते हैं इससे आपको करियर में सफलता मिलने लगेगी।

सूर्य - माणिक्य, गेहूं, सवत्सा, गाय, लाल वस्त्र, लाल फूल, गुड़, स्वर्ण, तांबा, लाल चंदन, केशर, भूमि, भवन आदि।
चंद्र - टोकरी (बांस की), चावल, कर्पूर, सफेद कपड़ा, मोती, चांदी, दूध, दही, मिश्री, शकर, घी आदि।
मंगल - गेहूं, मसूर, लाल, कपड़ा, गुड़ तांबा, लाल फूल, लाल चंदन, केशर, लाल बैल, भूमि, मूंगा आदि।
बुध - हरा वस्त्र, स्वर्ण, ही मूंग, पन्ना, कस्तूरी आदि।
गुरु - पीला धान्य, पीला कपड़ा, पुखराज, स्वर्ण, चांदी, शकर, शहद, नमक, केसर, वृद्धों की सेवा, हल्दी, घोड़ा।
शुक्र - सफेद घोड़ा, गाय-बछड़े सहित हीरा, इत्र, सेंट, चावल, घी, कर्पूर, सफेद वस्त्र, चंदन, शकर, मिश्री।
शनि - उड़द, तिल, तेल, काली गाय, काला वस्त्र, कंबल, जूता, स्वर्ण, नीलम, चांदी आदि।
राहु - गेहूं, उड़द, गोमेद, काला घोड़ा, तलवार, तेल, लोहा, रत्न, अभ्रक, नीला कपड़ा।
केतु - लहसुनिया, तिल, कंबल, कस्तूरी, चाकू, लोहा, छतरी, सीसा, रागा, बकरा, काला कपड़ा आदि।

मकर संक्रांति कौन से वाहन पर सवार होकर आ रही है, क्या रहेगा उसका प्रभाव?

15 जनवरी 2024 सोमवार के दिन मकर संक्रांति का महापर्व मनाया जाएगा। यह त्योहार संपूर्ण भारत में भिन्न भिन्न नाम और परंपरा के रूप में मनाया जाता है। आओ जानते हैं कि इस बार मकर संक्रांति किस वाहन पर सवार होकर आ रही है और क्या होगा संक्रांति का फल यानी इसका देश दुनिया पर क्या होगा प्रभाव।

मकर संक्रांति कब है 2024?

15 जनवरी 2024 सोमवार को मनाई जाएगी।
मकर संक्रान्ति पुण्य काल- सुबह 07:15 से शाम 05:46 तक।
अवधि- 10 घण्टे 31 मिनट्स
मकर संक्रान्ति महा पुण्य काल- सुबह 07:15 से 09:00 तक।
अवधि- 01 घण्टा 45 मिनट्स।
मकर संक्रान्ति का क्षण- 02:54 एएम।

मकर संक्रांति का वाहन

साल 2024 में मकर संक्रांति का वाहन अश्व है।
मकर संक्रांति पर सूर्य देव अश?व पर सवार होकर आ रहे हैं।
सूर्यदेव का उपवाहन होगा सिंह।
इस बार की संक्रांति का स्वरूप काले वस्त्र धारण किए हुए हैं जो शनिदेव का रंग है।
मकर राशि के स्वामी भी शनि है।
मकर संक्रांति का आगमन दक्षिण दिशा से और गमन उत्तर दिशा से होगा।
मकर संक्रांति को देवी के रूप में भी पूजा जाता है।
यह देवी माथे पर हल्दी का तिलक लगाए और स्वर्ण आभूषण धारण किए हैं।

दक्षिण भारत का छठ है पोंगल

दक्षिण में मकर संक्राति को पोंगल के रूप में मनाया जाता है। सौर पंचांग के अनुसार यह पर्व महीने की पहली तारीख को आता है। पोंगल विशेष रूप से किसानों का पर्व है। पोंगल सामान्यतः तीन दिन तक मनाया जाता है। पहले दिन कूड़ा-करकट एकत्र कर जलाया जाता है, दूसरे दिन लक्ष्मी की पूजा होती है और तीसरे तीन पशु धन की। पोंगल के दिन स्नान करके खुले आँगन में मिट्टी के नए बर्तन में खीर बनाई जाती है, जिसे पोंगल कहते हैं। इसके बाद सूर्य भगवान को नैवेद्य चढ़ाया जाता है। तब खीर को प्रसाद रूप में सब लोग ग्रहण करते हैं। इस दिन बेटी और दामाद का घर पर स्वागत किया जाता है। तीसरे दिन किसान अपने पशुओं को खूब अच्छी तरह सजाकर जुलूस निकालते हैं। कन्याओं के लिए यह हर्षोल्लास का पर्व है।

मकर संक्रांति को देश में कई नामों से जाना जाता है. जहां उत्तर भारत में इसे खिचड़ी के नाम से जानते हैं वहीं दक्षिण भारत में इसे पोंगल कहा जाता है. पोंगल तमिल हिन्दुओं का एक प्रमुख त्यौहार है. यह त्यौहार हमारे दक्षिण भारत की संस्कृति को दुनिया के सामने रखता है. पोंगल का महत्व दक्षिण भारतीयों के लिए उसी तरह है जैसा उत्तर भारतीयों के लिए छठ पर्व.

आखिर कैसे पड़ा नाम पोंगल

इस त्यौहार का नाम पोंगल इसलिए है क्योंकि इस दिन सूर्य देव को जो प्रसाद अर्पित किया जाता है वह पोगल कहलता है. तमिल भाषा में पोंगल का एक अन्य अर्थ निकलता है अच्छी तरह उबालना. दोनों ही रूपों में देखा जाए तो बात निकल कर यह आती है कि अच्छी तरह उबाल कर सूर्य देवता को प्रसाद भोग लगाना सबसे जरूरी है.

पोंगल पर्व मनाने का कारण

पोंगल मकर संक्रांति का ही एक रूप है. जिस तरह लोहड़ी और मकर संक्रांति फसलों से जुड़े हैं यह पर्व भी फसलों से ही संबंधित है. जनवरी महीने तक तमिलनाडु की मुख्य फसल गन्ना व धान पककर तैयार हो जाती है. जब किसान अपने खेतों में लहलहाती फसलों को देखता है तो वह भगवान के प्रति अपना आभार व्यक्त करने के लिए पोंगल का त्यौहार मनाता है. पोंगल के त्यौहार में मुख्य रूप से बैल की पूजा की जाती है क्योंकि बैल के माध्यम से किसान अपनी जमीन जोतता है और साथ ही भगवान को नई फसल का भोग लगाया जाता है.

छठ जैसी पवित्रता

जिस तरह बिहार समेत उत्तर भारत के लोग छठ मनाते हैं, वैसी ही पवित्रता के साथ दक्षिण भारत में पोंगल मनाया जाता है. इसमें दीपावली की रस्म भी पूरी की जाती है.

तीन दिन का पर्व पोंगल

पोंगल सामान्यतः तीन दिन तक मनाया जाता है. पहले दिन कूड़ा-करकट एकत्र कर जलाया जाता है, दूसरे दिन लक्ष्मी की पूजा होती है और तीसरे दिन पशु धन की.
पोंगल पर्व का आरंभ 'बोगी पोंगल' से होता है, तो समापन 'कानुम पोंगल' से होता है. सूर्य देव की आराधना पर आधारित इस पर्व के लिए मायके से चावल, गुड़, घी आदि से आता है. मकर संक्रांति के एक दिन पहले बोगी पोंगल को घर की साफ-सफाई कर कचरे को घर के बाहर जलाया जाता है. इसके बाद आंगन में बहुत बड़ी रंगोली बनाई जाती है. 14 जनवरी को मिट्टी के नए बर्तन को मिट्टी के चूल्हे पर चढ़ाया जाता है जिसमें संयुक्त परिवार की महिलाएं अपने-अपने मायके से आए चावल, गुड़ और घी डालती हैं. जब मीठा चावल तैयार हो जाता है, तो छत पर पुरुष सदस्य सूर्य देव की पूजा करते हैं. इसी क्रम में दूध को उबाला जाता है. आमतौर पर उबलते हुए दूध का बर्तन से गिरना अशुभ माना जाता है, लेकिन पोंगल में इसे शुभ माना जाता है. दक्षिण के अलावा किसी भी दिशा में दूध उबलकर गिरता है तो उसे प्रणाम किया जाता है. मान्यता है कि ऐसा होने से पूरे वर्ष उनके घर सुख-समृद्धि बनी रहेगी. उस दिन पोंगल (खिचड़ी) के अलावा दही बड़ा अवश्य बनता है, जिसे महिलाएं नई हल्दी का लेप लगाकर स्नान करने के बाद ग्रहण करती हैं. तीसरे दिन कानुम पोंगल में लोग एक-दूसरे के घर जाते हैं. विवाहित महिलाएं लड़कियों को हल्दी का तिलक लगाकर आशीर्वाद देती हैं. इसी दिन चावल को अलग-अलग रंग में रंगकर घर के बाहर रखा जाता है, ताकि चिड़ियां उसे खाएं. तीनों दिन गन्ना जरूर खाया जाता है. यह त्यौहार भारतीय संस्कृति की पहचान है. माना कि समय के साथ इसमें थोड़ा-बहुत बदलाव आया है, लेकिन नियम-पवित्रता से कोई समझौता नहीं किया जाता है.

त्योहारों को पूर्णता देता है पोंगल

पोंगल अर्थात् खिचड़ी का त्योहार सूर्य के उत्तरायण होने के पुण्यकाल में मनाया जाता है। खुले आँगन में हल्दी की जड़ की गाँठ को पीले धागे में पिरोकर पीतल या मिट्टी की हाँडी की गर्दन में बाँधकर उसमें चावल एवं मूँग की दाल की खिचड़ी पकाते हैं। उसमें उफान आने पर दूध व घी डाला जाता है। उफान आते ही घर के सभी सदस्य गाजे-बाजे के साथ पोंगल - पोंगल की आवाज़ लगाकर खुशी प्रकट करते हैं। वह उफान सुख और समृद्धि का परिचायक है। लोग एक-दूसरे के सुख व समृद्धि की कामना करते हैं। गन्ने के साथ सूर्यदेव की पूजा की जाती है। इस दिन आग पर हाँडी चढ़ाने का विशेष मुहूर्त होता है, जिसे देखकर हाँडी को आग पर चढ़ाया जाता है। उबलता हुआ दूध जब पात्र में से गिरने लगता है, तो उसे समृद्धशाली कृषि ऋतु का प्रतीक माना जाता है। हल्दी के पौधे की छोटी-छोटी टहनियों को बर्तनों के चारों ओर बाँधा जाता है तथा उसके साथ-साथ सूर्य व चन्द्रमा की आकृतियाँ बनाई जाती हैं। सभी अपने मित्रों व सगे-सम्बन्धियों से मिलते हैं तथा मिठाइयों की भेंट देते हैं। पोंगल के समय गन्ने की फ़सल तैयार हो चुकी होती है तथा गन्ना सभी हाट-बाज़ारों में खूब बिकता है। जगह-जगह बच्चे गन्ना चूसते नज़र आते हैं।

रिश्तों की मधुरता का त्योहार लोहड़ी

लोहड़ी उत्तर भारत का एक प्रसिद्ध त्योहार है। यह मकर संक्रान्ति के एक दिन पहले मनाया जाता है। मकर संक्रान्ति की पूर्वसंध्या पर इस त्यौहार का उल्लास रहता है। रात्रि में खुले स्थान में परिवार और आस-पड़ोस के लोग मिलकर आग के किनारे घेरा बना कर बैठते हैं। इस समय रेवड़ी, मूंगफली, लावा आदि खाए जाते हैं। लोहड़ी पौष के अंतिम दिन, सूर्यास्त के बाद (माघ संक्राति से पहली रात) यह पर्व मनाया जाता है। यह प्रायः 12 या 13 जनवरी को पड़ता है। यह मुख्यतः पंजाब का पर्व है।
लोहड़ी से संबद्ध परंपराओं एवं रीति-रिवाजों से ज्ञात होता है कि प्रागैतिहासिक गाथाएँ भी इससे जुड़ गई हैं। दक्ष प्रजापति की पुत्री सती के योगाग्नि-दहन की याद में ही यह अग्नि जलाई जाती है। इस अवसर पर विवाहिता पुत्रियों को माँ के घर से त्योहार (वस्त्र, मिठाई, रेवड़ी, फलादि) भेजा जाता है। यज्ञ के समय अपने जामाता शिव का भाग न निकालने का दक्ष प्रजापति का प्रायश्चित ही इसमें दिखाई पड़ता है।
लोहड़ी से 20-25 दिन पहले ही बालक एवं बालिकाएँ लोहड़ी के लोकगीत गाकर लकड़ी और उपले इकट्ठे करते हैं। संचित सामग्री से चौराहे या मुहल्ले के किसी खुले स्थान पर आग जलाई जाती है। मुहल्ले या गाँव भर के लोग अग्नि के चारों ओर आसन जमा लेते हैं। घर और व्यवसाय के कामकाज से निपटकर प्रत्येक परिवार अग्नि की परिक्रमा करता है। रेवड़ी (और कहीं कहीं मक्की के भुने दाने) अग्नि की भेंट किए जाते हैं तथा ये ही चीजें प्रसाद के रूप में सभी उपस्थित लोगों को बाँटी जाती हैं। घर लौटते समय लोहड़ी में से दो चार दहकते कोयले, प्रसाद के रूप में, घर पर लाने की प्रथा भी है। जिन परिवारों में लड़के का विवाह होता है अथवा जिन्हें पुत्रप्राप्ति होती है, उनसे पैसे लेकर मुहल्ले या गाँव भर में बच्चे ही बराबर बराबर रेवड़ी बाँटते हैं। लोहड़ी के दिन या उससे दो चार दिन पूर्व बालक बालिकाएँ बाजारों में दुकानदारों तथा पथिकों से मोहमाया या महामाई (लोहड़ी का ही दूसरा नाम) के पैसे माँगते हैं, इनसे लकड़ी एवं रेवड़ी खरीदकर सामूहिक लोहड़ी में प्रयुक्त करते हैं।
शहरों के शरारती लड़के दूसरे मुहल्लों में जाकर लोहड़ी से जलती ह ु ई लकड़ी उठाकर अपने मुहल्ले की लोहड़ी में डाल देते हैं। यह लोहड़ी व्याहना कहलाता है। कई बार छीना झपटी में सिर फुटौवल भी हो जाती है। मँहगाई के कारण पर्याप्त लकड़ी और उपलों के अभाव में दुकानों के बाहर पड़ी लकड़ी की चीजें उठाकर जला देने की शरारतें भी चल पड़ी हैं।
लोहड़ी का त्यौहार पंजाबियों तथा हरयानी लोगो का प्रमुख त्यौहार माना जाता है। यह लोहड़ी का त्यौहार पंजाब, हरियाणा , दिल्ली, जम्मू काश्मीर और हिमांचल में धूम धाम तथा हर्षो लाश के साथ मनाया जाता हैं। यह त्यौहार मकर संक्राति से एक दिन पहले 13 जनवरी को हर वर्ष मनाया जाता हैं।
लोहड़ी त्यौहार के उत्पति के बारे में काफी मान्यताएं हैं जो की पंजाब के त्यौहार से जुडी हुई मानी जाती हैं। लोहड़ी का त्यौहार पंजाबियों तथा हरयानी लोगो का प्रमुख त्यौहार माना जाता है। यह लोहड़ी का त्यौहार पंजाब, हरियाणा , दिल्ली, जम्मू काश्मीर और हिमांचल में धूम धाम तथा हर्षो लाश के साथ मनाया जाता हैं। यह त्यौहार मकर संक्राति से एक दिन पहले 13 जनवरी को हर वर्ष मनाया जाता हैं। लोहड़ी त्यौहार के उत्पति के बारे में काफी मान्यताएं हैं जो की पंजाब के त्यौहार से जुडी हुई मानी जाती हैं। कई लोगो का मानना हैं की यह त्यौहार जाड़े की ऋतू के आने का द्योतक के रूप में मनाया जाता हैं।
आधुनिक युग में अब यह लोहड़ी का त्यौहार सिर्फ पंजाब, हरियाणा , दिल्ली, जम्मू काश्मीर और हिमांचल में ही नहीं अपितु बंगाल तथा उड़िया लोगो द्वारा भी मनाया जा रहा हैं!

दुल्ला भट्टी की कहानी

लोहड़ी को दुल्ला भट्टी की एक कहानी से भी जोड़ा जाता हैं। लोहड़ी की सभी गानों को दुल्ला भट्टी से ही जुड़ा तथा यह भी कह सकते हैं की लोहड़ी के गानों का केंद्र बिंदु दुल्ला भट्टी को ही बनाया जाता हैं। दुल्ला भट्टी मुग़ल शासक अकबर के समय में पंजाब में रहता था। उसे पंजाब के नायक की उपाधि से सम्मानित किया गया था! उस समय संदल बार के जगह पर लड़कियों को गुलामी के लिए बल पूर्वक अमीर लोगों को बेच जाता था जिसे दुल्ला भट्टी ने एक योजना के तहत लड़कियों को न की मुक्त ही करवाया बल्कि उनकी शादी की हिन्दू लडको से करवाई और उनके शादी के सभी व्यवस्था भी करवाई। दुल्ला भट्टी एक विद्रोही था और जिसकी वंशवली भट्टी राजपूत थे। उसके पूर्वज पिंडी भट्टियों के शासक थे जो को संदल बार में था अब संदल बार पकिस्तान में स्थित हैं। वह सभी पंजाबियों का नायक था।

लोहड़ी सिख परिवारों के लिए बहुत महत्वपूर्ण त्योहार है। लोहड़ी मकर संक्राति के एक दिन पहले मनाया जाता है। हर साल 13 जनवरी को पंजाबी परिवारों में विशेष उत्साह होता है। यह उत्साह तब और बढ़ जाता है यदि घर में बहू या फिर बच्चे के जन्म की पहली लोहड़ी हो।

मोबाइल पुर्जों पर आयात शुल्क से घटा पीएलआई का लाभ

- मोबाइल में इस्तेमाल होने वाली सामग्री 8 से 10 प्रतिशत हो जाती है महंगी

नई दिल्ली । भारत में मोबाइल फोन बनाने में उपयोग होने वाले प्रमुख पुर्जों और सामान पर ज्यादा शुल्क लगने से स्थानीयकरण प्रभावित हुआ है। जिससे उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना का फायदा खत्म हो गया है। इन वजहों से चीन और वियतनाम जैसे देशों की तुलना में भारत से मोबाइल निर्यात कम प्रतिस्पर्धी रह गया है। इंडियन सेलुलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन (आईसीईए) के आयात शुल्क और उसके असर पर किए गए एक तुलनात्मक अध्ययन के मुताबिक मौजूदा शुल्क के कारण मोबाइल में इस्तेमाल होने वाली सामग्री 8 से 10 प्रतिशत महंगी हो जाती है और मोबाइल उपकरण की कुल लागत 5 से 7 प्रतिशत बढ़ जाती है। इससे पीएलआई योजना के तहत मिलने वाला लाभ 4 से 6 प्रतिशत निष्प्रभावी हो जाता है। ज्यादा शुल्क से स्थानीयकरण में भी मदद नहीं मिल पा रही है, जो सरकार का मुख्य मकसद है। सरकार ने वित्त वर्ष 27 तक 40 प्रतिशत मूल्यवर्धन का लक्ष्य रखा है। इस समय मोबाइल फोन में इस्तेमाल होने वाले 54 प्रतिशत कंपोनेंट और सब एसेंबली का आयात होता है। इस पर 10 प्रतिशत से 25 प्रतिशत के बीच शुल्क लगता है। इसके विपरीत चीन में 60 प्रतिशत कंपोनेंट के आयात पर 5 प्रतिशत या इससे कम शुल्क लगता है, जबकि किसी कंपोनेंट के आयात पर 10 प्रतिशत से ज्यादा शुल्क नहीं लगता है। इसके अलावा भारत का औसत मोस्ट फेवर्ड नेशन (एमएफएन) शुल्क 8.5 प्रतिशत है, जो चीन के 3.7 प्रतिशत से बहुत ज्यादा है। वहीं वियतनाम के मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के कारण भारित औसत शुल्क दर 0.7 प्रतिशत रह जाता है, जो भारत में 6.8 प्रतिशत है। अध्ययन के मुताबिक डिस्प्ले असेंबली और कैमरा मॉड्यूल का बिल संयुक्त रूप से मोबाइल फोन की सामग्री के कुल बिल का 23.5 प्रतिशत होता है। इन दोनों का भारत में स्थानीयकरण 25 प्रतिशत है, जबकि चीन में इनका स्थानीयकरण क्रमशः 75 प्रतिशत और 95 प्रतिशत है। इन कंपोनेंट पर भारत में 2016 से 2021 के बीच 11 प्रतिशत वृद्धि हुई है।

विप्रो का कमजोर आय अनुमान, 2,700 करोड़ का मुनाफा हुआ

नई दिल्ली । आईटी दिग्गज कंपनी विप्रो ने मार्च 2024 की चौथी तिमाही के लिए राजस्व में स्थिर मुद्रा में 1.5 फीसदी गिरावट से लेकर 0.5 फीसदी तक की कमजोर बढ़त का अनुमान लगाया है। सौदों की मंजूरी और ग्राहकों के निर्णय लेने में अपेक्षित गति अभी नहीं आ पाई है। कंपनी के अधिकारियों ने संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा कि दूसरी तिमाही का मार्जिन पिछली कुछ तिमाहियों की तरह सीमित दायरे में रह सकते हैं। बेंगलूरु की आईटी कंपनी विप्रो ने दिसंबर में खत्म हुई तीसरी तिमाही के दौरान 2,700 करोड़ रुपए का लाभ दर्ज किया। हालांकि, यह एक साल पहले की तुलना में 12 फीसदी कम है मगर पिछली तिमाही के मुकाबले 1.2 फीसदी और ब्लूमबर्ग के अनुमान 2,685 करोड़ रुपए से अधिक है। दिसंबर तिमाही का राजस्व पिछले साल की समान अवधि की तुलना में 4 फीसदी कम होकर 22,205 करोड़ रुपए रह गया जो ब्लूमबर्ग के राजस्व अनुमान 22,293 करोड़ रुपए से भी थोड़ा कम है। क्रमिक आधार पर कंपनी का राजस्व 1.4 फीसदी कम हुआ है। बैंकिंग, वित्तीय सेवा और बीमा (बीएफएसआई), उपभोक्ता तथा विनिर्माण जैसे प्रमुख क्षेत्रों में मंदी के कारण राजस्व में गिरावट आई है। कुल अनुबंध मूल्य (टीसीवी) में 90 करोड़ डॉलर के बड़े सौदे के कारण डॉलर में आईटी सेवा का राजस्व सालाना आधार पर 6.9 फीसदी और स्थिर मुद्रा में क्रमिक रूप से 1.7 फीसदी घटकर 2.66 अरब डॉलर हो गया।

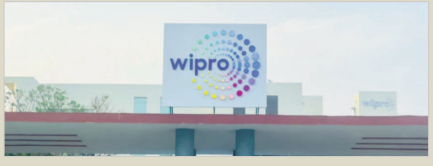

टाटा ने फोर्ड इंडिया संयंत्र से कारों का उत्पादन शुरू किया

चेन्नई ।

टाटा मोटर्स लिमिटेड की सहायक कंपनी टाटा पैसेंजर इलेक्ट्रिक मोबिलिटी लिमिटेड (टीपीईएम) ने बताया कि गुजरात के साणंद1 में अपने नए प्लांट में टाटा बैज वाली पहली कार तैयार की है। यह प्लांट पिछले साल फोर्ड इंडिया से टाटा समूह द्वारा खरीदा गया था। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड और टीपीईएम के प्रबंध निदेशक शैलेश चंद्र ने कहा, साणंद में नई टीपीईएम सुविधा की पहली कार को देखना हमारे लिए गर्व का क्षण है। हमारी पूरी टीम ने 12 महीने की सबसे कम अवधि में कारखाने को सफलतापूर्वक फिर से तैयार किया है, मौजूदा उत्पादों और भविष्य की एक विस्तृत श्रृंखला को समायोजित करने के लिए इस नए स्तर पर ले गए हैं। नए मॉडल आने वाले हैं। टाटा मोटर्स के अधिकारी चंद्रा के अनुसार, नई सुविधा की विनिर्माण क्षमता तीन लाख यूनिट प्रति वर्ष होगी, इस बढ़ाकर चार लाख 20 हजार यूनिट प्रति वर्ष किया जाएगा। 460 एकड़ में फैली नई सुविधा, आंतरिक दहन इंजन (आईसीई) और इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) मॉडल बनाने के लिए गुजरात में टाटा मोटर्स का दूसरा संयंत्र होगा। फोर्ड इंडिया से अधिग्रहण के बाद, संयंत्र में बड़े पैमाने पर नए उपकरण लगाए गए हैं और उन्नयन किया गया है। कंपनी के बयान में कहा गया है कि संयंत्र में वर्तमान में एक हजार से अधिक कर्मचारी (तकनीशियन के साथ) हैं और उत्पादन बढ़ाने की योजना के अनुरूप, क्षेत्र में अगले तीन-चार महीने में एक हजार अतिरिक्त नौकरियां पैदा होगी। फोर्ड इंडिया ने अपना गुजरात संयंत्र टीपीईएम को 725.70 करोड़ रुपये में बेच दिया था। साणंद में संयंत्र में संपूर्ण भूमि और भवन, वाहन विनिर्माण संयंत्र, इसकी मशीनरी और उपकरण और फोर्ड इंडिया के

वाहन निर्माण कार्यों के सभी पात्र कर्मचारियों का स्थानांतरण शामिल है। फोर्ड इंडिया टीपीईएम से पावरट्रेन विनिर्माण संयंत्र की भूमि और इमारतों को पट्टे पर लेकर अपनी पावरट्रेन विनिर्माण सुविधा का संचालन कर रही है।

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 5.9 अरब डॉलर घटा

मुंबई । आरबीआई के जारी आंकड़ों के मुताबिक, 5 जनवरी को समाप्त सप्ताह के दौरान देश का विदेशी मुद्रा भंडार 5.9 अरब डॉलर घटकर 617.30 अरब डॉलर रह गया। लगातार सात सप्ताह में 32.9 अरब डॉलर बढ़ने के बाद विदेशी मुद्रा भंडार में पहली गिरावट है। इसके पहले 29 दिसंबर 2023 को समाप्त सप्ताह में यह 22 महीने के शीर्ष पर रहा था। एक मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार आरबीआई को रुपये में अस्थिरता को नियंत्रित करने में मदद करता है। केंद्रीय बैंक रुपये को दबाव में आने से रोकने के लिए अधिक डॉलर जारी करके हाजिर और वायदा मुद्रा बाजारों में हस्तक्षेप करता है।

दास ने बैंक प्रणाली में बदलाव का श्रेय नियामकीय कदमों को दिया

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने पिछले चार-पांच वर्षों में बैंक प्रणाली में व्यापक बदलाव का श्रेय केंद्रीय बैंक के समयबद्ध एवं सक्रिय विवेक-सम्मत नियामकीय कदमों को दिया है। दास ने यहां बैंकिंग और वित्तीय प्रणाली पर आयोजित एक संगोष्ठी में कहा कि देश का बैंक क्षेत्र मार्च, 2018 तक रिकॉर्ड मात्रा में फंसे कर्ज समेत कई मुद्दों से घिरा हुआ था। उस समय बैंकों का सकल गैर-निष्पादित संपत्ति (एनपीए) लगभग 11 प्रतिशत था और संपत्ति एवं इक्विटी पर रिटर्न नकारात्मक था। उन्होंने कहा कि जून 2018 तक 11 बैंक आरबीआई की त्वरित उपचारात्मक कार्रवाई (पीसीए) में रखे गए थे लेकिन अब एक भी बैंक इसमें शामिल नहीं है। उन्होंने कहा कि समय पर और सक्रिय नीति और नियामकीय कदमों ने बैंकों को स्वस्थ बहीखाते के साथ वापस आने में मदद की। दास ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में आरबीआई ने नियामक और निगरानी मोर्चों पर कई पहल की हैं। इस दौरान बैंकों ने खुद भी अपने आंतरिक रक्षा तंत्र को मजबूत करके इन चुनौतियों का जवाब दिया। इस वजह से बैंकिंग प्रणाली में क्रमिक और लगातार बदलाव आया है। उन्होंने कहा कि बैंकों के सभी प्रमुख संकेतक पूंजी पर्याप्तता, संपत्ति की गुणवत्ता और लाभप्रदता में पिछले चार वर्षों में सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि ऋण वृद्धि अब व्यापक है और बैंकों और गैर-बैंकों के मजबूत बुनियादी सिद्धांतों द्वारा समर्थित है। दास ने कहा कि कुल मिलाकर हमारा बैंक क्षेत्र हाल के वर्षों की अभूतपूर्व चुनौतियों से मजबूत होकर उभरा है।

सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी से ज्यादा तेजी रही

मुंबई ।

वैश्विक बाजारों से मिलेजुले संकेतों की वजह से सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सपाट स्तर पर खुलने वाले घरेलू शेयर बाजार सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को तेजी के साथ बंद हुए। साप्ताहिक आधार पर बीते सप्ताह सेंसेक्स में 1.18 और निफ्टी में 1.14 फीसदी की तेजी दर्ज की गई। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को घरेलू शेयर बाजार में सपाट शुरुआत के बाद बिकवाली दिखी। सेंसेक्स और निफ्टी मामूली बढ़त के साथ खुले पर बिकवाली के कारण जल्द ही लाल निशान में आ आ गए। बंबई स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का 30 शेयरों पर आधारित संवेदी सूचकांक सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 68.52 अंकों की तेजी के साथ 72,094.67 पर खुला और 670.93 अंकों की गिरावट के साथ 71,355.22 पर बंद हुआ। जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का 50 शेयरों पर आधारित संवेदी सूचकांक निफ्टी 23.85 अंकों की तेजी के साथ 21,734.65 पर खुला और 197.80 अंक फिसलकर 21,513.00 के स्तर पर बंद हुआ। सकारात्मक वैश्विक संकेतों और आईटी, आईटी, ऑटो और बैंकिंग सेक्टर के शेयरों में मजबूत खरीदारी से भारतीय बेंचमार्क इंडेक्स मंगलवार को मजबूती के साथ कारोबार करते दिखे। बीएसई सेंसेक्स 458.13 की बढ़त के साथ 71,813 पर खुला और 30.99 अंकों की बढ़त के साथ 71,386.21 पर बंद हुआ। निफ्टी इंडेक्स 141.25 अंक मजबूत होकर 21,654 पर खुला और 31.85 अंकों की मजबूती के साथ 21,544.85 पर बंद हुआ। भारतीय बेंचमार्क इक्विटी इंडेक्स हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को सपाट खुले फिसलते दिखाई दिए। बीएसई सेंसेक्स 26 अंक की बढ़त के साथ 71,412 पर खुला और 271.50 अंकों की बढ़त के साथ 71,657.71 पर बंद हुआ। निफ्टी 9 अंक की

बढ़त के साथ 21,553 पर खुला और 73.86 अंकों की मजबूती के साथ 21,618.70 पर बंद हुआ। गुरुवार को बीएसई सेंसेक्स 284 अंक की बढ़त के साथ 71,942 पर खुला और 63.47 अंकों की बढ़त के साथ 71,721.18 पर बंद हुआ। निफ्टी 88 अंकों की तेजी के साथ 21,706 पर खुला और 28.50 अंक चढ़कर 21,647.20 पर बंद हुआ। बैंकिंग और आईटी कंपनियों के शेयरों की अगुवाई में भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में बढ़त के साथ खुले। सेंसेक्स 797.38 अंकों की तेजी के साथ 72,518.56 पर खुला और 847.27 अंक (1.18 फीसदी) की बढ़त के साथ 72,568.45 पर बंद हुआ। निफ्टी 95 अंकों की तेजी के साथ 21,742 पर खुला और 247.35 अंकों (1.14 फीसदी) की बढ़त के साथ 21,894.55 पर बंद हुआ।

दवा कंपनी जायडस समूह गुजरात में 5,000 करोड़ का निवेश करेगी

गांधीनगर ।

दवा कंपनी जायडस समूह ने गुजरात में 5,000 करोड़ रुपये के निवेश की योजना की घोषणा की है। समूह के चेयरमैन पंकज पटेल ने यहां आयोजित 10वें वाइब्रेंट गुजरात वैश्विक शिखर सम्मेलन में कहा कि उनके समूह ने निवेश के लिए राज्य के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। हमने 5,000 करोड़ रुपये से अधिक राशि के एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। हम स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र के अगली पीढ़ी के जैव प्रौद्योगिकी उत्पादों, नई चिकित्सकीय उपकरण पहल और अस्पतालों में निवेश करेंगे। पटेल ने कहा कि वह शुरुआत से ही द्विवार्षिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेते रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का जरूरत के समय व्यवसाय की मदद करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि कारोबार को एक दूरदृष्टि वाले नेतृत्व की जरूरत थी जो उसे बड़ा सोचने के लिए प्रेरित करे जो कि गुजरात में पेश किया जाता है। इससे पहले नायरा एनर्जी के रिफाइनरी प्रमुख प्रसाद पणिक्कर ने कहा कि कंपनी वाडिनार में अपनी रिफाइनरी का विस्तार करेगी और देश में अपने खुदरा नेटवर्क को 50 प्रतिशत तक बढ़ाएगी। उन्होंने कहा कि शिखर सम्मेलन के 2019 संस्करण में जिस संयंत्र में 80 करोड़ अमेरिकी डॉलर के निवेश की घोषणा की गई थी, वह कुछ महीनों में चालू हो जाएगा।

रिजर्व बैंक ने तीन बैंकों पर लगाया 2.49 करोड़ का जुर्माना

मुंबई ।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नियामक मानदंडों के उल्लंघन के लिए धनलक्ष्मी बैंक और पंजाब एंड सिंध बैंक सहित तीन बैंकों पर कुल 2.49 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। आरबीआई ने कहा कि ऋण और अग्रिम वैधानिक और अन्य प्रतिबंध, केवाईसी और जमा पर ब्याज दर से संबंधित मानदंडों के कुछ निर्देशों का पालन न करने के लिए धनलक्ष्मी बैंक पर 1.20 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। इसके अलावा ऋण और अग्रिम वैधानिक और अन्य प्रतिबंध' पर कुछ निर्देशों का पालन न करने के लिए पंजाब एंड सिंध बैंक पर एक करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है। केंद्रीय बैंक ने बैंकों में ग्राहक सेवा पर जारी निर्देशों का पालन न करने के लिए ईएसएएफ स्मॉल फाइनेंस बैंक पर 29.55 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है।

खुदरा मुद्रास्फीति दिसंबर में चार महीनों के उच्च स्तर पर

नई दिल्ली ।

सब्जियों की कीमतें बढ़ने से दिसंबर में खुदरा मुद्रास्फीति बढ़कर चार महीनों के उच्च स्तर 5.69 प्रतिशत पर पहुंच गई, वहीं देश का औद्योगिक उत्पादन नवंबर में आठ महीनों के निचले स्तर 2.4 प्रतिशत पर आ गया। राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (एनएसओ) की तरफ से जारी इन आंकड़ों से खुदरा मुद्रास्फीति बढ़ने और उत्पादन गतिविधियों में सुस्ती आने की तस्वीर सामने आई। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) पर आधारित खुदरा मुद्रास्फीति दिसंबर के महीने में दालों, सब्जियों एवं मसालों की कीमतें बढ़ने से 5.69 प्रतिशत पर पहुंच गई। यह नवंबर में 5.55 प्रतिशत और दिसंबर, 2022 में 5.72 प्रतिशत थी। खुदरा महंगाई दर बढ़ने के पीछे खाने-पीने की चीजों की कीमतों में बढ़ोतरी की अहम भूमिका रही। खाद्य वस्तुओं की खुदरा मुद्रास्फीति दिसंबर, 2023 में बढ़कर 9.53 प्रतिशत हो गई जो इससे पिछले महीने 8.7 प्रतिशत और दिसंबर, 2022 में 4.19 प्रतिशत थी। इसके पहले बीते साल अगस्त में खुदरा मुद्रास्फीति 6.83 प्रतिशत के उच्च स्तर पर पहुंच गई थी। वहीं देश का औद्योगिक उत्पादन नवंबर, 2023 में 2.4 प्रतिशत बढ़ा जो चालू वित्त वर्ष में सबसे कम है। अक्टूबर में यह 11.6 प्रतिशत रहा था, जबकि नवंबर, 2022 में यह 7.6 प्रतिशत रहा था। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) का पिछला निम्न स्तर मार्च, 2023 में 1.9 प्रतिशत रहा था। नवंबर में औद्योगिक उत्पादन में गिरावट के पीछे विनिर्माण क्षेत्र की सुस्ती की अहम भूमिका रही। विनिर्माण क्षेत्र घटकर 1.2 प्रतिशत, बिजली क्षेत्र 5.8 प्रतिशत एवं खनन उत्पादन 6.8 प्रतिशत पर आ गया। उपभोग पर आधारित वर्गीकरण के अनुसार पूंजीगत उत्पाद खंड में इस साल नवंबर में 1.1 प्रतिशत की गिरावट आई जबकि एक साल पहले इसी महीने में इसमें 20.7 प्रतिशत की उच्च वृद्धि रही थी। आलोच्य अवधि में टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं के उत्पादन में 5.4 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई जबकि एक साल पहले इसमें पांच प्रतिशत की वृद्धि हुई थी। गैर-टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं का उत्पादन भी एक साल पहले के 10 प्रतिशत वृद्धि के मुकाबले नवंबर, 2023 में 3.6 प्रतिशत घट गया।

किआ की प्रीमियम कॉम्पैक्ट एसयूवी नई सॉनेट 7.99 लाख से शुरू

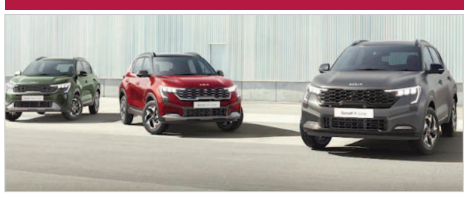

मुंबई ।

कार निर्माता किआ ने अपनी सबसे प्रीमियम कॉम्पैक्ट एसयूवी नई सॉनेट को देश भर में 7.99 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) से शुरू होने वाली विशेष प्रारंभिक कीमत पर पेश की है। दिसंबर 2023 में पेश किए गए किआ के दूसरे सबसे ज्यादा बिकने वाले इनोवेशन के इस नवीनतम संस्करण में 25 सुरक्षा सुविधाएं दी गई है, जिसमें 10 ऑटोनॉमस सुविधाओं वाला उत्कृष्ट एडैस और मजबूत 15 हाई-सेफ्टी विशेषताएं शामिल हैं। इस वाहन में 70 से अधिक कनेक्टेड कार सुविधाएं हैं। नई सॉनेट 19 अलग-अलग वेरिएंट में अपनी उपलब्धता के साथ विविध प्रकार के ड्राइविंग अनुभव प्रदान करती है, जिसमें 9.79 लाख रुपये से शुरू होने वाले 5 डीजल मैनुअल वेरिएंट भी शामिल हैं। 10 ऑटोनॉमस फंक्शन की विशेषता वाला सेगमेंट का बेस्ट एडैस लेवल 1, डीजल और पेट्रोल दोनों इंजन के लिए टॉप-ऑफ-द-लाइन वेरिएंट में उपलब्ध है। पेट्रोल में जीटी लाइन और एक्स-लाइन वेरिएंट की कीमत क्रमशः 14.50 और 14.69 लाख रुपये और डीजल की कीमत 15.50 और 15.69 लाख रुपये है। सुरक्षित ड्राइविंग अनुभव देने के लिए इसमें 6 एयरबैग, इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल और व्हीकल स्टेबिलिटी मैनेजमेंट सहित, सभी वेरिएंट में मजबूत 15 हाई-सेफ्टी फीचर मानक तौर पर दिए गए हैं। इसके अलावा सॉनेट में 10 बेस्ट-इन-सेगमेंट सुविधाएं दी गई है, इसमें डुअल स्क्रीन कनेक्ट पैनल डिज़ाइन, रियर डोर सनशेड कर्टेन, और सुरक्षा के साथ ऑल डोर पावर विंडो वन-टच ऑटो अप-डाउन जैसी सुविधाएं शामिल हैं। नई सॉनेट में कम से कम 11 फायदेमंद सुविधाएं हैं और यह तकनीकी रूप से सबसे उन्नत और सुविधा से भरपूर कॉम्पैक्ट एसयूवी है। नई सॉनेट में अब एक नई ग्रिल और नए बम्पर डिजाइन, क्राउन ज्वेल एलईडी हेडलैंप के साथ एक उन्नत फ्रंट फेस, आर16 क्रिस्टल कट अलॉय व्हील और स्टार मैप एलईडी कनेक्टेड टेल लैंप दिए गए हैं।

भारत विश्व में मसूर दाल का सबसे बड़ा उत्पादक बनने की राह पर

फसल वर्ष 2023-24 में मसूर का उत्पादन बढ़कर 16 लाख टन होने का अनुमान

नई दिल्ली ।

उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार सिंह ने कहा कि भारत विश्व में मसूर दाल का सबसे बड़ा उत्पादक बनने की राह पर है। फसल वर्ष 2023-24 में मसूर का उत्पादन बढ़कर करीब 16 लाख टन होने का अनुमान है। अगर यह अनुमान सही साबित होता है तो 2023-24 में भारत का मसूर उत्पादन 2017-18 के बाद सर्वाधिक होगा। वर्ष 2017-18 में मसूर का घरेलू उत्पादन करीब 16.2 लाख टन था। सिंह का कहना है कि हमारा इस साल विश्व में मसूर उत्पादन सर्वाधिक होगा। सिंह ने फरवरी में भारत में आयोजित की जाने वाले वैश्विक दाल संगोष्ठी (जीपीसी) के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही। अधिकारियों ने बताया कि मसूर के न्यूनतम समर्थन मूल्य में अधिक इजाफा किया गया है। वर्ष 2020-21 में मसूर का समर्थन मूल्य 5100 रुपये प्रति क्विंटल था। इसे 2024-25 विपणन वर्ष के लिए 26 प्रतिशत बढ़ाकर 6425 रुपये प्रति क्विंटल कर

दिया गया। इससे किसानों की रुचि मसूर की खेती में फिर से बढ़ी। अभी मसूर का बाजार मूल्य करीब 6100 से 6125 रुपये प्रति क्विंटल है जो न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम है। हालांकि कुछ महीने पहले मसूर का मूल्य 7500-8000 रुपये प्रति क्विंटल था। इससे भी किसान मसूर की फसल लगाने के लिए प्रेरित हुए होंगे। 5 जनवरी तक मसूर की फसल 19 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में लगाई गई थी। यह बीते साल की तुलना में 4.40 प्रतिशत अधिक थी। कारोबार के सूत्रों के अनुसार कनाडा ने शुरुआती दौर में करीब 16.7 लाख टन उत्पादन का अनुमान जताया था। लिहाजा कनाडा ने भारत से अधिक उत्पादन का अनुमान जताया था। लेकिन बाद में कनाडा ने अनुमान 30 प्रतिशत घटा दिया था। इससे भारत पहले स्थान पर आ गया। वैश्विक बाजार में ऑस्ट्रेलिया भी प्रमुख उत्पादक देश है। वर्ष 2023-24 में ऑस्ट्रेलिया का मसूर उत्पादन 14 लाख टन होने का अनुमान है। कनाडा से हाल में राजनयिक विवाद के दौरान भारत के लिए मसूर प्रमुख दाल बनकर उभरी।

ट्रेडिंग अकाउंट को फ्रीज करने की सुविधा देगा सेबी

1 अप्रैल तक तैयार होगा फ्रेमवर्क, संदिग्ध गतिविधि रोकने में मिलेगी मदद

मुंबई ।

सिक्योरिटी एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया यानी सेबी इन्वेस्टर्स को उनकी मर्जी से ट्रेडिंग अकाउंट को फ्रीज या ब्लॉक करने की सुविधा देने जा रहा है। सेबी ने सर्कलर जारी करते हुए कहा कि ट्रेडिंग अकाउंट का अनऑथराइज्ड ऑनलाइन एक्सेस रोकने के लिए इन्वेस्टर्स को उसे फ्रीज या ब्लॉक करने की सुविधा देने के लिए फ्रेमवर्क तैयार किया जाएगा।

सेबी के परामर्श से ब्रोकर्स इंडस्ट्री स्टैंडर्ड्स फोरम इसके लिए 1 अप्रैल 2024 तक या उससे पहले फ्रेमवर्क तैयार करेगी, जिसमें जरूरी दिशानिर्देश भी शामिल होंगे। इसके बाद स्टॉक एक्सचेंज सुनिश्चित करेंगे कि फ्रेमवर्क के तहत जारी किए गए जारी दिशानिर्देशों को 1 जुलाई 2024 से लागू किया जाए। सेबी ने कहा कि भारत में स्टॉक ब्रोकिंग इंडस्ट्री कॉल एंड ट्रेड से बदलकर ऑनलाइन मोड में बदल गया है, जिसमें इन्वेस्टर को लॉगिन आईडी और पासवर्ड का यूज करते हैं। कई बार यह देखा गया है कि इन्वेस्टर के ट्रेडिंग अकाउंट में संदिग्ध गतिविधियां होती हैं, लेकिन अधिकांश ट्रेडिंग मेंबर्स के पास अकाउंट फ्रीज या ब्लॉक करने की सुविधा नहीं होती है। इसीलिए सभी इन्वेस्टर्स के लिए यह सुविधा

लाने की तुरंत जरूरत है। अभी एटीएम कार्ड और क्रेडिट कार्ड को इस तरह ब्लॉक करने की सुविधा अवेलेबल है।

दिग्गज क्रिकेटर क्लाइव लॉयड ने की टी20 वर्ल्ड कप में विराट-रोहित को खिलाने की वकालत

कोलकाता (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के महान क्रिकेटर क्लाइव लॉयड ने भारत की टी20 विश्व कप टीम में रोहित शर्मा और विराट कोहली को शामिल करने की वकालत करते हुए शुक्रवार को कहा कि इन दोनों का अनुभव अहम रहेगा क्योंकि टीम को सिर्फ युवाओं से भरना समझदारी नहीं है। भारतीय चयनकर्ताओं ने हाल में इन दोनों को अफगानिस्तान के खिलाफ चल रही टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए चुना है जिससे संकेत मिला कि ये दोनों अब भी छोटे प्रारूप की योजनाओं में शामिल हैं।

कोहली व्यक्तिगत कारणों से मोहाली में श्रृंखला के पहले मैच में नहीं खेल पाये थे। बहस चल रही है कि आईसीसी ट्राफी के सूखे के ध्यान में रखते हुए इन दोनों को युवाओं के लिए जगह बनानी चाहिए या खेलना चाहिए। ताजा झटका भारत का पिछले साल नंबर में वनडे विश्व कप फाइनल में आस्ट्रेलिया से हारना रहा। दो बार के विश्व कप विजेता कप्तान लॉयड ने यहां मीडिया से कहा, ''आप अपनी सर्वश्रेष्ठ टीम चुनना चाहते हो, आप सिर्फ युवा खिलाड़ियों से अपनी टीम नहीं भर सकते। आपको अनुभव भी चाहिए।''

यहां सतगाछिया हाई स्कूल के 75वें स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे लॉयड ने कहा, ''कोहली अब भी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक हैं। रोहित बतौर कप्तान काफी अच्छे हैं। इसलिये आप अपनी सर्वश्रेष्ठ टीम चुनो। आपके पास कुछ युवा खिलाड़ी भी होंगे क्योंकि आपके पास यहां बहुत सारे क्रिकेटर हैं और वे उम्रदराज खिलाड़ियों की जगह ले रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''ऐसा ही होना चाहिए। लेकिन मुझे पूरा भरोसा है कि आपकी मजबूत टीम होगी।'' भारतीय टीम में अपने पसंदीदा बल्लेबाज के तौर पर लॉयड ने शुभमन गिल और श्रेयस अय्यर को चुनते हुए कहा, ''मुझे गिल पसंद है, वह अच्छा क्रिकेटर लगता है और श्रेयस अय्यर भी। भारत में इस समय काफी क्रिकेटर हैं।''

उन्हें हालांकि लगता है कि भारतीय काफी ज्यादा क्रिकेट खेल रहे हैं जिससे खेल में रूचि कम हो सकती है। लॉयड ने व्यस्त अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम के बारे में क्रिकेट समुदाय की चिंता व्यक्त करते हुए कहा, ''मुझे लगता है कि टीम

काफी अच्छी है और अगर ऐसा ही खेलते रहे तो वे अच्छा करेंगे। लेकिन समस्या यह है कि वे शायदा ज्यादा क्रिकेट खेल रहे हैं जिससे दिलचस्पी कम हो सकती है।

मलेशिया ओपन : सात्विक-चिराग की जोड़ी सेमीफाइनल में पहुंची, चीन जोड़ी को दी मात

कुआलालम्पुर (एजेंसी)। विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान पर काबिज सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की अनुभवी भारतीय जोड़ी शुक्रवार को कुआलालंपु में आयोजित मलेशिया ओपन सुपर 1000 टूर्नामेंट में चीन के रेन जियांग यू और हे जी टिंग की जोड़ी को सीधे गेम में हराकर लगातार दूसरे सेमीफाइनल में पहुंची।

पिछले साल एशियाई खेलों में गोल्ड मेडल जीतने वाली भारतीय जोड़ी ने मैच के दौरान शानदार तालमेल और नियंत्रण दिखाते हुए विश्व रैंकिंग में 32वें स्थान पर काबिज यू और टिंग की जोड़ी को महज 35 मिनट तक चले एकतरफा मुकाबले में 21-11, 21-8 से पराजित किया। दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी को फाइनल में पहुंचने के लिए कोरिया के कांग मिन ह्युक तथा सियो सेउंग जे और मलेशिया की तीसरी वरीयता प्राप्त आरोन चिया तथा सोह वूई यिक की जोड़ी के विजेता से भिड़ना होगा।

अश्विनी पोनप्पा और तनीषा क्रास्टो की जोड़ी को महिला युगल क्वार्टर फाइनल में जापान की रिन इवानागा और की नाकानिशी से सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा। विश्व रैंकिंग में 24वें स्थान पर काबिज भारतीय जोड़ी ने इससे पहले शीर्ष रैंकिंग और दो बार की विश्व चैंपियन मायू मात्सुमोतो और वकाना नागाहारा की जोड़ी को हराकर सुर्खियां बटोरी थी।

भारतीय जोड़ी हालांकि उस प्रदर्शन को जारी नहीं रख सकी और इवानागा और नाकानिशी की जोड़ी से 39 मिनट तक चले मैच को 15-21, 13-21 से हार गयी। यह भारतीय जोड़ी की विश्व रैंकिंग में 15वें स्थान पर काबिज जापान की जोड़ी के खिलाफ दूसरी हार थी। इवानागा तथा नाकानिशी ने पिछले महीने लखनऊ में सैयद मोदी इंटरनेशनल सुपर 300 के फाइनल में अश्विनी और तनीषा की जोड़ी को हराया था।

इस भारतीय जोड़ी ने पिछले महीने लखनऊ और ओडिशा में दो प्रतियोगिताओं के फाइनल में पहुंचने के अलावा गुवाहाटी मास्टर्स सुपर 100 का खिताब जीतने में सफल रही थी। सात्विक और चिराग के लिए बीता साल (2023) छह खिताबों के साथ शानदार रहा था उन्होंने उस लय को इस टूर्नामेंट में जारी रखा है। चीन की इस जोड़ी ने पिछले साल चाइना मास्टर्स में भारतीय जोड़ी को कड़ी टक्कर दी थी लेकिन सात्विक और चिराग की तेज रैली का उनके पास कोई जवाब नहीं था।

भारतीयों ने अपने नियंत्रण और खेल से चीन की जोड़ी को संभालने का कोई मौका नहीं दिया और शुरुआती गेम में 7-0 की बड़ी बढ़त बना ली। ब्रेक के समय सात्विक और चिराग 11-2 से आगे थे और पहला गेम जल्दी ही खत्म कर दिया। ब्रेक के समय भारतीय जोड़ी 11-2 से आगे थी। ब्रेक के बाद चीन की जोड़ी ने वापसी की कोशिश लेकिन चिराग और सात्विक के सामने उनकी एक ना चली। भारतीयों ने छोर बदलने के बाद भी अपनी गति जारी रखी और ब्रेक तक 11-4 से आगे रहे। ब्रेक के बाद भारतीय जोड़ी को 2 मैच प्वाइंट मिले और उन्होंने दूसरे मौके पर ही इसे भुनाकर अंतिम चार में जगह पक्की की।

बीबीएल में वापसी पर हेलीकॉप्टर से मैदान पर उतरेंगे वार्नर

सिडनी (एजेंसी)। हाल में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने वाले ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर अब घरेलू क्रिकेट लीग बिग बैश (बीबीएल) में सिडनी थंडर के लिए सत्र के अंतिम तीन गेम खेलेंगे। वार्नर की बीबीएल में वापसी के लिए भव्य इंतजाम किये गये हैं। वह शाही अंदाज में हेलीकॉप्टर से सिडनी मैदान में उतरेंगे।

सिडनी थंडर के लिए अंतिम तीन मैचों के बाद वार्नर आईएलटी20 लीग में दुबई कैपिटल्स में शामिल होने के लिए संयुक्त अरब अमीरात जाएंगे। उनके हालांकि वेस्टइंडीज के खिलाफ 9 से 13 फरवरी तक होने वाली ट्वेंटी 20 श्रृंखला के लिए वापसी की उम्मीद है। ये जून में टी20 विश्व कप से पहले ऑस्ट्रेलिया में उनका अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच होगा। बीबीएल में वार्नर की वापसी इसलिए भी अहम मानी जा रही है क्योंकि टीम में शामिल इंग्लैंड के ऑलराउंडर टॉम करन चोटिल होकर बाहर हो गये हैं। करन सिडनी सिक्सर्स के साथ मुकबले में घुटने की चोट के कारण बाहर हो गये हैं। वह अंपायर से विवाद के कारण लगे प्रतिबंध के कारण आईएलटी20 में भी नहीं खेल सकेंगे।

विश्व कप टीम में जगह बनाने पर अक्षर की नजरें, टेस्ट श्रृंखला और आईपीएल में छोड़ना चाहेंगे छाप

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोहाली में चोट के कारण वनडे विश्व कप से बाहर रहे स्पिनर अक्षर पटेल ने कहा कि उनकी नजरे आईपीएल 2024 में अच्छा प्रदर्शन करके जून में होने वाले टी20 विश्व कप के लिये भारतीय टीम में जगह बनाने पर लगी है। अक्षर ने अफगानिस्तान के खिलाफ पहले टी20 में चार ओवर में 23 रन देकर दो विकेट लिए।

उन्होंने कहा, 'मेरा काम अपना 100 प्रतिशत देना है। मैं विश्व कप टीम चयन के बारे में ज्यादा नहीं सोच रहा। अगर सोचूंगा तो दबाव में आ जाऊंगा।' उन्होंने कहा, 'अभी मेरा फोकस आईपीएल पर है और इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला भी खेलनी है।' भारत को वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले विश्व कप से पहले दो और टी20 मैच खेलने हैं। अक्षर ने कहा, 'हमें विश्व कप से पहले दो ही टी20 और खेलने है जिसके बाद आईपीएल है। मुझे पता है कि प्रतिस्पर्धा कड़ी है लेकिन मेरी स्पर्धा खुद से ही है। मैं अपने हुनर पर मेहनत करना चाहता हूं।'

उन्होंने कहा, 'यह दुर्भाग्यपूर्ण था कि मैं चोट के कारण विश्व कप नहीं खेल सका लेकिन इस दौरान मैंने अपने खेल पर मेहनत की। मैं एनसीए में अपने खेल पर काम कर रहा था। मेरे पास लेग स्पिनर की तरह विविधता नहीं है लिहाजा बाएं हाथ के स्पिनर के तौर पर मैंने अपनी गेंदबाजी पर मेहनत की।'

पहले टी20 मुकाबले में कई सकारात्मक चीजें हुईं : रोहित

-रन आउट पर बोले , हमेशा आपके अनुसार नहीं होता

मोहाली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने अफगानिस्तान के खिलाफ पहले टी20 मुकाबले कई सकारात्मक चीजें देखने को मिली हैं। उन्होंने कहा कि हमारे स्पिनरों और तेज गेंदबाजों ने अच्छी गेंदबाजी की है। भारतीय टीम को इस मैच में शिवम दुबे के अर्धशतक से जीत मिली है जिससे वह तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से आगे हो गयी है। इस मैच में कप्तान रोहित शर्मा पहले ही ओवर में तेजी से रन लेने के प्रयास में रन आऊट गए थे क्योंकि शुभमन ने उनका साथ नहीं दिया। इससे रोहित ने मैदान पर ही शुभमन से नाराजगी जतायी हालांकि बाद में रोहित ने कहा कि इस प्रकार के मामले होते रहते हैं क्योंकि सब कुछ आपके अनुसार नहीं होता। रोहित ने इस दौरान कैच छूटने पर भी बात की। उन्होंने कहा कि गेंद मेरी उंगली की नोक पर लगी थी जिस कारण तेज दर्द हुआ पर धीरे धीरे यह ठीक हो गया। रोहित ने शुभमन के साथ हुए रन आऊट विवाद पर कहा कि ये चीजें होती रहती हैं। रोहित बोले, आप वहां रहना चाहते हैं और टीम के लिए रन बनाना चाहते हैं। सब कुछ आपके अनुसार नहीं होगा।मैं चाहता था कि शुभमन आगे बढ़ें। रोहित ने कहा कि आज अच्छी चीजें देखने को मिलीं। शिवम और जीतेश ने अच्छी बल्लेबाजी की। तिलक और रिंकू अच्छी फॉर्म में हैं। हम उन क्षेत्रों में अपने को चुनौती देना चाहते हैं जिनमें हम थोड़े असहज हैं। हम यह पक्का करना चाहते हैं कि हम शीर्ष पर आएं।

तिलक को शायद ही दूसरा मैच खेलने को मिले : आकाश

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने युवा बल्लेबाज तिलक वर्मा के हाल के प्रदर्शन पर निराशा जतायी है। तिलक अफगानिस्तान के खिलाफ पहले टी20 में बड़ी पारी नहीं खेल पाये। चोपड़ा ने कहा कि तिलक ने अवसरों का पूरी तरह से फायदा नहीं उठाया है। इससे तीन मैचों की सीरीज के आगामी मैचों में विराट कोहली और यशस्वी जयसवाल को जगह मिलनी तय है। अफगानिस्तान के खिलाफ पहले टी20 में भारतीय टीम की जीत के बाद आकाश ने कहा, रोहित शर्मा और शुभमन गिल के आउट होने के बाद तिलक वहां थे और शिवम दुबे को ऊपरी क्रम में भेजा गया। तिलक ने कुछ समय तक अच्छा खेला पर फिर वह संयम खोकर आउट हो गये। तिलक ने अपने अवसर का पूरी तरह से फायदा नहीं उठाया है। उन्होंने कहा, क्या तिलक अगला मैच खेलेंगे? मुझे लगता है कि उन्हें बाहर किया जा सकता है क्योंकि अगर विराट कोहली और यशस्वी जयसवाल दोनों उपलब्ध हो जाते हैं, तो कौन बाहर जाएगा? कोई भी शिवम को बाहर नहीं रखेगा है और न ही कोई रिंकू सिंह को। शुभमन के बारे में नहीं पता लेकिन मुझे लगता है कि तिलक वर्मा को अगले मैच के लिए बाहर किया जा सकता है। अब तक 16 टी20आई में तिलक ने 15 पारियों में 33.60 की औसत और 139.41 की स्ट्राइक रेट से दो अर्धशतकों के साथ 336 रन बनाए हैं पर वेस्टइंडीज में शानदार पदार्पण श्रृंखला के बाद तिलक का प्रदर्शन उम्मीद के अनुरुप नहीं रहा है और वह 10 पारियों में 23.28 की औसत से केवल 163 रन ही बना पाये हैं।

भारतीय निशानेबाज अखिल श्योराण ने एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर में जीता स्वर्ण पदक

जकार्ता (एजेंसी)। भारतीय निशानेबाजों अखिल श्योराण और ऐश्वर्य प्रताप सिंह तोमर ने एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर में पुरूषों की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस में शुक्रवार को क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक जीते। श्योराण ने 460.2 स्कोर करके आठ निशानेबाजों का फाइनल जीता। वहीं तोक्यो ओलंपिक खेल चुके तोमर 459.0 अंक के साथ दूसरे स्थान पर रहे। थाईलैंड के टी वोंगसुकदी ने कांस्य पदक मिला। श्योराण, तोमर और स्वप्निल कुसाले ने मिलकर टीम वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। भारतीय टीम ने 1758 अंक हासिल किये। चीन 18 अंक पीछे दूसरे ओर दक्षिण कोरिया तीसरे स्थान पर रहा। व्यक्तिगत क्वालीफिकेशन में तोमर 588 अंक लेकर तीसरे और श्योराण 586 अंक के साथ छठे स्थान पर रहे। भारत के नीरज कुमार चैन सिंह ने भी क्वालीफिकेशन में भाग लिया लेकिन सिर्फ रैंकिंग अंक हासिल करने के लिये। वह फाइनल में प्रवेश की पात्रता नहीं रखते थे। भारत के अब दस स्वर्ण, आठ रजत और छह कांस्य पदक हो गए हैं। 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस में तीनों भारतीयों ने फाइनल में प्रवेश किया। क्वालीफाइंग दौर में ऐश्वर्य दूसरे, श्योराण तीसरे और कुसाले चौथे स्थान पर रहे जबकि चीन के यू हाओ शीर्ष रहे। फाइनल में श्योराण ने नीलिंग पोजिशन में 153, प्रोन में 154 और स्टैंडिंग में 100.9 अंक बनाये। 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल स्पर्धा शनिवार को होगी। भारत के आदर्श सिंह और विजयवीर सिद्धू क्वालीफाइंग के पहले दिन छठे और सातवें स्थान पर हैं। भारतीयों के पास ओलंपिक कोटा हासिल करने का मौका है चूंकि शीर्ष छह क्वालीफाई करेंगे और कोरिया तथा जापान के कम से कम तीन निशानेबाज उनके ऊपर हैं जो इस चरण में कोटा हासिल करने की पात्रता नहीं रखते।

वेस्टइंडीज का ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए अनुभवहीन टीम भेजना गलत : डुजॉन

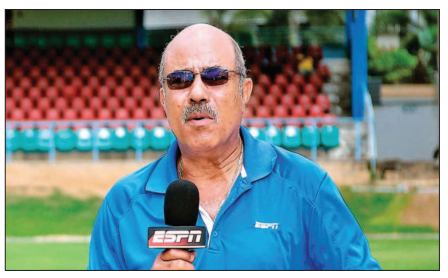

किंग्स्टन । वेस्टइंडीज के पूर्व क्रिकेटर जेफरी डुजॉन ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए युवा खिलाड़ियों की टीम भेजने पर नाराजगी जतायी है। डुजॉन के अनुसार इस अनुभवहीन टेस्ट टीम भेजने का कोई अर्थ नहीं रह जाता है। उन्होंने कहा कि इस दौरे में केवल कप्तान क्रैग ब्रैथवेट, केमार रोच, अल्जारी जोसेफ, जोशुआ दा सिल्वा और टैगेनारिन चंद्रपॉल ही अनुभवी हैं। जेसन होल्डर और काइल मेयर्स अभी फ्रेंचाइजी टी20 लीग खेल रहे हैं जबकि जेडन सील्स कंधे की चोट के कारण बाहर हैं। ऐसे में टेस्ट टीम में 15 खिलाड़ियों में से 7 गैरअनुभवी हैं। अनुभवहीन खिलाड़ी हैं बल्लेबाज जाचरी मैकास्की, विकेटकीपर टेविन इमलाच, ऑलराउंडर जस्टिन ग्रीव्स, केवम हॉज, केविन सिंक्लेयर, तेज गेंदबाज अकीम जॉर्डन और शमर जोसेफ। डुजॉन ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया की हालत हमारे समान नहीं हैं। हो सकता है कि उनके खिलाड़ी अधिक देशभक्त हों और राष्ट्रीय टीम से खेलने को अधिक वरीयता देते हों। उन्होंने कहा कि अगर हमने युवा टीम को किसी कमजोर देश से खेलने के लिए भेजा होता तो बेहतर होता पर ऑस्ट्रेलिया जैसी टीम के खिलाफ युवाओं को भेजना कहीं से भी सही नहीं है। वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला टेस्ट 17 जनवरी को एडिलेड में शुरू होगा। उसके बाद 25 जनवरी से गाबा में दूसरा टेस्ट शुरू होगा। अंतिम बार वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया में 1992/93 में टेस्ट सीरीज जीती। वहीं टेस्ट क्रिकेट को लेकर डुजॉन ने कहा कि जब तक आपके सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी नहीं खेलेंगे तब तक क्रिकेट में सुधार नहीं हो सकता।

पेरिस ओलंपिक पर भारतीय महिला हॉकी टीम की नजरें, अमेरिका के खिलाफ अभियान का आगाज

नोएडा (एजेंसी)। एशियाई खेलों में तीसरे स्थान पर रहने की निराशा से उबरते हुए भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच ओलंपिक क्वालीफायर में शनिवार को अमेरिका के खिलाफ अपने अभियान का आगाज करेगी तो उसकी नजरें अपने मैदान पर खेलने का फायदा उठाते हुए पेरिस का टिकट कटाने पर लगी होंगी। मेजबान भारत, जर्मनी, चेक गणराज्य, इटली, जापान, अमेरिका, चिली और न्यूजीलैंड यहां पेरिस ओलंपिक क्वालीफायर में खेलेंगे। पेरिस ओलंपिक 26 जुलाई से 11 अगस्त के बीच खेले जायेंगे। दुनिया की पांचवें नंबर की टीम जर्मनी को सर्वोच्च रैंकिंग मिली है जबकि भारत छठे स्थान पर है। न्यूजीलैंड रैंकिंग में नौवे स्थान पर है जबकि जापान 11वें, चिली 14वें, अमेरिका 15वें, इटली 19वें और चेक गणराज्य 25वें स्थान पर है। भारत को पूल बी में न्यूजीलैंड, इटली, अमेरिका के साथ रखा गया है। वहीं जर्मनी, पूर्व एशियाई चैम्पियन जापान, चिली और चेक गणराज्य पूल ए में हैं। अमेरिका के बाद भारत को 14 जनवरी को न्यूजीलैंड और 16 जनवरी को इटली से खेलना है। सेमीफाइनल 18 जनवरी को और फाइनल 19 जनवरी को होगा। भारत और अमेरिका ने 1983 के बाद से एक दूसरे के खिलाफ 15 बार खेला है जिसमें से नौ बार अमेरिका ने जीत दर्ज की जबकि भारत चार ही बार जीत सका और दो मैच ड्रॉ रहे। रैंकिंग में नीचे होने के बावजूद अमेरिकी टीम खतरनाक साबित हो सकती है। भारत की मुख्य कोच यानेके शॉपमैन ने टूर्नामेंट से पूर्व प्रेस कांफेंस में कहा ,'' हम एशियाई खेलों के जरिये ओलंपिक के लिये क्वालीफाई करने से चूक गए लेकिन अब वह बीती बात है।'' उन्होंने कहा ,'' हमें इस टूर्नामेंट में अच्छे प्रदर्शन का यकीन है। हमें पहले से बेहतर प्रदर्शन करना होगा और अगर ऐसा कर सके तो हम ओलंपिक के लिये क्वालीफाई कर पायेंगे।'' टूर्नामेंट से नौ दिन पहले भारत की अनुभवी स्ट्राइकर वंदना कटारिया अभ्यास के दौरान चेहरे की हड्डी में फ्रेक्चर के कारण बाहर हो गई। हाल ही में भारत के लिये 300 अंतरराष्ट्रीय मैच पूरे करने वाली वंदना फॉरवर्ड पंक्ति की धुरी थी। उनकी जगह बलजीत कौर ने ली। टीम को वंदना की कमी खलेगी जो एक दशक से भारतीय टीम का अभिन्न अंग रही है और रियो ओलंपिक से तोक्यो ओलंपिक तक सारे बड़े टूर्नामेंट खेले हैं। वह ओलंपिक में हैट्रिक लगाने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी हैं। भारत को पेनल्टी कॉर्नर में भी सुधार करना होगा जो लंबे समय से समस्या रही है। टूर्नामेंट से ठीक पहले भारत के पूर्व ड्रैग फ्लिकर रूपिंदर पाल सिंह ने खिलाड़ियों को अभ्यास कराया है। शॉपमैन ने कहा ,'' रूपिंदर काफी अनुभवी खिलाड़ी है और उसे पता है कि डी के भीतर दबाव का सामना कैसे करना है। उसके सत्र से गुरजीत कौर और दीपिका को काफी मदद मिली।'' वंदना की गैर मौजूदगी में लालरेमसियामी, संगीता कुमारी, दीपिका और बलजीत पर दबाव होगा जबकि डिफेंस में निक्की प्रधान, उदिता, इशिका चौधरी और मोनिका होंगे।

सौरव गांगुली पर बायोपिक बनना फाइनल, विक्की डोनर फेम एक्टर आयुष्मान खुराना निभाएंगे लीड रोल

मुंबई (एजेंसी)। क्रिकेट जगत में बॉलीवुड बायोपिक बनाने का सिलसिला आगे बढ़ने जा रहा है। अब इस लिस्ट में सौरव गांगुली का नाम आया है जिनके लीड रोल में विक्की डोनर फेम एक्टर आयुष्मान खुराना फाइनल हो गए हैं। बॉलीवुड में क्रिकेट, बैडमिंटन, फुटबॉल के खिलाड़ियों पर कई बायोपिक्स बनी हैं। अब इसे आगे बढ़ाते हुए निर्माता लव रंजन और अंकुर गर्ग गांगुली आगे बढ़ चुके हैं। बायोपिक का निर्देशन विक्रमादित्य मोटवानी करेंगे जोकि उड़ान, लुटेरा, जुबली आदि फिल्में बना चुके हैं।

निर्माता लव रंजन और अंकुर गर्ग ने आयुष्मान खुराना और विक्रमादित्य मोटवाने को एक-साथ लाकर चर्चा बटोरी है। गांगुली की तरह आयुष्मान भी बाएं हाथ से बल्लेबाजी करते रहे हैं। फिल्म की आधिकारिक घोषणा जल्द होगी। बताया जा रहा है कि गांगुली की भूमिका के लिए पहले रणबीर कपूर को एप्रोच किया गया था, लेकिन किसी कारण बात बन नहीं पाई। फिल्म के लिए कास्ट होकर आयुष्मान खुराना दिवंगत सुशांत सिंह राजपूत, इमरान हाशमी, श्रेयस तलपड़े और तापसी पन्नू की श्रेणी में पहुंच गए हैं जिन्होंने स्क्रीन पर वास्तविक जीवन के क्रिकेटर की भूमिका निभाई है।

बॉलीवुड और क्रिकेट का नाता बहुत पुराना है। 1960 के दशक से भारत के पूर्व कप्तान मंसूर अली खान पटौदी ने बॉलीवुड अभिनेत्री शर्मिला टैगोर के साथ शादी की थी। इसके बाद दोनों जगत से कई जोड़ियां बनीं। इसी क्रम में विराट कोहली और अनुष्का शर्मा देश की पसंदीदा सेलिब्रिटी जोड़ी बनी। इस दौरान कई भारतीय फिल्में क्रिकेट या क्रिकेटरों पर आधारित रही, जिनमें लगान, एमएस धोनी- द अनटोल्ड स्टोरी, 83 और शाबाश मिठू शामिल हैं। बता दें कि सौरव चंडीदास गांगुली जिन्हें दादा के नाम से भी जाना जाता है, भारत को 20 साल बाद 2003 के क्रिकेट विश्व कप फाइनल में लेकर गए थे। उन्होंने बतौर कप्तान टीम इंडिया को ऐतिहासिक उपलब्धियां दिलाईं। कप्तान के रूप में उन्होंने 2002 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीती। इसके अलावा 2003 क्रिकेट विश्व कप और 2000 आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचने के लिए भारतीय राष्ट्रीय टीम का नेतृत्व किया। उन्हें आधुनिक भारतीय टीम का जन्मदाता माना जाता है।

अब ऑस्ट्रेलियाई टीम की ओर से पारी की शुरुआत करेंगे स्मिथ

सिडनी । डेविड वॉर्नर के संन्यास के बाद अब अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को पारी की शुरुआत का अवसर मिलना तय है। इसका कारण ये है कि क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) स्मिथ को वार्नर के बेहतर विकल्प के रुप में देखता है। सीए चाहता है कि उस्मान ख्वाजा के जोड़ीदार के तौर पर स्मिथ उतरें। स्वयं वॉर्नर ने भी

अंतिम टेस्ट मैच खेलने के बाद कहा था कि स्मिथ पारी की शुरुआत के लिए बेहतर रहेंगे। वहीं चयनकर्ता भी स्मिथ के अनुभव को देखते हुए ये जिम्मेदारी उन्हें देना चाहते हैं। स्मिथ ने साल 2010 में टेस्ट करियर की शुरुआत लेग स्पिनर के रूप में की थी। इसके बाद वह नौवें नंबर पर बल्लेबाजी करते-करते तीसरे नंबर पर पहुंचे। वहीं अब वह पारी की शुरुआत के लिए तैयार हैं। स्मिथ ने भी हाल ही में इच्छा जताई थी कि वह टेस्ट में पारी की शुरुआत करना चाहते हैं। स्मिथ ने सबसे ज्यादा नंबर 4 पर बल्लेबाजी की है। अब वह वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट मैचों में ख्वाजा के साथ पारी की शुरुआत करते हुए नजर आयेंगे। मुख्य चयनकर्ता जॉर्ज बेली ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए 13 सदस्यीय टीम की घोषणा करते हुए कहा कि स्मिथ टेस्ट मे शुरुआत करेंगे। स्मिथ की गिनती आज विश्व के शीर्ष बल्लेबाजों में होती है। उन्होंने अपने डेब्यू टेस्ट मैच में आठवे नंबर पर बल्लेबाजी की थी। स्मिथ टीम के कप्तान भी रहे हैं। स्मिथ आज ऑस्ट्रेलियाई टीम के अहम सदस्य हैं। उनकी गिनती वर्तमान समय के पसंदीदा चार बल्लेबाजों में होती है। इस सूची में विराट कोहली, स्टीव स्मिथ, केन विलियम्सन और बाबर आजम जैसे नाम हैं।

श्री राम कथा श्रवण से ही जीवन धन्य हो जाता है:श्री 1008 गुरुदेव भगवान श्री रमाशंकर दास वेदांती जी महाराज

श्री राम कथा के आयोजक दिनेश पाण्डेय ने बताया प्रतिदिन कथा में 15 से 20 हजार भक्तगण उपस्थित होकर कथा का आनंद ले रहे

सुरत भुमि, सूरत। दिनेश टेक्सटाइल एवं अवध सेवा समिति के द्वारा आयोजित भव्य श्री राम कथा में पूज्य श्री गुरुदेव भगवान के मुखारविंद से अमृतमयी कथा में अविरल भक्ति की धारा सूरत में बह रही है। जिसमे कल हमारे बीच हमारे परम मित्र एवं (FOSTTA) के टेक्सटाइल अध्यक्ष एवं हमारे परम मित्र श्री कैलाश हाकिम जी पधारे एवं पूज्य महाराज श्री से आशीर्वाद प्राप्त किये एवं पूज्य गुरुदेव भगवान की मधुर वाणी से भक्त और भागवान के अगाध प्रेम की कहानी धर्मपरायण भक्त केवट जी की कथा सुनाये और महाराज जी बताये की श्री राम कथा श्रवण से जीवन धन्य हो जाता है एवं निस्वार्थ भावना के साथ प्रभु राम की चरित्र को अपनाये एवं श्री राम प्रेम मूर्ति के समान है। भगवान श्री राम और केवट की कथा सुनाते हुए बताया कि श्री राम ने केवट से नाव मांगीए पर वो नहीं लाए। वह कहने लगे मैंने आपका भेद जान लिया। आपके चरण कमलों की धूल के लिए सब लोग कहते हैं कि वह मनुष्य बना देने वाली कोई जड़ी बूटी है। जिसके छूते ही पत्थर की शिला सुंदरी स्त्री हो गई ,मेरी नाव तो काठ की है। हे नाथ! मैं चरण कमल धोकर आप लोगों को नाव पर चढ़ा लूँगा, मैं आपसे कुछ उतराई नहीं चाहता। हे राम! मुझे आपकी दुहाई और दशरथजी की सौगंध है, मैं सब सच.सच कहता हूँ। लक्ष्मण भले ही मुझे तीर मारें, पर जब तक मैं पैरों को पखार न लूँगा, तब तक हे हे कृपालु! मैं पार नहीं उतारूँगा।

केवट के प्रेम में लपेटे हुए वचन सुनकर करुणाधाम श्री रामचन्द्रजी जानकीजी और लक्ष्मणजी की ओर देखकर हँसे। कृपा के समुद्र श्री रामचन्द्रजी केवट से मुस्कुराकर बोले भाई! तू वही कर जिससे तेरी नाव न जाए। जल्दी जल लाओ और चरण धो लो।

सुरत भुमि, सूरत। अयोध्या में राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर पूरा देश उत्साहित है और सभी भक्त भगवान श्रीराम के स्वागत के लिए अलग अलग कार्यक्रम कर रहे है। इसी क्रम में एक सोच एनजीओ और सरदार सेवा फाउंडेशन के द्वारा "राम नी मेहंदी" कार्यक्रम का आयोजन बुधवार को उमिया धाम मंदिर में किया गया। एक सोच एनजीओ की संस्थापक रितु राठी ने बताया कि आयोजन में क़रीबन तीन सौ महिलाओं को राम नाम की मेहंदी लगाई गई। इस दौरान भगवान श्रीराम के भजन भी गये गये।

मांडवी तालुका के नदी तट पर आदिवासी राज्य मंत्री कुँवरजीभाई हलपति की अध्यक्षता में एक भव्य 'सखी सम्मेलन' आयोजित किया गया

सूरत। आदिवासी राज्य मंत्री कुंवरजीभाई हलपति की अध्यक्षता में मांडवी तालुका के नदी तट पर तालुका पंचायत कार्यालय-मांडवी द्वारा एक भव्य सखी सम्मेलन का आयोजन किया गया। सांसद प्रभुभाई वसावा की प्रेरक उपस्थिति में आयोजित समारोह का मुख्य उद्देश्य बड़ी संख्या में महिलाओं को लखपति दीदी पहल के बारे में जागरूक करना था, जो उनके आर्थिक और सामाजिक उत्थान में मदद करती है।

इस अवसर पर जनजातीय राज्य मंत्री ने गरीब एवं पिछड़े वर्ग की महिलाओं के विकास के लिए संकल्पित राज्य सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं के बारे में बताया. सखी मंडल में काम करने वाली बहनों को प्रति वर्ष 1 लाख रुपये कमाने का अवसर देने वाली पहल लखपति दीदी के तहत सीआरपी बहनों को प्रशिक्षण और वित्तीय स्वतंत्रता के लिए व्यवसाय योजना तैयार करने, वित्तीय सहायता के लिए बैंक लिंकेज के बारे में जानकारी दी गई। इसके साथ ही मंत्री ने महिलाओं को एक मुकाम दिलाने वाली नमो ड्रोन दीदी की नवतार योजना, इसके तहत प्रशिक्षण और प्रमाणन के बारे में भी जानकारी दी. साथ ही इस योजना के माध्यम से महिलाओं के लिए पैदा हुए रोजगार के नए अवसरों को पकड़ने के लिए प्रोत्साहित किया।

मंत्री ने महिलाओं के साथ-साथ युवा विकास को सरकार की प्राथमिकता के बारे में बताया और युवाओं के लिए योजनाओं और रोजगार व व्यवसाय के अवसरों की जानकारी दी. उन्होंने रासायनिक खेती से मिट्टी और मानव जाति को होने वाले नुकसान, प्राकृतिक कृषि से पैदा होने वाले अनाज के फायदे बताए और किसानों से प्राकृतिक खेती अपनाने का अनुरोध किया। उन्होंने महिला किसानों और पशुपालकों के लिए काम कर रही सरकारी योजनाओं की जानकारी दी और महिलाओं से अनुरोध किया कि वे इनका अधिक से अधिक लाभ उठाएं और आर्थिक रूप से सक्षम बनें।

जिला ग्राम विकास अभिकरण के निदेशक एम.बी.प्रजापति ने राष्ट्रीय आजीविका मिशन के तहत संचालित विभिन्न योजनाओं एवं महिला सशक्तिकरण के लक्ष्य, मिशन मंगलम के तहत महिलाओं को प्रदान की जाने वाली प्रशिक्षण, सहायता एवं बैंक निधि की जानकारी दी तथा मिशन मंगलम से जुड़े समूहों के बारे में उपयोगी जानकारी दी। मांडवी तालुका में योजना एवं उनकी गतिविधियों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर गणमान्य व्यक्तियों द्वारा विभिन्न सखी मंडलों को चेक एवं प्रमाण पत्र प्रदान किये गये

गांव की आदिवासी महिलाओं द्वारा पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत किया गया। साथ ही ग्रामीण महिलाओं ने प्राकृतिक खेती के महत्व को समझाते हुए नाटक का प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष रोहितभाई पटेल, केएपीएस साइट निदेशक सुनीलकुमार रॉय, एसोसिएशन अध्यक्ष दिनेशभाई पटेल, टी.पी. अध्यक्ष दिलीपभाई चौधरी, केएपीएस सीएसआर के अध्यक्ष एन.जे. केवट, केंद्रीय मंत्री भरतभाई और कार्यकर्ता, जिला स्वास्थ्य अधिकारी अनिलभाई पटेल, नगरपालिका अध्यक्ष और उपाध्यक्ष, तालुका और जिला पंचायत सदस्य, अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में सखी मंडल की बहनें उपस्थित थीं।

बाइक से स्कूल जा रहे छात्र को सिटी बस ने मारी टक्कर, 11वीं कक्षा के छात्र की मौत पर लोगों में आक्रोश

सूरत में शराबी सांड की तरह घूमती सिटी बस लगातार हादसों का कारण बन रही है। सुबह स्कूल जाते समय एक छात्र की बाइक में सिटी बस ने टक्कर मार दी। तो 11वीं क्लास में पढ़ते समय सड़क पर गिरे छात्र की मौत हो गई. तो गुस्साए लोगों ने बस ड्राइवर को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

नगर निगम द्वारा संचालित सिटी बस एक बार फिर यमदूत बनकर सामने आई है। स्कूल जा रहे एक सिटी बस चालक ने उसे टक्कर मार दी। जिससे हादसे में एक मासूम छात्र की दर्दनाक मौत हो गई. हादसा 120 फीट बमरोली रोड पर हुआ। हादसा सुबह 6.30 बजे स्कूल जाते समय हुआ। मृतक छात्र का नाम गौरव राजेश बारडोलिया बताया गया है।

मृतक अठवालाइन्स स्थित आरएसएम पूनावाला पब्लिक स्कूल में 11वीं कक्षा में पढ़ता था। हादसे के बाद लोगों ने सिटी बस के ड्राइवर को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।सूरत में बेलगाम दौड़ रहे सिटी बस ड्राइवर अब भी सुधरने से इनकार कर रहे हैं। यह बात सामने आ गई है कि भाजपा शासकों द्वारा बनाए गए सख्त नियम सिर्फ कागजों तक ही सीमित हैं। नियमों का उल्लंघन करने वाले बस चालकों पर सख्त कार्रवाई कब होगी ? ऐसे सवाल उठ रहे हैं।

उत्तरायण में घायल पक्षियों एवं घायल नागरिकों के लिए न्यू सिविल अस्पताल में हेल्पलाइन सेवा का शुभारंभ

सूरत। उत्तरायण पर्व के दौरान उड़ते पक्षी और वाहन चालक पतंग की डोर से घायल हो जाते हैं। पिछले 16 वर्षों से मासूम पक्षियों की सुरक्षा और बचाव के लिए नर्सिंग एसोसिएशन और सहस्त्रफना पार्श्वनाथ चैरिटेबल ट्रस्ट-गोपीपुरा द्वारा न्यू सिविल अस्पताल में हेल्पलाइन सेवा के साथ घायल पक्षियों के इलाज के लिए शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। जहां पक्षियों के लिए जीवन सहायता और घायल मरीजों के इलाज के लिए डॉक्टरों की टीम और एम्बुलेंस सेवा कार्यरत है, वहीं इस वर्ष भी विधायक श्रीमती के हाथों घायल पक्षियों और घायल नागरिकों के लिए न्यू सिविल अस्पताल में एक हेल्पलाइन सेवा शुरू की गई है। महापौर श्री दक्षेशभाई मवाणी की विशेष उपस्थिति में संगीताबेन पाटिल। साथ ही विधायक द्वारा न्यू सिविल अस्पताल की सफाई करने वाली महिलाओं को साड़ियां वितरित की गईं।

न्यू सिविल अस्पताल में कार्यरत हेल्पलाइन सेवा के लिए जगदीश बुहा- 9979087053, चेतन अहीर- 9737789229, विभोर चुघ- 8 460670644, नीलेश लाठिया- 9909927924, वीरेन पटेल- 9033798 419, इकबाल कड़ीवाला- 9825504766, किरण डोमडिया- 98255 घायल पक्षियों के इलाज के लिए 25637 पर कॉल करें या नागरिक।

इस अवसर पर संगीताबेन पाटिल ने कहा कि निरीह, निरीह पक्षियों की रक्षा करना हमारा नैतिक कर्तव्य है। 2017 से उत्तरायण पर्व के दौरान पतंग की डोर से घायल पक्षियों को बचाने और उनका इलाज करने के लिए दस दिवसीय 'करुणा अभियान' चलाया जा रहा है, नए सिविल, नर्सिंग एसोसिएट। लगातार 16 वर्षों से शुरू की गई हेल्पलाइन सेवा की सराहना करते हुए सूरतवासियों से भी इस जीवन रक्षक अभियान से जुड़ने की अपील की गई।

महापौर श्री दक्षेशभाई मवानी ने कहा कि जहां शहर में कई सामाजिक संगठन जीवन रक्षा और जागरूकता अभियान चला रहे हैं, वहीं उत्तरायण पर्व के दौरान घायल पक्षियों और घायल मरीजों के लिए पिछले 16 वर्षों से न्यू सिविल अस्पताल में हेल्पलाइन सेवा सराहनीय है। नर्सिंग एसोसिएट ने कहा, इस प्रकार, नागरिकों के साथ-साथ स्वास्थ्य कार्यकर्ता भी हमेशा सेवा गतिविधियों में अग्रणी बन रहे हैं। और नागरिक व्यवस्था की पहल की सराहना की।

सिंडिकेट सदस्य डॉ. महेंद्रसिंह चौहान, जो पिछले 16 वर्षों से नई सिविल हेल्पलाइन सेवा के साक्षी हैं और पतंगों की घातक डोर से घायल पक्षियों और नागरिकों की सेवा से लगातार जुड़े हुए हैं, ने कहा।

इस उपलब्धि के लिए सूरत देश का पहला स्वच्छ शहर बन गया है, नर्सिंग एसो. तथा नर्सिंग स्टाफ द्वारा महापौर दक्षेशभाई का अभिनंदन किया गया।

बेहतरीन गुजराती गानों की स्पेशल प्लेलिस्ट के साथ एयरटेल विंक म्यूजिक मना रहा संक्रांति का जश्न

सर्वाधिक डाउनलोड और डेली एक्टिव यूजर्स के साथ भारत के नंबर 1 म्यूजिक स्ट्रीमिंग ऐप - विंक म्यूज़िक, रंगारंग गुजराती त्योहार मकर संक्रांति अपने एक विशेष रूप से तैयार की गई प्लेलिस्ट के लॉन्च के साथ मना रहा है।

गुजरात की समृद्ध संस्कृति और भाषाई विरासत की दुनिया में श्रोताओं को मंत्रमुग्ध करने के लिए तैयार की गई विंक म्यूजिक की विशेष प्लेलिस्ट सर्वश्रेष्ठ गुजराती ट्रैक्स प्रेम क्यारे करवाना, उड़ी पतंग, प्रेम नो पतंग, मारी उड़ी पतंग रंग रंगी पतंग जैसे विविध गीतों के साथ गुजरात के संगीत गौरव और भावना को जगाती है, जिसे राकेश बारोट, जिग्नेश कविराज और कौशिक भरवाड़ जैसे प्रसिद्ध कलाकारों ने गाया है। विंक म्यूजिक देश भर में मकर संक्रांति के त्यौहार के प्रचार-प्रसार में सहयोग करेगा, जिससे श्रोताओं को इसके गीतों के माध्यम से कार्यक्रम के ऐतिहासिक महत्व का पता चल सकेगा।

श्री राम मंदिर बनाने वाले कारीगरों का सम्मान करेगा: जीण संघ

सुरत भुमि, सूरत। विश्व के सबसे बड़े महोत्सव, अयोध्या में श्री राम मंदिर की प्रतिस्थापना के पावन उपलक्ष पर श्री अखिल भारतीय जीण माता सेवा संघ सूरत द्वारा भव्य श्री राम मंदिर का निर्माण करने वाले मजदूरों का सम्मान करने का एक अनूठा एवं समाज मूल्यिक प्रयास किया जाएगा।

इस प्रयास के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए जीण संघ के संस्थापक अध्यक्ष शरद खंडेलवाल ने बताया कि 497 वर्षों की चिर प्रतीक्षा, निरंतर प्रयास एवं अनेक बलिदानों के पश्चात श्री राम मंदिर का भव्य से अति भव्य निर्माण हुआ है। समाज का एक ऐसा वर्ग "शिल्पकार, कारीगर एवं मजदूर" जिसने वास्तविक अर्थों में भीषण गर्मी, मूसलाधार बारिश और कड़कड़ाती सर्दी की परवाह किए बगैर अपनी अथक एवं अविरल मेहनत, सेवा और उदात्त भावों से विश्व में अनूठी शिल्पी की अद्भुत रचना च्श्री राम मंदिरज् के रूप में की है। इन कारीगर मज़दूर एवं शिल्पकार वर्ग के परिश्रमी प्रयासों के प्रति कृतज्ञता और अभिनंदन व्यक्त करने की परिकल्पना श्री अखिल भारतीय जीण माता सेवा संघ सूरत और उसकी ब्यावर, सीकर, चूरू, घांगू, बागरा एवं झुंझुनु शाखाओं द्वारा संजोई गई।

इस परिकल्पना के तहत श्री राम मंदिर निर्माण में संलग्न सभी मजदूरों, कारीगरों एवं शिल्पकारों को एक अनुपम उपहार जीण संघ सूरत द्वारा सुअर्पित कर सामाजिक समरसता का एक स्वस्थ दिव्य संदेश अभिसंचरित किया जायेगा।

कार्यक्रम संयोजक दिलीप पटेल ने बताया कि श्री राम मंदिर निर्माण के महिला मज़दूरों को सुंदर साड़ी या सूट, साथ ही पुरुष मजदूरों को अच्छे परिधान भेंट किए जायेंगे। इस हेतु गोविंद जिंदल, नंदकिशोर मोहता, राम मूंदड़ा, राजेश काबरा, रघु खंडेलवाल का एक प्रतिनिधि मंडल फरवरी माह में अयोध्या जायेगा, जहाँ श्री राम मंदिर ट्रस्ट के मार्गदर्शन में ये उपहार वितरित करेगा।

इस परिकल्पना के क्रियान्वन में राष्ट्रीय भावनाओं से ओत - प्रोत होकर सारा फैब इंटरनेशनल, करणी इम्पेक्स, रोली मोली क्रिएशन ने अपनी

सुरत भुमि, सूरत। अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला शाखा द्वारा शुक्रवार को पिकनिक का आयोजन दांडी रोड स्थित न्यू हैवन रिसोर्ट में किया गया। महिला शाखा की अध्यक्षा शालिनी कानोडिया ने बताया कि पिकनिक में क़रीबन 225 महिलाओं ने गेम्स खेले। इस दौरान सभी ने डजेम्बे ड्रम का इंजॉय किया। आयोजन में महिलाओं ने टैटू बनवाये, पुल गेम्स, विंटर स्पेशल खाने का लुफ्त उठाया। पिकनिक में शाम को कार्निवल परेड का आयोजन भी किया गया। अंत में सभी में भगवा रंग के बैलून उड़ाकर भगवान श्री राम के अयोध्या आगमन की खुशी मनाई। इस मौक़े पर महिला शाखा की सीमा कोकरा, सुनीता जालान, अरुणा अग्रवाल, नेहा अग्रवाल, सोनिया गोयल, पिंकी सिंघल, सरोज अग्रवाल सहित अनेकों सदस्या उपस्थित रहें।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)